શુભ લાભ

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 10 नवंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-307

बिहार चुनाव में पीएम मोदी ने बिगाड़ डाले विपक्ष के समीकरण

हिट रहा करप्शन से कट्टा और जंगलराज से परिवारवाद पर चोट

पटना, 09 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के विधानसभा चुनाव में रिकॉर्डतोड़ रैलियां कर तमाम राजनीतिक समीकरणों की ऐसी-तैसी कर दी। उनकी रैलियों के आगे विपक्ष का कोई नेता टिक नहीं पाया। पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने बिहार में चुनावी रैलियों की झड़ी लगा दी है। पीएम मोदी ने बिहार में रैली करने का 2020 का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ डाला है। उन्होंने बिहार चुनाव के दौरान 2020 की तुलना में इस बार ज्यादा रैलियां की हैं। पीएम मोदी ने जिन मुद्दों पर फोकस किया, वे मुद्दे पूरी तरह बिहार में हावी रहे। उन्होंने जंगलराज, कट्टा, करप्शन, परिवारवाद पर हमला करते हुए महागठबंधन को घेरा और महिलाओं पर केंद्रित योजनाओं को खास तौर पर फोकस किया।

इस तरह पीएम मोदी ने बिहार चुनाव में जो मुद्दे उठाए उसने चुनाव की दशा और दिशा को बदलने का काम किया। उन्होंने 24 अक्टूबर को जननायक कर्पूरी ठाकुर के गांव में उनके परिवार से मिलकर चुनावी रैलियों की शुरुआत की। इस दौरान महिलाओं को खास तौर पर उन्होंने अपील की, सामाजिक कल्याण के लिए चलाई जा रही निःशुल्क योजन-ाओं को दोहराया। विकास की रफ्तार को हवा दे रही सड़कों की

छठ महापर्व पर राहुल गांधी की महाबेवकूफी भी खूब उछली

प्रधानमंत्री ने बनाया रैलियों का रिकॉर्ड, पिछला रिकॉर्ड तोड़ा

खासतौर पर चर्चा की, जो विगत वर्षों में काफी अच्छी हो गई है। यानि लालू-राबड़ी राज की नाकामियां, यूपीए सरकार के घोटाले के समानांतर डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों को गिना कर पीएम मोदी ने जनता का दिल जीतने की कोशिश की।

प्रधानमंत्री ने बिहार में 14 रैलियां कीं और सात बार बिहार का दौरा किया। इस दौरान बेगू-सराय, मुजफ्फरपुर, सहरसा, छपरा, कटिहार, आरा, नवादा, भागलपुर, अररिया, औरंगाबाद, भभुआ के बाद सीतामढ़ी और बेतिया गए। जबकि 2020 में पीएम मोदी ने बिहार का चार बार दौरा किया था और 12 सभाएं की थी। पीएम मोदी ने इस बार लगभग हर दिन दो सभाओं को संबोधित किया।

पहले फेज के चुनाव में करीब 65 फीसदी वोटिंग हुई, लेकिन महिलाओं ने पुरुषों के मुकाबले 8 फीसदी ज्यादा वोटिंग किया। माना जा रहा है कि महिलाओं का वोटिंग में बढ़चढ़कर हिस्सा लेना, महिला कल्याण के लिए उठाए गए कदमों की वजह से है। खास कर हाल ही में महिलाओं के खातों में आए 10000 रुपए ने उन्हें ताकत दी है। बिजनेस के क्षेत्र में आगे बढ़ने पर 2 लाख तक का लोन देने का वादा भी महिलाओं को लुभा रहा है। महिलाओं को मुफ्त राशन, स्कूलों में लड़कियों को मिल रही साइकिल समेत नई पीढ़ी को ▶10पर

देश को अस्थिर करने वाले तत्वों पर चल रही सख्त कार्रवाई

हैदराबाद का आतंकी गुजरात में दो साथियों संग गिरफ्तार

गांधीनगर/बेंगलुरु/श्रीनगर, 09 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने गांधीनगर के अडालज टोल प्लाजा के पास से आईएसआईएस के तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया है। उनसे पूछताछ में खुलासा हुआ है कि गुजरात में बड़े आतंकी हमले की साजिश थी। आतंकियों के पास से आधुनिक पिस्तौल सहित जहरीला केमिकल भी मिला है। पकड़े गए आतंकवादी सायनाइड में जहरीला रसायन मिला कर जनता पर खतरनाक प्रयोग करने की तैयारी में थे।

गुजरात एटीएस ने जिन तीन आतंकियों को पकड़ा है उनमें डॉ. अहमद मोहिउद्दीन सैयद पुत्र अब्दुल खादर जिलानी, मोहम्मद सुहेल पुत्र मोहम्मद सुलेमान और आज़ाद पुत्र सुलेमान सैफी शामिल है। आतंकियों के पास से दो ग्लॉक पिस्तौल, एक बरेटा पिस्तौल, 30 ज़िंदा कारतूस, सायनाइड और चार लीटर कैस्टर ऑयल बरामद किया गया।

गिरफ्तार किया गया डॉ. अहमद मोहीउद्दीन अब्दुल कादर जिलानी हैदराबाद का रहने वाला है। मोहम्मद

बेंगलुरु जेल में आतंकी को मिल रही वीआईपी सुविधा!

सहारनपुर का कश्मीरी डॉक्टर निकला कुख्यात आतंकी

सुहेल मोहम्मद सुलेमान और आज़ाद सुलेमान सैफी दोनों उत्तर प्रदेश के निवासी हैं। गुजरात एटीएस ने बताया कि तीनों को हथियार सप्लाई करते हुए गिरफ्तार किया गया। वे देश के विभिन्न हिस्सों में आतंकवादी हमले करने की योजना बना रहे थे। आईएसआईएस से जुड़े ये तीनों आतंकवादी गुजरात में साइनाइड से भी ज्यादा खतरनाक जहरीला केमिकल बनाने की कोशिश कर रहे थे। वे राज्य में कोई बड़ी वारदात अंजाम दे सकें, उससे पहले ही गुजरात एटीएस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

इस गिरफ्तारी से देश की सुरक्षा एजेंसियों को आतंकवाद के खिलाफ एक और बड़ी सफलता मिली है। एक बड़े आतंकी षड्यंत्र को विफल कर दिया गया है। तीनों संदिग्ध पिछले कई महीनों से एटीएस के रडार पर थे। वे देश में बड़े पैमाने पर हमले की योजना बना रहे थे और हथियार लेने के लिए गुजरात पहुंचे थे। एटीएस ने खुफिया इनपुट के आधार पर इन पर नजर रखी और उचित समय पर कार्रवाई कर इन्हें पकड़ लिया। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि आईएसआईएस देश में अपने नेटवर्क को दोबारा सक्रिय करने की कोशिश कर रहा है और युवाओं को गुमराह कर उन्हें आतंक की राह पर धकेलने के प्रयास कर रहा है। हाल के दिनों में झारखंड की राजधानी रांची से भी इसी मॉड्यूल से जुड़े कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया था। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि काफी मशक्कतों के बाद पुलिस खूंखार आतंकियों को गिरफ्तार करती है, ▶10पर

साइबर अपराध रोकने के लिए केंद्र ने उठाया बड़ा कदम

अब मोबाइल पर नहीं आएंगे स्पैम-कॉल

नई दिल्ली, 09 नवंबर (एजेंसियां)। मोबाइल कॉल से होने वाली धोखाधड़ी और साइबर अपराध को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार के निर्देश पर टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) और डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन (दूरसंचार विभाग) ने ऐसी व्यवस्था की है कि उपभोक्ता के फोन पर कोई स्पैम-कॉल न आए और फोन की स्क्रीन पर फोन करने वाले का असली नाम दिखे। जल्द ही मोबाइल यूजर्स को कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन (सीएनएपी) नाम का एक नया फीचर दिया जाएगा। इस नई सुविधा के चलते जब भी कोई कॉल करेगा, मोबाइल की स्क्रीन पर उसका असली नाम दिखाई देगा। यह नाम मोबाइल नंबर का कनेक्शन लेते समय दिए गए दस्तावेजों के आधार पर होगा। इस सुविधा से बढ़ते फर्जी स्पैम-कॉल और धोखाधड़ी से लोगों को बचाना आसान होगा। शुरुआती दौर में केवल 4जी और 5जी नेटवर्क वाले यूजर्स ही इस सुविधा का लाभ उठा पाएंगे। 2जी और 3जी नेटवर्क पर यह फीचर अभी उपलब्ध नहीं होगा। दूरसंचार कंपनियों ने मुंबई और हरियाणा सर्किल में सीएनएपी सेवा का पायलट परीक्षण शुरू कर दिया है। परीक्षण सफल होते ही दूरसंचार विभाग देशभर में चरणबद्ध तरीके से इस सेवा को मार्च 2026 तक लागू कर सकता है।

ट्रू-कॉलर ऐप होने के बावजूद कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन सुविधा शुरू करने का मुख्य कारण सत्यता और विश्वसनीयता है। सीएनएपी दूरसंचार ऑपरेटरों के आधिकारिक केवाईसी डेटाबेस से कॉलर का

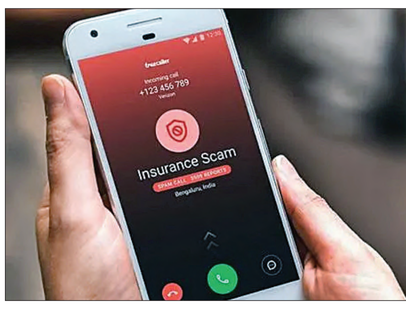

सीएनएपी से फोन की स्क्रीन पर दिखेगा असली नाम

नाम लेती है। यह वही नाम होता है, जो सिम कार्ड खरीदते समय मोबाइल यूजर ने अपने पहचान पत्र (आधार कार्ड) में दिया होता है। इसलिए नाम सत्यापित और वास्तविक होता है। इसके साथ ही यह सुविधा डिफॉल्ट होगी। यानि अगर कोई व्यक्ति इसे नहीं लेना चाहता, तो वह उसको डिएक्टिवेट भी करा सकेगा। इस सुविधा के लिए किसी ऐप को डाउनलोड करने की आवश्यकता भी नहीं होगी, क्योंकि यह सीधे नेटवर्क स्तर पर काम करेगा। यह तो सभी जानते हैं कि लोग लंबे समय से किसी अनजान नंबर की जानकारी जैसे कि कॉल करने वाले का नाम, उसका स्थान पता लगाने के लिए, स्पैम और धोखाधड़ी से बचने के लिए ट्रू-कॉलर ऐप का उपयोग कर रहे हैं। लेकिन ट्रू-कॉलर मुख्य रूप से क्राउडसोर्स (उपयोगकर्ताओं द्वारा दी गई जानकारी) डेटा पर निर्भर करता है, ▶10पर

विशेष स्वच्छता अभियान से सरकार की कमाई भी हो रही

कबाड़ बेचकर सरकारी विभागों ने कमाए 800 करोड़ रुपए

पांच वर्ष में हुई कुल 4,100 करोड़ रुपए की कमाई

नई दिल्ली, 09 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वच्छ भारत मुहिम के तहत चलाए गए वार्षिक विशेष स्वच्छता अभियान ने इस बार ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2025 में स्क्रैप बेचकर 800 करोड़ रुपए की कमाई की है। यह रकम भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चंद्रयान-3 मिशन के बजट 615 करोड़ रुपए से भी अधिक है। यह अभियान 2 से 31 अक्टूबर 2025 तक चला, जिसमें 84 मंत्रालयों और

विभागों ने भाग लिया। प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग के नेतृत्व में यह देशव्यापी स्वच्छता पहल चलाई गई। अभियान के तहत 232 लाख वर्ग फुट ऑफिस स्पेस खाली किया गया, 29 लाख से अधिक पुरानी फाइलें नष्ट की गईं और अनुपयोगी सामान की बिक्री से भारी राजस्व मिला। ▶10पर

सासाराम की रैली में अमित शाह का धमाकेदार संबोधन

कांग्रेस ने दलित को प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया

सासाराम, 09 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सासाराम में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं देश के रक्षा मंत्री रहे बाबू जगजीवन राम का जिक्र किया और कहा कि कांग्रेस पार्टी ने उस प्रभावशाली दलित नेता को देश का प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया। कांग्रेस ने बाबा साहब अंबेडकर से जैसा सलूक किया उसे ही बाद में जगजीवन राम के साथ भी दोहराया। दलित नेता बाबू जगजीवन राम प्रधानमंत्री बन सकते थे, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने उन्हें रोका। कांग्रेस ने हमेशा दलितों के साथ अन्याय किया है।

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पहले चरण का मतदान हो चुका है और दूसरे चरण के लिए 11 नवंबर को वोटिंग होनी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि पहले चरण के मतदान से स्पष्ट हो गया है कि राजद-कांग्रेस गठबंधन को इस चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ेगा। बिहार के सासाराम में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि पहले चरण के मतदान से जनता

राहुल-तेजस्वी घुसपैठियों को बचा रहे हम एक-एक को निकालेंगे

का मूड साफ दिखाई दे रहा है और राजद और कांग्रेस की हार तय है। गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने हाल ही में घुसपैठियों की रक्षा के लिए यात्रा निकाली थी। उन्होंने घुसपैठियों को अपना वोट बैंक बना लिया है। वे बिहार को इन्फिल्ट्रेटर कॉरिडोर बनाना चाहते हैं, जबकि मोदी जी इसे इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाने का प्रयास कर रहे हैं। एनडीए अगले पांच वर्ष में बिहार को एक विकसित राज्य बनाएगा। एनडीए के पास पांच पांडव हैं, जो एकजुट होकर चुनाव लड़ रहे हैं। मोदी जी ने बिहार को नक्सलवाद से मुक्त किया और राज्य में विकास का नया दौर शुरू किया।

अमित शाह ने कहा, लालू प्रसाद यादव झूठ फैला रहे हैं कि जीविका दीदी पहल के तहत महिलाओं के खातों में डाले गए 10,000 रुपए वापस लिए जाएंगे। लालू यादव को समझ लेना चाहिए कि उनकी तीन पीढ़ियां भी यह राशि वापस नहीं ले सकतीं। अमित शाह ने बिहार के लोगों से पूछा, जिसने आपको सड़क-बिजली दी, उसे आप वोट नहीं देंगे तो किसे देंगे? उन्होंने कहा कि यूपीए शासनकाल में देश आतंकवादी घटनाओं से जूझ रहा था, लेकिन मोदी सरकार ने आतंकवाद पर कठोर प्रहार किया। बाबर ने 550 साल पहले राम मंदिर को ध्वस्त किया था और कांग्रेस ने दशकों तक उस मुद्दे को लटकाए रखा। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की बड़ी कार्रवाई

सेक्स रैकेट और मानव तस्करी का पर्दाफाश

कोलकाता, 09 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बड़े मानव तस्करी और सेक्स रैकेट का पर्दाफाश किया है। ईडी की कोलकाता जोनल टीम ने सात नवंबर को बिधाननगर, कोलकाता और सिलीगुड़ी समेत कई इलाकों में एक साथ छापेमारी की। इस दौरान एजेंसी ने एक करोड़ रुपए से ज्यादा नकद, दो लग्जरी गाड़ियां, कई डिजिटल डिवाइस और बैंक खातों से जुड़े अहम दस्तावेज बरामद किए।

जांच में ईडी को पता चला कि रोजगार का झांसा देकर महिलाओं को धंधे में धकेला जा रहा था। यह गिरोह बार-कम-रेस्टोरेंट और डांस बारों के जरिए महिलाओं का शोषण करता था। आरोपी पहले

बार और रेस्तरां की चेन के जरिए हो रहा था धंधा

महिलाओं को नौकरी देने का झांसा देते थे और फिर उन्हें जबरदस्ती इस गैरकानूनी धंधे में धकेल देते थे। कई बार महिलाओं को धमकाकर और ब्लैकमेल करके उनसे जबरन काम करवाया जाता था। इस गिरोह ने इसी रास्ते से कई करोड़ रुपए की अवैध कमाई की थी। ईडी ने बताया कि इस रैकेट के मुख्य आरोपी जगजीत सिंह, अजमल सिद्दीकी और बिश्नु मुंद्रा हैं। ये तीनों और इनके सहयोगी मिलकर कई बार और रेस्टोरेंट चलाते थे, जिनका इस्तेमाल मानव तस्करी और सेक्स रैकेट चलाने के लिए किया जा रहा था। इन जगहों पर बाहरी राज्यों से लड़कियों को बुलाया जाता था और फिर उन्हें बंधक बनाकर ग्राहकों के ▶10पर

उत्तराखंड की 25वीं वर्षगांठ पर पीएम मोदी ने दिया तोहफा

देवभूमि को मिली 8260 करोड़ की परियोजनाएं

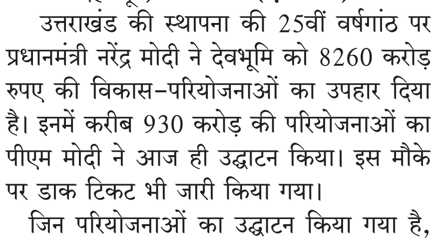

देहरादून, 09 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड की स्थापना की 25वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देवभूमि को 8260 करोड़ रुपए की विकास-परियोजनाओं का उपहार दिया है। इनमें करीब 930 करोड़ की परियोजनाओं का पीएम मोदी ने आज ही उद्घाटन किया। इस मौके पर डाक टिकट भी जारी किया गया।

जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है,

किसानों को मिले 62 करोड़ डाक टिकट भी जारी

उनमें अमृत योजना के अंतर्गत 23 क्षेत्रों के लिए देहरादून जलापूर्ति योजना, पिथौरागढ़ में विद्युत सबस्टेशन, नैनीताल के हल्द्वानी स्टेडियम में एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान और सरकारी भवनों में सोलर सिस्टम शामिल है। पीएम मोदी ने 7210 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया है। इनमें सोंग बांध पेयजल परियोजना और नैनीताल में जमरानी बांध बहुउद्देशीय परियोजना शामिल है। सोंग बांध पेयजल परियोजना से दे-हरादून को 150 एमएलडी यानी मिलियन लीटर प्रतिदिन पेयजल की आपूर्ति होगी। ▶10पर

एर्णाकुलम-केएसआर बेंगलूरु नई वंदे भारत एक्सप्रेस का स्वागत

2014 से भारतीय रेलवे ने उल्लेखनीय विकास और आधुनिकीकरण देखा: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से एर्णाकुलम-केएसआर बेंगलूरु वंदे भारत एक्सप्रेस सहित चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। बेंगलूरु में, नई ट्रेन सेवा के स्वागत के लिए केएसआर बेंगलूरु रेलवे स्टेशन पर एक स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर बोलते हुए, एच. डी. कुमारस्वामी ने कहा कि प्रधानमंत्री और रेल मंत्री जनता को उत्कृष्ट सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। 2014 से, भारतीय रेलवे ने उल्लेखनीय विकास और आधुनिकीकरण देखा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2024-25 में, प्रधानमंत्री ने रेलवे को लगभग 2.65 लाख करोड़ आवंटित किए हैं। देश नई रेलवे लाइनों का तेजी से विस्तार देख रहा है, जबकि कर्नाटक में भी महत्वपूर्ण स्टेशन पुनर्विकास और बुनियादी ढांचे में सुधार हो रहा है। राज्य में प्रीमियम रेल सेवाओं के विकास पर प्रकाश डालते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि केएसआर बेंगलूरु-एर्णाकुलम वंदे भारत एक्सप्रेस सहित, वर्तमान में बेंगलूरु डिवीजन में नौ वंदे भारत ट्रेनें संचालित की जाती हैं, और यह कर्नाटक में बारहवीं वंदे भारत ट्रेन है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नई शुरू की गई सेवा विश्व स्तरीय यात्रा मानकों और बेहतर आराम की पेशकश करके कर्नाटक और केरल दोनों के यात्रियों को बहुत लाभान्वित करेगी। सांसद (बेंगलूरु सेंट्रल) पी. सी. मोहन ने भी सभा को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि केएसआर बेंगलूरु रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन औसतन 2 लाख से अधिक यात्री आते-जाते हैं, जबकि यशवंतपुर, बेंगलूरु छावनी और सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल (एसएमवीटी) बेंगलूरु भी शहर के प्रमुख स्टेशन हैं। उन्होंने कहा कि उन्नत तकनीक के साथ पूरी तरह से भारत में डिजाइन और निर्मित वंदे भारत एक्सप्रेस, प्रधान मंत्री के नेतृत्व में देश की प्रगति को दर्शाती है। मोहन ने कहा कि बेंगलूरु और एर्णाकुलम के बीच नई ट्रेन कनेक्टिविटी बढ़ाएगी, यात्रा सुविधा में सुधार करेगी और दोनों क्षेत्रों के बीच व्यापार के अवसरों को बढ़ावा देगी। वंदे भारत सेवा के शुभारंभ के उपलक्ष्य में स्कूली छात्रों के लिए आयोजित 'आत्मनिर्भर भारत' विषय पर चित्रकला, निबंध लेखन और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। कामसाले और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। सांसद (राज्यसभा) लहर सिंह सिरोया, मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया और प्रवीण कटारकी, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी मंजूनाथ कनमाडी और अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारी उपस्थित थे।

निशुल्क नेत्र शिविर में 260 लोगों ने लिया लाभ

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के बन्नूर कस्बा स्थित रोटरी स्कूल में कोयम्बत्तूर के अरविंद नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से समाजसेविका गवरीदेवी- कान सिंह राजप-रोहित की ओर से निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन रखा गया। शिविर में मैसूरु, बेंगलूरु और मांड्या जिलों के आसपास के गांवों के 260 लोगों ने नेत्र जांच करवाई। चिकित्सकीय परामर्श के बाद 70 लोगों को आंखों के ऑपरेशन हेतु अरविंद नेत्र चिकित्सालय लेकर जाया गया। कोयम्बत्तूर अरविंदा नेत्र चिकित्सालय में आंखों की समस्या से ग्रस्त रोगियों की निःशुल्क सर्जरी और चश्मे दिए गए। समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने स्वयं रोगियों की स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनकी सहायता की। इस अवसर पर रोटरी के कृष्ण गौड़ा, सिद्ध गौड़ा, प्रसन्न गौड़ा, मुरली गोपाल, दिलीप सीरवी, श्रीधर, मूर्ति, सुचित्रा, अरविंद नेत्र चिकित्सालय के पीआरओ विजय, डॉ.चंद्रवदन, डॉ.शाही तेजा, संतोष कंवर, राजेश सिंह, विराट सिंह और वन्य कंवर आदि उपस्थित रहे।

कर्नाटक में न विकास है, न ही लोगों की सुरक्षा: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा है कि जब तक कांग्रेस सरकार नहीं हटेगी, तब तक न तो विकास होगा और न ही लोगों की सुरक्षा। उन्होंने इस संबंध में एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि ऐसा माहौल बना दिया गया है कि सभ्य नागरिक और निर्दोष लोग असुरक्षित कर्नाटक में नहीं रह पाएंगे। उन्हें उम्मीद है कि कांग्रेस हटेगी और कर्नाटक बचेगा। ऐसा लगता है कि जेलों के कर्मों का कोई अंत नहीं है। एक ओर, राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है, और बलात्कार, हत्या और डकैती की घटनाएं अभी भी हो रही हैं। उन्होंने इस बात पर असंतोष व्यक्त किया कि यह सरकार आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए प्रतिबद्ध नहीं दिखती। अपराधी और देशद्रोही आपराधिक कृत्य करने से किसी से नहीं डरते, क्योंकि उन्हें यकीन है कि अगर वे कोई अपराध करते हैं और गिरफ्तार होते हैं, तो उन्हें जेलों में शाही आतिथ्य दिया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि परप्पना अग्रहारा में देशद्रोही आतंकवादियों, बलात्कारियों और हत्यारों को विशेष सुविधाएं मिल रही हैं। परप्पना अग्रहारा जेल ने साबित कर दिया है कि कर्नाटक अपराधियों और आतंकवादियों के लिए स्वर्ग है। कांग्रेस सरकार के बेशर्म कुप्रबंधन की झलक परप्पना अग्रहारा में साफ दिखाई दे रही है। उमेश रेड्डी और जुहाद हामिद शकील मन्ना, जो आतंकवादी संगठन के लिए चरमपंथी मानसिकता वाले युवाओं की भर्ती कर रहे थे, को सभी विशेषाधिकार और विलासितापूर्ण सुविधाएं प्रदान करना बेहद शर्मनाक कृत्य है। उन्होंने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह जेल व्यवस्था और अधिकारियों द्वारा किया गया देशद्रोह का कृत्य है। मैं मांग करता हूं कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी इसके लिए जिम्मेदार जेल कर्मचारियों और अधिकारियों को तुरंत गिरफ्तार करे, देशद्रोह का मामला दर्ज करे और जांच शुरू करे। विजयेंद्र ने मांग की कि अगर गृह मंत्री में जरा भी स्वाभिमान है, तो उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। अगर उनमें जरा भी प्रतिबद्धता और नैतिकता है, तो मुख्यमंत्री को नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए, संबंधित अधिकारियों को निलंबित करना चाहिए और उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करना चाहिए।

पांच घंटे के बचाव अभियान से क्षतिग्रस्त केबिन में फंसे चालक को बचाया गया

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के सेदम तालुक के मेडक गांव के पास दो भारी वाहनों के बीच हुई भीषण टक्कर के बाद क्षतिग्रस्त केबिन में फंसे एक ट्रक चालक की जान पुलिस और स्थानीय बचाव दल ने देर रात पांच घंटे से ज्यादा चले बचाव अभियान में सफलतापूर्वक बचा ली। यह दुर्घटना रात लगभग 9:45 बजे हुई जब बिस्कुट ले जा रहा एक मालवाहक वाहन स्टील की छड़ों से लदे एक लंबे चेसिस वाले लॉरी से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मालवाहक वाहन का अगला हिस्सा लॉरी के केबिन में जा घुसा, जिससे उसका चालक धर्मेंद्र सिंह (43) गंभीर रूप से घायल हो गया और केबिन में फंस गया। मुधोल पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक दौलत एन. कुरी के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि केबिन का धातु का ढांचा मुड़ गया, जिससे चालक को बाहर निकालना बेहद मुश्किल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। इंस्पेक्टर कुरी ने कहा एक जेसीबी क्रेन और एक समर्पित टीम की मदद से, हमारे अधिकारियों ने रात भर अथक परिश्रम किया। केबिन को काटकर ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकालने में हमें लगभग पांच घंटे लगे। दुर्घटना के तुरंत बाद शुरू हुआ बचाव अभियान शनिवार सुबह लगभग 2 बजे तक जारी रहा। पुलिस ने स्थानीय स्वयंसेवकों, एक क्रेन ऑपरेटर और आपातकालीन चिकित्सा कर्मचारियों के साथ समन्वय स्थापित किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ड्राइवर को सफलतापूर्वक बचाए जाने के बाद उसे तुरंत सहायता मिले। मलबे से निकाले जाने के बाद, धर्मेंद्र सिंह को आगे के इलाज के लिए कलबुर्गी शहर के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। इंस्पेक्टर कुरी ने अपने अधिकारियों की टीम वर्क और दृढ़ता की प्रशंसा की और कहा कि उनके समन्वित प्रयासों और भारी मशीनरी के उपयोग से ड्राइवर की जान बच गई।

हमारी जैसी मति होगी वैसी ही गति होगी: साध्वी शीतल गुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि बिगड़ी बात बनानी है तो स्वीकार कर लो गलती, अन्यथा गति भी बिगड़ जाएगी। लोग कई तरह की समस्याओं के समाधान के लिए मंत्र की चाह में आते है, लेकिन आज तक किसी ने दुश्मनी खत्म करने का मंत्र नहीं मांगा। तपस्या करने, सामायिक करने, सेवा करने से दुश्मनी खत्म नहीं होगी। केवलज्ञानी बन जाने से भी दुश्मन खत्म नहीं होते। दुश्मनी खत्म करने का आगम में एक ही मंत्र है 'खामेमी सव्वे जीवा'। इस मंत्र का महत्व सरल भाषा में समझाने के लिए 'आई एम सॉरी' नाम दिया है। यदि जीवन में मोक्ष पाने की अभिलाषा रखते है तो अपनी दुश्मनी, वैर विरोध, राग, द्वेष को खत्म करना होगा। इस मंत्र को आत्मसात करना होगा। साध्वी शीतल गुणा ने अनंतकाल के पापों का प्रक्षालन करने के लिए 'आई एम सॉरी' विषय पर विशेष प्रवचन में उन्होंने खामेमी सव्वे जीवा मंत्र का महत्व बताते हुए कहा कि जितने भी सिद्ध हुए, सिद्ध हो रहे है या भविष्य में होंगे वह इस मंत्र की आराधना करते हुए ही होंगे। यह मंत्र कपट से मुक्ति दिलाता, अज्ञान का आवरण हटाता, खुशी से सराबोर रखता, जिंदगी की रूकावटे दूर करता, दिलों को जोड़ता व मन को सुकून देता है। इस मंत्र की साधना मनुष्य ही कर सकता है। अनादिकाल की यात्रा में आज तक ये साधना नहीं कर पाए इसलिए अब तक संसार में है। तपस्या, सेवा, धर्म क्रिया करना भी मुश्किल नहीं पर आई एम सॉरी बोलना सबसे मुश्किल कार्य है। यह कार्य वो ही कर पाएगा जो कपटरहित, जाति, कुल विवेक सम्पन्न, ज्ञान, दर्शन, चारित्र सम्पन्न होगा। ज्ञान दर्शन चारित्र सम्पन्न विवेकवान व्यक्ति ही आईएम सॉरी बोल पाएगा। ऐसे व्यक्ति इस शब्द को नहीं बोल पाएंगे जिन्हें लगता है मेरा यश कम हो जाएगा, नाम खराब हो जाएगा, कीर्ति खत्म हो। ऐसी कोई जगह नहीं जहां इस आत्मा ने जन्म-मरण नहीं किया और ऐसी कोई गलती नहीं जो हमने नहीं की हो। हमारा शरीर तो इंसान का है पर मति कौनसी है इस पर भी चिंतन करे। हमारी जैसी मति होगी वैसी ही गति होगी। कुछ मिनट की गलती जिंदगी की गति बिगाड़ देती है। गलती स्वीकार कर लेने पर बिगड़ी हुई बात भी बन जाती है। दूसरों की गलतियां दिखने से पहले अपने भीतर झांक कर आत्मचिंतन करें। पाप की आलोचना नहीं करने से गति बिगड़ती है। सजग अवस्था में पाप की आलोचना हो जाए तो जिंदगी आनंदमय हो जाएगी। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि साध्वीवृंद के सानिध्य में अभिषेक का मंगलमय कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। गणधर गौतम स्वामी के अभिषेक का लाभ विकास कुमार टिलाजी परिवार ने लिया।

आचार्य श्री महाश्रमण जी के दर्शन, सेवा का लिया लाभ

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। मलनाड स्तरीय श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी आंचलिक सभा- कर्नाटक के तत्वावधान में अहमदाबाद, कोबा में विराजित आचार्य श्री महाश्रमण जी के दर्शन, सेवा, आशीर्वाद प्राप्त करके लगभग 70 श्रावक श्राविकाओं का संघ रविवार को अपने गंतव्य वापस लौटा। आचार्य श्री ने फरमाया कि मलनाड के सभी क्षेत्रों में खूब धर्म आराधना होती रहे और सभी के प्रति आत्मीयता, सौहार्द एवं सेवा का भाव बना रहे। आचार्य श्री ने मंगलपाठ प्रदान किया। मलनाड तेरापंथी आंचलिक सभा के अध्यक्ष महावीर भंसाली ने आचार्य श्री के समक्ष आंचलिक सभा की गतिविधियों की जानकारी पेश की। महिल मंडल की ओर से सामूहिक गीतिका प्रस्तुत किया गया। साध्वी प्रमुखाश्रीजी, मुख्यमुनिश्रीजी, आदी साधु साध्वियों के दर्शन सेवा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। ग्यारह दिनों के इस संघ यात्रा के दौरान दर्शनीय स्थल जैसे गिरनार, गिर जंगल, सोमनाथ, द्वारका, नागेश्वर, कच्च भुज एवं अहमदाबाद का अवलोकन किया गया। यात्रा संयोजक मानकचंद गादिया, उपाध्यक्ष चंदनमल भतेवडा, उपाध्यक्ष गोतम गादिया, पूर्व अध्यक्ष भंवरलाल नाहर और तेजकरण सिपानी सहित चिक्कमगलूरु, हासन, शिवमोग्गा और मेंगलूरु के श्रद्धालु उपस्थित थे।

जेलों में शाही आतिथ्य, दोषियों के खिलाफ बिना किसी हिचकिचाहट के होगी सख्त कार्रवाई: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा है कि भविष्य में जेलों में कैदियों को शाही आतिथ्य दिए जाने के मामलों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाए जाएंगे। दावणगेरे में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि गृह मंत्री सोमवार को जेलों में कैदियों को शाही आतिथ्य दिए जाने के मुद्दे पर चर्चा के लिए एक अलग बैठक करेंगे।

उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ बिना किसी हिचकिचाहट के सख्त कार्रवाई की जाएगी। उनकी सरकार ने किसी एक संगठन तक सीमित सरकारी संपत्तियों पर गतिविधियों पर प्रतिबंध नहीं लगाया है। लेकिन आरएसएस का मानना है कि यह आदेश उनके लिए जारी किया गया है। किसी भी संगठन को जिला कलेक्टर से अनुमति लेकर गतिविधियां संचालित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की हर बात का जवाब नहीं दे सकते। सरकार जिला पंचायत और तालुक पंचायत के चुनाव कराने के लिए तैयार है। मामला अदालत में है और वहां से आदेश आते ही हम चुनाव कराएंगे। गन्ने के मूल्य निर्धारण के संबंध में चीनी मिलों के मालिकों की उपस्थिति में एक बैठक हुई और निर्णय लिया गया। सभी सहमत थे।

उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि जो लोग भुगतान नहीं करने की बात कह रहे हैं, वे भी भुगतान करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर वे भुगतान नहीं करते हैं, तो यतनाल सहित चीनी मिलों के मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। राज्य में बाढ़ से 11 लाख हेक्टेयर क्षेत्र क्षतिग्रस्त हुआ है। उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी को मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वाल्मीकि समुदाय के लिए एक मंत्री पद की मांग पर मंत्रिमंडल फेरबदल के दौरान विचार किया जाएगा। केंद्र सरकार मक्के का समर्थन मूल्य तय करती है। उन्होंने पूछा कि हमसे हर बात पर सवाल कैसे पूछे जा सकते हैं।

बिलावास गौशाला में श्रीकृष्ण भगवान प्रतिष्ठा महोत्सव 25 से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गौशाला सेवा समिति बिलावास द्वारा बिलावास गौशाला में 25 नवम्बर से श्रीकृष्ण भगवान प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसके संबंध में आमंत्रण पत्रिका लेखन का कार्य सीरवी समाज बडेर बलेपेट में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ आईमाता स्तुति के साथ हुआ। उसके बाद बडेर में विनायक जी महाराज एवं आई माता जी को विधिवत रूप से मंत्रोच्चार के साथ पत्रिका लिखकर अर्पण की गई। संघ के अध्यक्ष इन्दरचन्द बोहरा ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि प्रतिष्ठा कार्यक्रम में राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष मदन राठौड़, राजस्थान के पशुपालन मंत्री जोर-ाराम, सोजत सिटी की विधायक शोभा चौहान अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समिति के छेलाराम काग ने प्रतिष्ठा में सहयोग का आह्वान किया। अमराराम चोयल ने प्रतिष्ठा महोत्सव में होने वाले आय व्यय की जानकारी दी। सचिव नरेंद्र आच्छा ने बताया कि इस प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारी आखिरी चरण में है। सभी सदस्य तैयारियों में जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि पत्रिका लेखन के साथ ही बेंगलूरु के विभिन्न क्षेत्रों से आए ग्रामवासियों को समय पर पत्रिकाएं वितरित करने का अनुरोध किया गया है।

श्रवणबेलगोला में शांति सागर महाराज की प्रतिमा का अनावरण

कन्नड़ लोगों ने हमेशा समृद्ध परंपरा, विरासत और संस्कृति की रक्षा की: उपराष्ट्रपति

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने रविवार को हासन जिले के श्रवणबेलगोला में जैन दिगंबर धर्म के साधु आचार्य शांति सागर महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने उस पहाड़ी का नाम भी शांतिगिरि रखा, जहां बाद में मूर्ति स्थापित की गई। पदभार ग्रहण करने के बाद कर्नाटक के अपने पहले दौरे पर आए उपराष्ट्रपति ने कहा कि पूरा कर्नाटक एक पवित्र स्थल रहा है और कन्नड़ लोगों ने हमेशा समृद्ध परंपरा, विरासत और संस्कृति की रक्षा की है। श्रवणबेलगोला जैनियों का सबसे पूजनीय तीर्थस्थल रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्थान हजारों वर्षों से जैन आस्था का केंद्र रहा है। इस स्थान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि गंग वंश के सेनापति चावुंदराय द्वारा विंध्यगिरि के शिखर पर स्थापित गोमतेश्वर की प्रतिमा मानवीय भक्ति और कलात्मक प्रतिभा का एक शानदार प्रमाण है। इस स्थान का इतिहास चंद्रगुप्त मौर्य से जुड़ा है, जिन्होंने राजगद्दी और सांसारिक सुखों का त्याग कर भद्रबाहु के मार्गदर्शन में जैन धर्म

स्वीकार किया और श्रवणबेलगोला पहुंचे। उन्होंने कहा वे दोनों मुक्ति और आध्यात्मिक शांति की तलाश में यहां आए थे। उनकी यात्रा आज भी कई लोगों को प्रेरित करती है। इसके अलावा, उपराष्ट्रपति ने कहा कि उनके गृह राज्य तमिलनाडु का जैन धर्म से एक विशेष संबंध है। एक समय था जब दो-तिहाई तमिल जैन धर्म का पालन करते थे। संगम और संगमोत्तर काल, दोनों में ही तमिल साहित्य में जैन धर्म का योगदान बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण है। उपराष्ट्रपति ने कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, जैन मठ के महंत चारुकीर्ति पंडिताचार्य भट्टारक स्वामी, केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी, राजस्व मंत्री कृष्ण बायरेगौड़ा, सांसद श्रेयस एम. पटेल, विधायक सी.एन. बालकृष्ण और अन्य की उपस्थिति में प्रतिमा का अनावरण किया और पहाड़ी का नामकरण किया। शांति गिरि, प्रसिद्ध जैन तीर्थस्थल, श्रवणबेलगोला में महत्व प्राप्त करने वाली चौथी पहाड़ी है। विंध्यगिरि, गोमतेश्वर की 58 फुट ऊंची अखंड प्रतिमा के लिए प्रसिद्ध है। चंद्रगिरि का नाम चंद्रगुप्त मौर्य के नाम पर रखा गया है, क्योंकि उन्होंने यहीं सल्लेखना की थी। चारुगिरि वह पहाड़ी है जहां जैन मठ के 33 पूर्ववर्ती स्वामियों के स्मारक स्थित हैं। चौथी, जो सबसे नई है, का नाम शांति सागर महाराज के नाम पर रखा गया है। चन्नरायपटना तालुका स्थित श्रवणबेलगोला जैन मठ ने आचार्य शांति सागर महाराज की इस स्थान पर यात्रा की 100वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में उनकी प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय लिया। गोमतेश्वर प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक, अर्थात् महामस्तकाभिषेक, 1925 में उनकी उपस्थिति में आयोजित किया गया था। जैन मठ के चारुकीर्ति पंडिताचार्यवर्य भट्टारक स्वामी ने अपने संबोधन में आचार्य शांतिसागर महाराज के योगदान का स्मरण किया। ब्रिटिश शासन की उदासीनता के कारण, इस साधु को अपने जीवनकाल में दिगंबर मुद्रा की परंपराओं का पालन करने में कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने लोगों को इस धर्म के बारे में शिक्षित करने के लिए कई बार उपवास किया, जिनमें एक बार दिल्ली के लाल किले के सामने उपवास भी शामिल है। उन्होंने अपने जीवनकाल में कुल 9,908 दिनों तक उपवास किया। उन्होंने अपनी प्रतिमा स्थापित करने और उनके नाम पर पहाड़ी का नामकरण करने के अवसर को श्रवणबेलगोला में एक ऐतिहासिक दिन बताया। इससे पहले राधाकृष्णन सुबह येलहंका वायुसेना स्टेशन पहुंचे। राज्यपाल थावरचंद गहलोत, केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी, बैरती सुरेश और अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। उपराष्ट्रपति येलहंका वायुसेना स्टेशन से हेलीकॉप्टर द्वारा हासन जिले के श्रवणबेलगोला, मांड्या जिले के मेलुकोटे और मैसूरु जिले के लिए रवाना हुए और फिर दोपहर में नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

सांसद की याचिका पर कार्रवाई

बैंकों में स्थानीय भाषा बोलने वालों की नियुक्ति का आदेश दिया

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
ग्रामीण बैंकिंग पहुंच में सुधार लाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने निर्देश दिया है कि बैंकों में केवल स्थानीय भाषा बोलने वालों को ही कर्मचारी नियुक्त किया जाए। यह निर्देश उडुपी-चिक्कमगलूरु के सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी की औपचारिक अपील पर दिया गया है।

कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों के निवासी वर्षों से दक्षिण में राष्ट्रीयकृत बैंकों की शाखाओं में गैर-स्थानीय भाषा बोलने वालों – खासकर केवल हिंदी या अन्य उत्तरी भाषाओं में पारंगत लोगों – की भर्ती पर चिंता व्यक्त करते रहे हैं। स्थानीय लोगों का तर्क है कि इस प्रथा से संचार में बाधाएं पैदा होती हैं और ग्राहकों को दिन-प्रतिदिन के लेन-देन में असुविधा होती है। केंद्र के समक्ष इस मुद्दे को उठाते हुए, सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर को विस्तृत पत्र लिखे थे। अपने पत्र में, उन्होंने आग्रह किया कि विशेष रूप से गांवों और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में निर्बाध सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिए, स्थानीय भाषा बोलने वालों में से बैंक कर्मचारियों की भर्ती की जाए। पुजारी ने लिखा आम लोगों के लिए बैंकिंग आसानी से सुलभ होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा जब कर्मचारी स्थानीय भाषा नहीं समझते, तो ग्रामीण क्षेत्रों के ग्राहकों को साधारण वित्तीय लेन-देन करने में भी गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसलिए, यह जरूरी है कि बैंक स्थानीय भाषा बोलने वालों को नियुक्त करें। इस मुद्दे पर संज्ञान लेते हुए, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अब बैंकों को निर्देश जारी किया है कि वे भर्ती अभियानों में स्थानीय भाषा बोलने वालों को प्राथमिकता दें। इस निर्णय का स्वागत करते हुए, सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी ने केंद्रीय मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि उनकी त्वरित प्रतिक्रिया से सुचारू संचार और अधिक कुशल बैंकिंग सेवाएं सुनिश्चित करके ग्रामीण समुदायों को बहुत लाभ होगा। इस कदम से बैंकों और स्थानीय ग्राहकों के बीच संबंध मजबूत होने की उम्मीद है, जिससे दक्षिण भारत के ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों के लोगों को बहुत राहत मिलेगी।

दक्षिण कन्नड़ में घना कोहरा और सर्द मौसम

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पिछले कुछ दिनों में तटीय क्षेत्रों में बारिश कम होने के बाद, दक्षिण कन्नड़ जिले में अब कोहरा और ठंड का मौसम है। मानसून के दौरान महीनों तक आसमान में बादल छाए रहने के बाद, घना कोहरा फिर से छा गया है, जिससे जिले के कई हिस्सों में धुंध छाई हुई है। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह कोहरा लगभग एक महीने तक जारी रह सकता है, खासकर बंटवाल और पुत्तूर के हरे-भरे इलाकों में। मुदिपु और साजिपा जैसे पहाड़ी और ऊंचे इलाकों में, कोहरे ने पूरी तरह से चारों ओर अपना आवरण ओढ़ लिया है, जिससे दृश्यता इतनी कम हो गई है कि सड़कें भी मुश्किल से दिखाई दे रही हैं। घने कोहरे के कारण, सुरक्षा के लिए सभी वाहन हेडलाइट जलाकर चल रहे हैं। हेडलाइट के बिना, विपरीत दिशा से या किनारे से आ रहे वाहनों को देखना लगभग असंभव हो गया है। कोहरे वाली सुबहों ने जिले के कई हिस्सों में ठंड का एहसास भी कराया है, और रात से लेकर सुबह तक ठंड बनी हुई है। जैसे-जैसे सूरज उगता है, कोहरा धीरे-धीरे छंटता है और एक गर्म और सुहावना वातावरण बन जाता है। निवासियों का कहना है कि धुंध से घिरे ये प्राकृतिक दृश्य एक रोमांचक प्राकृतिक सौंदर्य प्रदान करते हैं, और कई लोग ठंडे कोहरे के बीच टहलने के शांत अनुभव का आनंद लेने के लिए बाहर निकलते हैं। रात में कोहरा छाना शुरू होता है, और सुबह होते-होते ओस जैसी बूंदें जमीन को नम बना देती हैं, मानो हल्की बारिश हो रही हो। दिलचस्प बात यह है कि मेंगलूरु शहर का तेजी से विकास हो रहा है, फिर भी इसके बाहरी इलाके जैसे मुदिपु, साजिपा और आस-पास के इलाके अपनी हरी-भरी हरियाली को बचाए रखने में कामयाब रहे हैं – जो अब शुरुआती सर्दियों के कोहरे ने और भी मनोरम बना दिया है।

येत्तिनाहोल गुरुत्वाकर्षण नहर के निर्माण के लिए अभी तक कोई केंद्रीय अनुमोदन नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्र ने कर्नाटक की येत्तिनाहोल पेयजल परियोजना के ग्रेविटी नहर खंड की मंजूरी टाल दी है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बड़े पैमाने पर अनधिकृत कार्य, जंगलों में गाद जमा होने और वन्यजीवों व पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा का देखते हुए केंद्र ने यह फैसला लिया है। 27 अक्टूबर को हुई एक बैठक में, पर्यावरण मंत्रालय की सलाहकार समिति ने कहा कि परियोजना के येत्तिनाहोल चरण के कारण पहले ही बड़े पैमाने पर भूस्खलन और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील पश्चिमी घाटों का विनाश हो चुका है, और शिकायतें हैं कि उपयोगकर्ता एजेंसी उन जिलों में पेयजल उपलब्ध नहीं करा पा रही है जहां उसने दावा किया है। समिति ने कहा कि इस पृष्ठभूमि में, आगे कोई भी मंजूरी देने से पहले प्रस्ताव का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करना और भी जरूरी हो जाता है। बैठक की कार्यवाही के अनुसार, राज्य के संशोधित प्रस्ताव में नहर के लिए हासन और तुमकुरु जिलों में लगभग

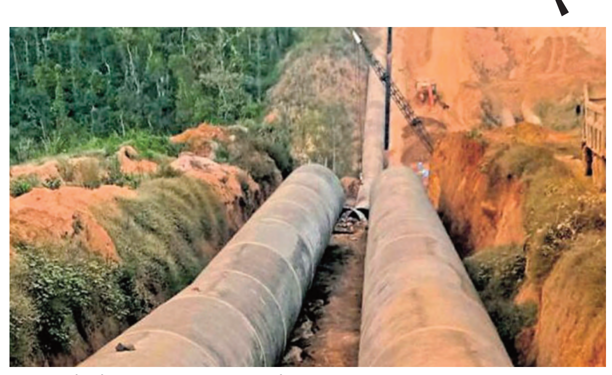

111 हेक्टेयर वन भूमि को स्थानांतरित करने का प्रस्ताव है, जिसे मूल प्रस्तुत 173.31 हेक्टेयर से कम कर दिया गया है। समिति ने पाया कि नहर सहित निर्माण कार्यों का एक बड़ा हिस्सा बिना पूर्व अनुमति के पहले ही बनाया जा चुका था, जो संरक्षण और संवर्धन अधिनियम, 1980 का उल्लंघन है। वन अधिकारियों ने विश्वेश्वरैया जल निगम लिमिटेड के कार्यकारी अभियंता के खिलाफ अनधिकृत निर्माण के लिए प्राथमिकी दर्ज की है, लेकिन उपग्रह चित्रों से पता चलता है कि अधिकांश उल्लंघन फरवरी 2019 में मामला दर्ज होने के बाद हुए। समिति ने कर्नाटक सरकार को ऐसे उल्लंघनों की अनुमति देने वालों के खिलाफ अधिनियम की धारा 3/3 के तहत दंडात्मक और अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। समिति ने कहा कि नहर में 2 से 18 मीटर तक गहरे ऊर्ध्वाधर कट हैं, जिनमें केवल 5.5 मीटर तक सीमेंट की परत है, जिससे बड़े खुले ढलान कटाव और भूस्खलन के लिए प्रवण हैं। नियमों के अनुसार, निगरानी समिति ने पहले ही भूस्खलन और गंभीर मृदा अपरदन दर्ज किया है, लेकिन निरीक्षकों को कोई ठोस शमन उपाय नहीं मिले हैं। सलाहकार समिति ने आगे क्षरण को रोकने के लिए इंजीनियरिंग और वानस्पतिक विधियों को मिलाकर एक विस्तृत कटाव नियंत्रण योजना बनाने का अनुरोध किया है। समिति ने कहा कि पूर्ण हो चुके क्षेत्र से लगभग 42.3 लाख घन मीटर उत्खनन सामग्री लगभग 210 एकड़ में डाली जा चुकी है और शेष 6 किलोमीटर क्षेत्र से 10.77 लाख घन मीटर और मिट्टी डालने की उम्मीद है। राज्य ने शुरुआत में इस मिट्टी को डालने के लिए 103 हेक्टेयर से अधिक वन भूमि का प्रस्ताव रखा था, जो कुल वन क्षेत्र का 60 प्रतिशत से अधिक है, लेकिन मंत्रालय की आपत्तियों के बाद इसे घटाकर 38 हेक्टेयर कर दिया गया। समिति ने कहा कि डंपिंग के लिए वन का इस तरह गैर-स्थल-विशिष्ट उपयोग स्वीकार्य नहीं है और एजेंसी को गैर-वन भूमि खोजने और जंगलों से पहले से डाले गए मलबे को हटाने का निर्देश दिया। समिति ने कहा कि नहर का मार्ग मराशेट्टीहल्ली आरक्षित वन से होकर गुजरता है, जहां शीशम, सागौन और चंदन जैसी मूल्यवान प्रजातियां पाई जाती हैं, और हजारों पेड़ों को काटना पड़ेगा। निरीक्षकों ने चेतावनी दी कि नहर का डिजाइन, जो 28 से 60 मीटर चौड़ा और 18 मीटर ऊंचा है, हाथियों और अन्य जानवरों के लिए घातक हो सकता है यदि इसकी बाड़ नहीं लगाई गई या इसमें कोई क्रॉस-वे नहीं है। समिति ने मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक द्वारा अनुमोदित एक वन्यजीव शमन योजना और पशु हताहतों की रोकथाम के उपायों की मांग की। कार्यवृत्त में ग्रामीणों की शिकायतें भी दर्ज की गईं कि निर्माण के दौरान विस्फोटों के कारण आस-पास के घर क्षतिग्रस्त हो गए और कोई मुआवजा नहीं दिया गया। निगरानी समिति ने पाया कि पहले के परमिट की कई शर्तों का पालन नहीं किया गया था और कहा कि नाजुक पश्चिमी घाटों पर संचयी पर्यावरणीय प्रभाव का पूरी तरह से आकलन नहीं किया गया था।

मोड़ पर विचार नहीं किया जाएगा

सलाहकार समिति ने कहा कि जब तक पिछली शर्तों और समिति के निर्देशों का पालन नहीं हो जाता, तब तक किसी और मोड़ पर विचार नहीं किया जाएगा। कर्नाटक ने येत्तिनाहोले परियोजना को एक प्रमुख पेयजल परियोजना बताया, जिसका उद्देश्य सात सूखा प्रभावित जिलों को पानी की आपूर्ति करना और सैकड़ों सिंचाई टैंकों को भरना है, लेकिन उसने कहा कि ऐसे विकास उद्देश्य वन कानूनों के उल्लंघन या पर्यावरणीय विनाश को उचित नहीं ठहराते। समिति ने बताया कि पहले चरण के प्रदर्शन को देखते हुए, पेयजल आपूर्ति करने की परियोजना की वास्तविक क्षमता अनिश्चित बनी हुई है। उपयोगकर्ता एजेंसी ने समिति को बताया कि वन क्षेत्रों से बचने या गाद को गैर-वन भूमि पर ले जाने के कारण परियोजना की लागत लगभग 300 करोड़ रुपये बढ़ जाएगी, और वन उपयोग को कम करने के लिए डिजाइन में बदलाव से इसमें 170 करोड़ रुपये और बढ़ जाएंगे। समिति ने कहा कि वित्तीय कारणों को पर्यावरणीय उल्लंघनों का बहाना नहीं बनाया जा सकता और राज्य से वनों के नुकसान को कम करने के लिए सुरंगों या कट-ऑफ डिजाइन जैसे विकल्पों पर विचार करने को कहा।

हुब्बल्ली जंक्शन ने सबसे लंबे रेलवे प्लेटफॉर्म के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाया

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
भारत के रेल नेटवर्क ने एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है, कर्नाटक स्थित श्री सिद्धारूधा स्वामीजी हुब्बल्ली जंक्शन को आधिकारिक तौर पर दुनिया के सबसे लंबे रेलवे प्लेटफॉर्म के रूप में मान्यता दी गई है। 1,507 मीटर लंबे इस प्लेटफॉर्म ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज करा लिया है। इस प्लेटफॉर्म की असाधारण लंबाई दो लंबी ट्रेनों को एक-दूसरे के संचालन में बाधा डाले बिना एक साथ रुकने की अनुमति देती है। यह अनूठी विशेषता न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ाती है, बल्कि ट्रेन शेड्यूलिंग की दक्षता को भी बढ़ाती है। इस रिकॉर्ड तोड़ने वाले प्लेटफॉर्म का निर्माण दक्षिण पश्चिम रेलवे की यार्ड रीमॉडलिंग परियोजना का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य भारत के सबसे व्यस्त रेलवे जंक्शनों में से एक पर परिचालन को सुव्यवस्थित करना था। हुब्बल्ली बेंगलूरु, मुंबई, गोवा और हैदराबाद के प्रमुख मार्गों को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करता है। कई करोड़ रुपये की लागत से निर्मित, यह प्लेटफॉर्म इंजीनियरिंग का एक अद्भुत नमूना है – यह ओलंपिक के अधिकांश रनिंग ट्रैक से भी लंबा है। उन्नत डिजाइन में बेहतर यात्री सुविधाएं और उन्नत ट्रेन-हैंडलिंग सिस्टम शामिल हैं, जो सुगम आगमन और प्रस्थान सुनिश्चित करते हैं। यह विकास भारत के आधुनिक, उच्च क्षमता वाले रेलवे बुनियादी ढांचे की ओर बढ़ते बदलाव का प्रतीक है। हुब्बल्ली जंक्शन का विस्तार भारतीय रेलवे के व्यापक परिवर्तन प्रयासों को दर्शाता है, जो दक्षता और क्षमता बढ़ाने, भीड़भाड़ कम करने और दक्षिणी तथा पश्चिमी मार्गों पर लंबी दूरी की ट्रेनों के एक साथ बर्थिंग को सुगम बनाने के लिए हैं।

सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए 18,000 शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया जारी: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
स्कूल शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने कहा कि राज्य में 18,000 शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया चल रही है, जिनमें से 12,000 सरकारी स्कूलों के लिए और 6,000 सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए होंगे। शनिवार को कोडागु जिले के सोमवारपेट तालुक के बेलुरु कुसुबुरु गांव में सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय के शताब्दी समारोह में भाग लेते हुए बंगारप्पा ने कहा कि सरकार जल्द ही राज्य के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में चयनित शिक्षकों की नियुक्ति करेगी। कर्नाटक में सरकारी स्कूलों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से, राज्य सरकार ने सरकारी स्कूलों

में लोअर किंडरगार्टन और अपर किंडरगार्टन (एलकेजी और यूकेजी) जैसी पूर्व-प्राथमिक कक्षाएं शुरू की हैं। सरकार ने लगभग 900 कर्नाटक पब्लिक स्कूल (केपीएस) की स्थापना को भी मंजूरी दी है, जो आदर्श सरकारी स्कूल हैं जो एलकेजी और यूकेजी जैसी प्री-प्राइमरी कक्षाओं से लेकर द्वितीय प्री-यूनिवर्सिटी (द्वितीय पीयूसी) तक की शिक्षा एक ही छत के नीचे प्रदान करते हैं, जिसमें अंग्रेजी और कन्नड़ माध्यम के विकल्प भी शामिल हैं। बंगारप्पा ने कहा कि राज्य की प्रत्येक ग्राम पंचायत के अधिकार क्षेत्र में एक केपीएस स्कूल खोला जाएगा और सरकार छात्रों के लिए मुफ्त परिवहन सुनिश्चित करेगी। सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए, स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि जहां भी आवश्यकता होगी, नए भवनों का निर्माण किया जाएगा और सरकारी स्कूलों में मुफ्त बिजली की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि छात्रों की गुणवत्ता और प्रदर्शन में सुधार के लिए शाम को विशेष कक्षाएं भी आयोजित की जा रही हैं। राज्य के सरकारी, सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों में वर्तमान में लोअर किंडरगार्टन से कक्षा 12 तक कुल 1.16 करोड़ छात्र पढ़ रहे हैं। कुल 46,000 सरकारी स्कूल हैं, जबकि 57,000 सहायता प्राप्त स्कूल हैं। एसएसएलसी और द्वितीय पीयूसी परीक्षाओं की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। बंगारप्पा ने कहा कि राज्य में त्रि-स्तरीय परीक्षा नीति लागू की गई है ताकि छात्रों पर कोई असर न पड़े और परीक्षाएँ 25 दिनों के अंतराल पर आयोजित की जाएं। उन्होंने कहा, इस प्रणाली के तहत इस वर्ष कुल 1.16 लाख छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। मडिकेरी विधायक मंथर गौड़ा ने कहा कि छात्रों का भविष्य संवारने में शिक्षकों की बड़ी जिम्मेदारी है। सरकारी स्कूलों में सुधार के साथ, उन्होंने शिक्षकों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए ईमानदारी से प्रयास करने का आह्वान किया। पूर्व मुख्यमंत्री आर. गुंडू राव ने बेलुरु सरकारी स्कूल से अपनी प्राथमिक शिक्षा पूरी की और बाद में राज्य के मुख्यमंत्री बने, इस ओर इशारा करते हुए गौड़ा ने कहा कि स्कूल के कई छात्र देश-विदेश में विभिन्न स्थानों पर कार्यरत हैं। इस अवसर पर प्री यूनिवर्सिटी (डीडीपीयू), कोडागु के उप निदेशक चिदानंद मूर्ति और लोक शिक्षण (डीडीपीआई), कोडागु के उप निदेशक बसवराजू भी उपस्थित थे।

कश्मीर घाटी को शरद ऋतु ने सुनहरे स्वर्ग में बदल दिया

जमीन पर बिछे चिनार के पत्ते लोगों को मंत्रमुग्ध कर रहे

लैवेंडर से होगा पर्यावरण का सौंदर्यीकरण और सुगंधीकरण

सुरेश एस डुग्गर

ज़म्मू, 09 नवंबर। जैसे ही कश्मीर में शरद ऋतु आती है, घाटी सोने और लाल रंग के एक मंत्रमुग्ध कर देने वाले मिश्रण में बदल जाती है, जिसमें गिरी हुई चिनार की पत्तियां प्रकृति की अपनी कलाकृति की तरह जमीन पर बिछ जाती हैं। श्रीनगर में, गुलदाउदी गार्डन, कश्मीर विश्वविद्यालय का नसीम बाग, निशात श्रीनगर गार्डन, शालीमार गार्डन और चिनार-लाइनेड बुलेवार्ड रोड इस मौसम के आकर्षण के रूप में उभर रहे हैं। शहर भर के उद्यान प्रतिदिन सैकड़ों आगंतुकों को आकर्षित कर रहे हैं, जिनमें परफेक्ट शॉट का पीछा करने वाले फोटोग्राफरों से लेकर सदियों पुराने पेड़ों की छाया के नीचे आराम कर रहे परिवार तक शामिल हैं। चिनार के पत्तों का गिरना कश्मीर के क्लासिक शरद ऋतु के मौसम में एक अनूठा आकर्षण जोड़ता है।

खानयार के एक स्थानीय निवासी का कहना है कि पत्तियों को धीरे-धीरे गिरते हुए देखना सुंदर है, जिससे आसपास का वातावरण सुनहरे और लाल रंग में बदल जाता है। वे कहते है कि पत्तियां, दृश्य, रंग सब कुछ जादुई लगता है। बादामवारी और अन्य उद्यानों के साथ राजसी चिनार का घर, कश्मीर विश्वविद्यालय के नसीम बाग के पास के सुनहरे रास्ते भी आगंतुकों के लिए आकर्षण बन गए हैं। पर्यटकों, छात्रों और स्थानीय परिवारों को तस्वीरें खिंचवाते, पत्तियों को हवा में उछालते और क्षणभंगुर मौसम की यादें कैद करते हुए देखा जा सकता है।

विश्वविद्यालय परिसर में तस्वीरें खिंचवाते हुए एक छात्र मोहम्मद शोएब कहते है, हर साल हम इस पल का इंतजार करते हैं, चिनार के पत्तों से छनकर आने वाली सूरज की रौशनी में जिस तरह से सब कुछ चमकता है वह अद्भुत है। शोएब कहता है, कश्मीर में शरद ऋतु सिर्फ एक मौसम नहीं है, बल्कि यह एक सुंदर एहसास है।

इसी तरह, कई लोगों के लिए, साल का यह समय एक शांत आकर्षण लेकर आता है। श्रीनगर के एक छात्र ने कहा, चिनार हमें याद दिलाते हैं कि अंत भी सुंदर हो सकता है। जैसे ही अक्टूबर समाप्त होता है और नवंबर शुरू होता है, घाटी धीरे-धीरे सर्दियों की शांति के लिए तैयार हो जाती है। निवासी, पर्यटक और प्रकृति प्रेमी चिनार के गिरते पत्तों की सरसराहट का आनंद लेने के लिए पार्कों, बगीचों और पेड़ों से घिरे रास्तों पर इकट्ठा होते हैं।

सौंदर्य के साथ ही फूलों की खुशबू भी पर्यटन को बढ़ावा देने का बेहतरीन जरिया बन रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने बनिहाल और काजीगुंड के बीच जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के 16 किलोमीटर के हिस्से में लैवेंडर का वृक्षारोपण शुरू किया है। एनएचएआई के परियोजना निदेशक, शुभम यादव ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण-अनुकूल सौंदर्यीकरण को आजीविका सृजन के साथ जोड़ना है। लैवेंडर की खेती से पर्यावरण का सौंदर्यीकरण और सुगंधीकरण दोनों होता है, साथ ही इससे किसानों को लाभ भी होता है।

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और भारतीय एकीकृत चिकित्सा संस्थान (आईआईआईएम) के साथ हुए समझौते के तहत 16.26 किलोमीटर लंबे बनिहाल-काजीगुंड खंड में कुल 200 कनाल भूमि को लैवेंडर की खेती के तहत लाया गया है। नॉर्थ पोर्टल पर कुल 23,000 लैवेंडर पौधों की खेती की गई है और साउथ पोर्टल पर 29,000 पौधों की खेती की गई है।

राहुल गांधी का मप्र के नेताओं को सख्त संदेश

गुटबाजी और एकला चलो नहीं चलेगा

भोपाल, 09 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में जिला कांग्रेस अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर के बहाने पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी राज्य के नेताओं को सख्त संदेश दे गए कि गुटबाजी और 'एकला चलो' नहीं चलेगा। एकजुटता, समन्वय बनाने के साथ सहमति के आधार पर निर्णय लिए जाएं। जो नया नेतृत्व तैयार हो रहा है, वह वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी न करें। विधानसभा चुनाव में अभी समय है इसलिए जिला अध्यक्ष दो साल में बूथ स्तर तक संगठन खड़ा करें, फिर मिशन-2028 (विधानसभा चुनाव) की तैयारी होगी। दरअसल, केंद्रीय संगठन तक भी यह बात पहुंचती है कि प्रदेश में कांग्रेस अलग-अलग धड़ों में बंटी है और वरिष्ठ नेता सहयोग नहीं कर रहे हैं।

नई टीम को काम करने में असुविधा हो रही है। हाल ही में इंदौर में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के कार्यक्रम का एक प्रकार से जिला कांग्रेस द्वारा बहिष्कार करने की बात सामने आई। उन्हें लेकर अशोभनीय शब्दों का प्रयोग किए जाने का ऑडियो भी वायरल हुआ। पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, अजय सिंह हों या फिर डॉ. गोविंद सिंह हों, अलग-थलग पड़े हैं। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भी कहा कि एकला (अकेले) नहीं, सबको साथ लेकर चलना होगा। यही कारण है कि राहुल गांधी ने समन्वय बनाकर सामूहिक निर्णय पर जोर दिया। उन्होंने जिला अध्यक्षों को भी साफ कर दिया कि आपको अधिकार संपन्न तो बना रहे हैं पर इसका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। संगठन को नीचे तक मजबूत करने को लेकर राहुल गांधी ने कहा कि बूथ पर कार्यकर्ता नेता नहीं बल्कि पार्टी के प्रति समर्पण वाला होना चाहिए।

पचमढ़ी से रवाना होने से पहले राहुल गांधी ने रविवार को जंगल सफारी की। वे सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के पनारपानी से बारासेल तक घूमे। मीडिया से चर्चा में कहा कि हरियाणा में 25 लाख वोट चोरी हुए। डाटा देखने के बाद मेरा सोच है कि यह मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में भी हुआ है। यह भाजपा और चुनाव आयोग का सिस्टम है। हमारे पास और भी साक्ष्य हैं, जो धीरे-धीरे दिखाएंगे। मुख्य मुद्दा वोट चोरी का है और अब मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) से उसे ढंकने की कोशिश की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार लोकतंत्र का नुकसान कर रहे हैं। मध्य प्रदेश को लेकर भी हमारे पास बहुत सी जानकारियां हैं, जो समय पर सामने लाएंगे।

मप्र में अब हर विवाह होगा रजिस्टर्ड, प्रमाण-पत्र भी मिलेगा, सभी कलेक्टरों को सख्त निर्देश

खंडवा, 09 नवंबर (एजेंसियां)। देवउठनी एकादशी के साथ ही विवाहों का सिलसिला प्रारंभ हो गया है। विवाहों के शत-प्रतिशत पंजीयन के लिए प्रदेश के सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी किए गए हैं। यह योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग की एक सराहनीय पहल है। इससे विवाहों का शत-प्रतिशत पंजीयन हो सकेगा। इससे भविष्य में दंपत्ति को कानूनी अड़चनों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश विवाह रजिस्ट्रेशन नियम 2008 के अनुसार राज्य के भीतर भारत के नागरिकों के बीच किसी भी विधि या रूढ़ी के अधीन सत्यापित किए गए विवाह का पंजीयन किया जाता है। विवाहों का पंजीयन नहीं होने पर विशेष तौर पर महिलाओं को कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पति की मृत्यु के बाद उनको मिलने वाले स्वत्वों के भुगतान आदि में परेशानी होती है।

जिलों में आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, मुख्यमंत्री निकाह योजना एवं अन्य सामूहिक विवाहों में कार्यक्रम स्थल पर ही विवाह प्रमाण पत्र प्रदान किए जाने का सुझाव दिया गया है। स्थानीय निकायों, सार्वजनिक स्थलों, शादी हॉल और मैरिज गार्डन में अनिवार्य रूप से विवाह पंजीयन करवाने संबंधी होर्डिंग लगाने के निर्देश जारी किए गए हैं।

लालू का समोसा बेस्वाद हो गया है, बिहार की जनता को अब एनडीए का आलू के साथ पनीर वाला समोसा पसंद है : राजनाथ सिंह

सासाराम/औरंगाबाद, 09 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय रक्षा मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि बिहार में लालू यादव का आलू वाला समोसा अब बेस्वाद हो गया है और लोगों को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का आलू के साथ पनीर वाला समोसा पसंद आ रहा है।

श्री सिंह ने आज पहले सासाराम के एनडीए प्रत्याशियोंऔर उसके बाद औरंगाबाद जिले के गोह विधानसभा क्षेत्र में एनडीए प्रत्याशी डॉ रणविजय सिंह के समर्थन में आयोजित चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि वह समय खत्म हो गया जब कहा जाता था कि 'जब तक रहेगा समोसे में आलू, तब तक रहेगा बिहार में लालू'। उन्होने कहा कि भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति ने लालू के समोसे को बेस्वाद कर दिया है और अब लोगों को एनडीए का समोसा पसंद आ रहा है, जिसमे आलू के साथ पनीर तथा कई अन्य स्वादिष्ट सामग्री डाली गई है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय जनता (राजद) और कांग्रेस के नेता भ्रष्टाचार के मामलों में आजकल जमानत पर हैं और दूसरी तरफ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राजनीतिक जीवन बिल्कुल बेदाग है। उन्होंने कहा कि ऐसे नेताओं के चलते जनता राजनीति को भ्रष्टाचार का अड्डा कहती है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि बिहार से अब लालटेल युग खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि बड़ी मुश्किल से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और एनडीए की सरकार ने प्रदेश को अंधकार से निकाल कर विकास के पथ पर डाला है। उन्होंने कहा कि 11 साल पहले जब केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार आई थी तब भारत की आर्थिक रैंकिंग दुनिया मे 11 वें नम्बर पर थी और आज देश विश्वस्तर पर चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही भारत दुनिया के विकसित देशों की श्रेणी में शामिल होगा, लेकिन ऐसा तभी संभव है, जब देश के अंदर बिहार जैसे प्रदेश भी तेजी से प्रगति करें।

संघ में केवल हिंदू पर हिंदू धर्म नहीं, सांस्कृतिक पहचान है : मोहन भागवत

नई दिल्ली, 09 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को एक कार्यक्रम में कहा कि संघ में केवल हिंदुओं को शामिल किया जाता है, लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हिंदू कोई धर्म नहीं बल्कि भारत की सांस्कृतिक पहचान है। उनका कहना था कि जो भी भारत की भूमि का पुत्र है, वह हिंदू है, चाहे वह किसी भी मत या पंथ से क्यों न जुड़ा हो।

भागवत नई दिल्ली में आयोजित '100 ईयर्स ऑफ संघ जर्नी: न्यू होराइजन्स' व्याख्यान श्रृंखला में बोल रहे थे। कार्यक्रम के दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या मुसलमानों को संघ में आने की अनुमति है, तो उन्होंने कहा, संघ में कोई ब्राह्मण नहीं, कोई मुस्लिम नहीं, कोई ईसाई नहीं- केवल हिंदू हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि कोई आ नहीं सकता। मुसलमान, ईसाई या किसी भी मत के लोग संघ में आ सकते हैं, बस अपनी अलग पहचान बाहर छोड़कर भारत माता के पुत्र के रूप में आना होगा।

उन्होंने आगे कहा कि संघ की शाखाओं में मुसलमान भी आते हैं, ईसाई भी आते हैं, और अन्य सभी जातियों के लोग भी। लेकिन हम किसी की गिनती नहीं करते, न ही यह पूछते हैं कि कौन किस धर्म का है। हम सब भारत माता के पुत्र हैं, यही संघ का कार्य करने का तरीका है।

गौरतलब है कि एक दिन पहले मोहन भागवत ने कहा था कि भारत के प्रति जिम्मेदारी हिंदुओं की है, और संघ का उद्देश्य सत्ता प्राप्त करना नहीं बल्कि समाज को संगठित कर राष्ट्र की प्रतिष्ठा बढ़ाना है। उन्होंने यह भी कहा था कि भारत में कोई अहिंदू नहीं है, क्योंकि सभी भारतीयों की पूर्वजों की जड़ें एक ही हैं।

भागवत ने कहा था, भारत में सभी लोग एक ही वंशजों के हैं, चाहे वे मुस्लिम हों या ईसाई। वे सभी भारतीय संस्कृति से ही निकले हैं, बस उन्हें यह याद नहीं या भुला दिया गया है।

उन्होंने यह भी दोहराया कि सनातन धर्म ही हिंदू राष्ट्र की आत्मा है और भारत की एकता को बनाए रखने के लिए संगठित समाज आवश्यक है। उनके शब्दों में, हमारी परंपरा विविधता में एकता की है। विविधता हमारी एकता की सजावट है।

बता दें कि संघ का यह विचार लंबे समय से यही रहा है कि 'हिंदू' शब्द धार्मिक सीमाओं से परे भारत की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाता है। भागवत के ताज़ा बयान को भी इसी संदर्भ में देखा जा रहा है, जहां उन्होंने यह संदेश देने की कोशिश की है कि संघ का उद्देश्य विभाजन नहीं बल्कि साझा भारतीय संस्कृति के आधार पर एकता स्थापित करना है।

उद्धव ठाकरे के घर के ऊपर ड्रोन दिखने से मचा हड़कंप, मुंबई पुलिस को देनी पड़ी सफाई

मुंबई, 09 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई के बांद्रा इलाके में स्थित ठाकरे परिवार के निवास 'मातोश्री' के बाहर शनिवार को एक अज्ञात ड्रोन उड़ता हुआ दिखाई दिया. जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, इलाके में हड़कंप मच गया। घटना के समय उद्धव ठाकरे घर पर नहीं थे। वह मराठवाड़ा का दौरा कर रहे थे।

उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे के अनुसार, ऐसा प्रतीत हुआ कि ड्रोन आवास में झांक रहा था और जब उसे देखा गया तो वह तुरंत उड़ गया। शिवसेना (यूबीटी) नेता अंबादास दानवे और अनिल परब ने ड्रोन की मौजूदगी पर चिंता जताई और इसे गंभीर सुरक्षा चूक बताते हुए इसकी जांच की मांग की।

परब ने किसी भी चरमपंथी पहलू को नकारने की जरूरत पर जोर दिया और मातोश्री की जेड+ सुरक्षा को देखते हुए इस घटना को बेहद संवेदनशील बताया। मुंबई पुलिस ने इसके तुरंत बाद एक स्पष्टीकरण जारी किया, जिसमें कहा गया कि ड्रोन बीकेसी-खेरवाड़ी बेल्ट में चल रही पॉड-टैक्सी परियोजना के लिए मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) द्वारा अधिकृत सर्वेक्षण का हिस्सा था।

पुलिस ने बताया कि 8 से 16 नवंबर के बीच परमिशन दी गई थी, और जनता से गलत सूचनाओं से बचने का आग्रह किया।

210 एकड़ खेती हड़पी, 75 बार कोर्ट में पेशी...70 पीड़ित किसानों को 11 साल से है न्याय का इंतजार

राजनांदगांव, 09 नवंबर (एजेंसियां)। डोंगरगांव और छुरिया क्षेत्र के 70 से अधिक किसानों की 210 एकड़ खेती जमीन को साहूकार द्वारा फर्जी तरीके से हड़पने का मामला सामने आया है। रसूखदार साहूकार ने किसानों को कर्ज देते समय उनकी जमीन का पावर ऑफ अटॉर्नी ले लिया। ब्याज सहित मूलधन की वापसी के बाद भी उनकी जमीन जबर्दस्ती अपने नाम रजिस्ट्री करा ली गई।पीड़ित किसान पिछले 11 वर्ष से अपनी जमीन वापस पाने संघर्ष कर रहे हैं। तत्कालीन तहसीलदार और एसडीएम ने भी किसानों के पक्ष में निर्णय देते हुए साहूकार के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा कर दी थी, लेकिन राजनीतिक संरक्षण के चलते आज तक उस पर अमल नहीं हो सका। इस अवधि में छह तहसीलदार और आठ एसडीएम बदल गए।

पीड़ितों की 75 पेशी हो चुकी, लेकिन न्याय की प्रतीक्षा समाप्त नहीं हुई। अब वे बड़े आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं। ग्राम बंशी बंजारी के पीड़ित लीलाराम साहू ने बताया कि शादी, मकान निर्माण और इसी तरह के आवश्यक कार्यों के लिए ग्रामीणों ने अमित व सुमीत गांधी के पिता मानिक गांधी से कर्ज लेते रहे हैं। इसके बदले जमीन को पावर ऑफ अटॉर्नी करा ली जाती थी। कर्ज की राशि ब्याज के साथ चुकाने के बाद भी अटॉर्नी के माध्यम से अपने लोगों के नाम रजिस्टर्ड करा ली गई। इनमें मानिकपुर, भंडारपुर, दाउटोला, बम्हनीभाठा आदि गांवों के किसान भी शामिल हैं। पीड़ित किसानों के ट्रैक्टर भी छीन लिया गया था, जिसे राजनीतिक हस्तक्षेप के बाद वापस किया गया था।छुरिया के तत्कालीन तहसीलदार ने अपने जांच प्रतिवेदन में लिखा है कि क्रेता पक्ष के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। बाद में तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) ने भी तहसीलदार के निर्णय पर मुहर लगाते हुए कलेक्टर को आगे की कार्रवाई की अनुशंसा के साथ प्रतिवेदन भेज दिया। हालांकि कार्रवाई वहां भी नहीं हुई। तब पीड़ित किसानों ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। व्यवहार न्यायालय ने भी प्रभावी कार्रवाई की अनुशंसा की थी। न्यायालय ने यह भी कहा कि कार्रवाई के लिए एसडीएम न्यायालय सक्षम है। इसके बाद अब तक भी प्रकरण पर निर्णय नहीं दिया जा सका है।

वर्ष 2014 से चल रहे इस प्रकरण में अब तक रिकॉर्ड 75 बार पेशी हो चुकी है। दोनों पक्षों का बयान दर्ज करने के साथ ही गवाहों और अन्य ग्रामीणों का भी बयान दर्ज किया जा चुका है। यह तहसील, एसडीएम और व्यवहार न्यायालय में भी हो चुका है। एसडीएम कोर्ट ने अगली पेशी तीन नवंबर को दी है। यह 76वीं पेशी होगी। विधानसभा अध्यक्ष से लेकर मंत्रियों तक लगाई गुहार फिर भी निराशा मिली।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता तेजी से बढ़ रही है, समय पर सुरक्षा व्यवस्था नहीं बनी तो हो सकता है बड़ा खतरा

नई दिल्ली, 09 नवंबर (एजेंसियां)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर ओपनएआई ने एक बार फिर गंभीर चेतावनी जारी की है। कंपनी ने 6 नवंबर को अपने आधिकारिक ब्लॉग पर एक पोस्ट साझा की, जिसे सीईओ सैम ऑल्टमैन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी साझा किया है। इस पोस्ट में कहा गया है कि एआई तकनीक जिस तेजी से विकसित हो रही है, उसका अंदाजा आम लोगों को अभी तक नहीं हो पाया है और यह अब असली वैज्ञानिक खोजों के स्तर के करीब पहुंच रही है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, ओपनएआई ने चेतावनी दी है कि जहां यह तकनीकी प्रगति अपार अवसर लेकर आ रही है, वहीं अगर सही सुरक्षा व्यवस्था समय पर नहीं बनाई गई तो इसके परिणाम विनाशकारी भी हो सकते हैं।

कंपनी का कहना है कि आज की एआई प्रणालियाँ सिर्फ चैटबॉट या सर्च टूल तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे जटिल बौद्धिक चुनौतियों में दुनिया के शीर्ष विशेषज्ञों से भी बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता रखती हैं।गौरतलब है कि ओपनएआई का मानना है कि वर्तमान एआई अब 80% तक एक एआई शोधकर्ता बनने की दिशा में बढ़ चुकी है। कंपनी का कहना है कि आने वाले वर्षों में यह तकनीक नई जानकारी और खोजों को खुद उत्पन्न करने की क्षमता हासिल कर सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2026 तक एआई छोटी वैज्ञानिक खोजें करने में सक्षम हो जाएगी, जबकि 2028 तक यह बड़ी खोजों में भी अहम भूमिका निभा सकती है।ओपनएआई ने यह भी बताया है कि एआई विकास की गति बेहद तेज़ है। कंपनी के अनुसार, किसी निश्चित स्तर की बुद्धिमत्ता हासिल करने की लागत हर साल लगभग 40 गुना घट रही है। इसका अर्थ यह है कि जो कार्य पहले इंसानों को घंटे या दिन लगते थे, उन्हें अब एआई कुछ ही सेकंड में पूरा कर सकता है।

बता दें कि विशेषज्ञों का मानना है कि इस तेज़ी से हो रहे विकास के बीच समाज और नीति-निर्माताओं की तैयारी अभी बहुत पीछे है। ओपनएआई ने अपने बयान में कहा है कि एआई की वास्तविक क्षमताओं और उसके मौजूदा इस्तेमाल के बीच का अंतर लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे आने वाले समय में बड़ी सामाजिक और नैतिक चुनौतियाँ सामने आ सकती हैं।

इस चेतावनी को दुनिया के तकनीकी भविष्य के संदर्भ में एक अहम संकेत माना जा रहा है, क्योंकि अब एआई केवल सूचना देने वाला उपकरण नहीं, बल्कि ज्ञान सृजन करने वाली शक्ति बनता जा रहा है। यदि इस दिशा में सही दिशा-निर्देश और सुरक्षा ढांचे नहीं बनाए गए, तो इसके प्रभाव व्यापक और गहरे हो सकते हैं। इसलिए विशेषज्ञों ने अब एआई सुरक्षा और नियंत्रण को वैश्विक प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

पूर्वांचल की अहम उपलब्धि है कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि: योगी

कुशीनगर में सीएम ने निर्माणाधीन विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया

कुशीनगर, 09 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को निर्माणाधीन महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया और अधिकारियों व कार्यदायी संस्था के जिम्मेदारों से बात कर इसकी प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने अफसरों को निर्देश दिए कि जुलाई 2026 के सत्र से इस विश्वविद्यालय में पठन-पाठन कार्य प्रारंभ करने के लिए अभी से युद्ध स्तरीय प्रयास किए जाएं। निरीक्षण के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा बुद्ध के नाम पर कुशीनगर में बन रहा यह कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगा।

रविवार को कुशीनगर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बौद्ध धर्मगुरु भदंत ज्ञानेश्वर को श्रद्धांजलि देने के बाद निर्माणाधीन महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने परिसर में भ्रमण कर कार्यों की अद्यतन स्थिति जानी और निर्माण में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के लिए कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने निर्माण की प्रगति पर संतोष जताते हुए कहा कि कोशिश हो कि भवन का निर्माण लक्षित समय सीमा अक्टूबर 2026 से पहले ही पूरा करा लिया जाए। निर्माण कार्य की समीक्षा और निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री ने मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा कि महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य तेजी से हो रहा है। अब प्रयास इस बात पर होना चाहिए कि अगले सत्र में पठन-पाठन का कार्य प्रारंभ हो जाए। सीएम योगी ने कहा कि कार्यदायी संस्था ने अक्टूबर 2026 तक बिल्डिंग बना कर देने को कहा है। निर्देश दिए गए हैं कि उससे पहले ही बिल्डिंग देने का प्रयास किया जाए ताकि जुलाई 2026 तक प्रवेश पूर्ण कर अगस्त-सितंबर में विश्वविद्यालय में नियमित पठन-पाठन प्रारंभ कर दिया जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कृषि की दृष्टि से कुशीनगर और आसपास का क्षेत्र अत्यंत समृद्ध है। यहां की भूमि भरपूर उर्वरा है। पर्याप्त जल संसाधन मौजूद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में विकास के लिए इस क्षेत्र को बेहतर कनेक्टिविटी भी मिल गई है। उन्होंने कहा कि ऐसे में यह कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय नागरिकों, अन्नदाता किसानों के लिए, औद्यानिक फसल उगाने वालों और गन्ना उपजाने वालों की समृद्धि के लिए मील का पत्थर साबित होगा। सीएम योगी ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए बड़ी और महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में यह विश्वविद्यालय डबल इंजन सरकार की तरफ से अन्नदाता किसानों के लिए उपहार है। यह विश्वविद्यालय किसानों की समृद्धि का माध्यम बनेगा और नौजवानों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगा।

मदरसे के मौलाना ने नाबालिग बच्ची से की छेड़छाड़

मौलाना इरफान उल कादरी फरार: बीवी गिरफ्तार

सीतापुर, 09 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में मौलाना इरफान उल कादरी द्वारा 15 साल की नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोपी मौलाना अपने घर की दूसरी मंजिल पर अवैध रूप से मदरसा चला रहा था। घटना के बाद से मौलाना फरार है जबकि पुलिस ने उसकी बीवी को हिरासत में लिया है।

मदरसे में करीब 35-40 छात्राएं रहकर तालीम ले रही थीं। लखीमपुर-खीरी की रहने वाली पीड़िता छात्रावास में रहकर पढ़ाई करती थी। आरोप है कि मौलाना ने उसे अकेला पाकर उसके साथ छेड़छाड़ की और धमकी दी कि किसी को बताया तो उसे जान से मार डालेगा। छात्रा ने कहा कि मौलाना ने उसके साथ रेप किया है। लेकिन बाद में दबाव पड़ने पर उसने केवल छेड़छाड़ की बात कही। लेकिन पुलिस दोनों एंगल से छानबीन कर रही है। छात्रा की मेडिकल जांच भी कराई जा रही है जिससे रेप की पुष्टि हो सके। छात्रा ने मदरसे के मोबाइल से फोन कर परिजनों को घटना की जानकारी दी। सूचना पर परिवार और पुलिस मौके पर पहुंचे लेकिन मौलाना वहां नहीं मिला। पुलिस ने उसकी बीवी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने पॉक्सो एक्ट की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है और आरोपी मौलाना की तलाश कर रही है।

दो लाख शिक्षक करेंगे दिल्ली कूच पांच दिसंबर को होगी महारैली

लखनऊ, 09 नवंबर (एजेंसियां)। देश भर के प्राथमिक शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य किए जाने के विरोध में पांच दिसंबर को शिक्षक महारैली करेंगे। दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली महारैली में दो लाख शिक्षक शामिल होंगे। इनमें यूपी से सर्वाधिक एक लाख शिक्षक होंगे। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने रविवार को राजधानी में सभी जिलाध्यक्षों व महामंत्रियों की संयुक्त बैठक में इसके लिए जिम्मेदारी तय की। शिक्षक भवन, रिसालदार पार्क में हुई बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा व संचालन महामंत्री संजय सिंह ने किया। संगठन के अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा को इस आंदोलन के लिए 14 राज्यों के संयुक्त संगठन टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीएफआई) का अध्यक्ष निर्वाचित होने पर सभी ने बधाई दी।

शर्मा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ संगठन न्यायालय में लड़ाई लड़ने के साथ ही टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने के लिए इस महारैली के माध्यम से केंद्र सरकार तथा एनसीईटी से भी मांग करेगा। उन्होंने कहा कि इसी दौरान संसद सत्र भी चल रहा होगा, यह शिक्षकों के लिए अपनी ताकत का एहसास कराने का सही समय होगा। एकजुटता से शिक्षक महारैली में शामिल हों। महामंत्री ने बताया कि रैली में जाने के लिए ब्लाकवार शिक्षकों की संख्या निर्धारित कर दी गई है। शिक्षकों को ले जाने के लिए प्रत्येक ब्लॉक के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। महारैली में संगठन में शामिल देश के 14 राज्यों से भी एक लाख से अधिक शिक्षक दिल्ली पहुंचेंगे। बैठक में संघ के कोषाध्यक्ष शिव शंकर पांडेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राधेरमण त्रिपाठी तथा संयुक्त महामंत्री देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव आदि शामिल हुए।

3700 करोड़ की ठगी के आरोपी का दुस्साहस

पुलिस के फोन से दी जज को धमकी

लखनऊ, 09 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ जेल में बंद एक ठग ने पुलिस के फोन से इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज को धमकी दी है। आरोपी पर ऑनलाइन ट्रेडिंग स्कीम के जरिए 3700 करोड़ रुपए ठगने का आरोप है। पुलिस ने जज को धमकी देने का मामला दर्ज कर लिया है।

फर्जी ऑनलाइन ट्रेडिंग योजना के जरिए करीब सात लाख निवेशकों से 3,700 करोड़ रुपए की ठगी करने के आरोपी और वर्तमान में लखनऊ जेल में बंद अनुभव मित्तल ने फोन से धमकी भरा संदेश भेजा कि लखनऊ पीठ के एक न्यायाधीश की हत्या कर दी जाएगी। साइबर प्रकोष्ठ और अपराध शाखा की जांच में खुलासा हुआ कि पुलिसकर्मी अजय कुमार के मोबाइल से यह संदेश भेजा गया था। अनुभव मित्तल और पुलिस लाइन में तैनात आरक्षी अजय कुमार के खिलाफ आपराधिक धमकी देने के आरोप और आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। चार नवंबर को अदालत में एक सुनवाई के दौरान अजय कुमार अनुभव मित्तल के साथ गया था। तभी उसने आरक्षी का मोबाइल फोन लेकर उससे यह हरकत की।

पुलिसकर्मी अजय कुमार ने बताया कि अनुभव मित्तल ने अपने मामले की स्थिति जानने के लिए चार नवंबर को उसका फोन लिया था और चुपके से एक नई ईमेल आईडी बनाकर संदेश टाइप किया और उसे भेजने का समय अगली सुबह शेड्यूल कर दिया। वह ईमेल निर्धारित समय पर जज की ईमेल आईडी पर पहुंच गया। पुलिस का कहना है कि मित्तल ने कथित रूप से निजी दुश्मनी के चलते साथी कैदी आनंदेश्वर अग्रहरि को फंसाने के लिए यह हरकत की। अग्रहरि हत्या के एक मामले में दिसंबर 2023 से जेल में बंद है। साल 2017 में एसटीएफ द्वारा गिरफ्तार किए गए मित्तल पर पहले से ही 3700 करोड़ रुपए के घोटाले के सिलसिले में 324 मामले दर्ज हैं। उसकी पत्नी आयुषी और पिता सुनील मित्तल भी सह-आरोपी हैं।

गौ-तस्कर जब्बार खान एनकाउंटर में जख्मी

2016 से फरार था 25000 का इनामी अपराधी

मथुरा, 09 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में शनिवार की सुबह पुलिस और इनामी गौ-तस्कर सिराज जब्बार खान अली मियो के बीच मुठभेड़ हो गई। यह तस्कर हरियाणा के पलवल जिले का रहने वाला है और इस पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। डीएसपी भूषण वर्मा ने बताया कि हरियाणा-राजस्थान सीमा पर गौ-तस्कर के होने की खबर मिली थी। जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को पकड़ने की कोशिश की तो उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी।

पुलिस ने सिराज के पैर में गोली मार कर उसे धर दबोचा। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मौके से एक मोटरसाइकिल, एक पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पूछताछ में सिराज ने माना कि वह 2016 से फरार था और कई बार गौ-तस्करी के मामलों में शामिल रहा है।

गुजरात में गिरफ्तार आतंकियों में यूपी का सुहेल खां

पुलिस ने की छानबीन, तीन साल से घर नहीं आया

लखीमपुर खीरी, 09 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात में गिरफ्तार तीन आतंकियों में से एक सुहैल खां यूपी के लखीमपुर खीरी जिले का रहने वाला था। गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही यूपी पुलिस ने लखीमपुर खीरी के सिंगाही कस्बे में छानबीन की और सुहैल के रिश्तेदारों से पूछताछ की। सुहैल के आतंकी गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने की सूचना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

पूछताछ में पुलिस को पता चला कि कस्बे के वार्ड नंबर एक निवासी ट्रैक्टर मिस्त्री सलीम का बेटा सुहैल खां तीन वर्ष पहले हाफिज की पढ़ाई करने मुजफ्फरनगर गया था। वह एक सप्ताह पहले गुजरात गया था, जहां उसे अन्य दो आतंकियों के साथ गिरफ्तार किया गया। परिजनों के मुताबिक, सुहैल आखिरी बार जून महीने में घर आया था। सलीम के अन्य दो बेटों में सबसे बड़ा सुम्मी खां तमिलनाडु में कपड़े बेचने का काम करता है, जबकि छोटा बेटा वसीम स्थानीय स्तर पर एसी की मरम्मत का कार्य करता है। सिंगाही थाने के प्रभारी इंसपेक्टर अजीत कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस ने परिवार से पूछताछ की है। एहतियातन निगरानी रखी जा रही है। लखीमपुर खीरी के एसपी संकल्प शर्मा ने कहा, गुजरात से हमें ऑफिशियली कोई जानकारी नहीं दी गई है। फिर भी अपने स्तर से जांच कराई जा रही है। युवक तीन वर्षों से यहां पर नहीं रह रहा था।

गैंगस्टर के घर से बोरियों में मिले दो करोड़ रुपए

एक करोड़ का गांजा और स्मैक बरामद

प्रतापगढ़, 09 नवंबर (एजेंसियां)। प्रतापगढ़ के मानिकपुर थाना क्षेत्र स्थित मुंदीपुर में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। 24 घंटे तक चली पुलिस की छापेमारी में तहखाने में रखी बोरियों से दो करोड़ से अधिक नकद रुपए और 1.18 लाख का नशीला पदार्थ बरामद किया गया है। बरामदगी के बाद पुलिस ने जेल में बंद तस्कर राजेश मिश्रा की पत्नी, बेटे और बेटी समेत पांच लोगों पर भी कार्रवाई की है।

पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने बताया कि पहले से जेल में बंद मुंदीपुर का रहने वाला ड्रग तस्कर एवं गैंगस्टर राजेश मिश्रा के परिवार वालों ने गांव के ही राजेंद्र मौर्य से कॉलोनी के नाम अभिलेख लेकर फर्जी कागजात तैयार कराया। एनडीपीएस मामले में न्यायालय से जमानत भी स्वीकृत हो गई। जमानत प्रार्थना पत्र के सत्यापन के दौरान हकीकत सामने आई। जिसके बाद राजेंद्र की तहरीर पर राजेश की पत्नी रीना मिश्रा उसके बेटे व एक अधिवक्ता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पैतृक घर पर शनिवार की सुबह करीब आठ बजे छापा मारा गया। कुंडा के सीओ अमरनाथ गुप्ता के नेतृत्व में रविवार सुबह आठ बजे तक चली कार्रवाई के दौरान तहखाने में बोरियां, आलमारी और संदूक में रखे 2, 01, 55, 345 रुपए मिले। अंधेरे वाले दो कमरों में छिपाकर रखा गया 6 किलो गांजा और 577 ग्राम स्मैक भी मिली। गांजे की कीमत 3 लाख 3 हजार 750 रुपए और स्मैक की कीमत 1 करोड़ 15 लाख 40 हजार रुपए है। मादक पदार्थ की बिक्री के रुपए घर में रखे थे। ऐसे में तस्कर राजेश मिश्रा की पत्नी रीना मिश्रा, उसके बेटे विनायक मिश्रा, बेटी कोमल मिश्रा, परिवार के ही अजीत मिश्रा और उसके बेटे यश मिश्रा के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार करते हुए न्यायालय में पेश किया गया। बरामद रुपए कोषागार में जमा कराए जाएंगे। अवैध तरीके से अर्जित संपत्ति की जांच नए सिरे से करते हुए गैंगस्टर के तहत कार्रवाई होगी। जनपद के अलावा तस्कर राजेश के दूसरे जनपदों व प्रदेश में फैले नेटवर्क का पता लगाकर सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश में पहली बार गांजा एवं स्मैक बरामदगी के दौरान दो करोड़ रुपए की बरामदगी हुई है।

पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने बताया कि मादक पदार्थों की बिक्री के रुपए राजेश अपने खाते में भी जमा कराता था। गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई के दौरान उसके खाते फ्रीज करा दिए गए। इसके बाद मादक पदार्थ की बिक्री के रुपए वह घर में ही रखने लगा। परिवार के लोग इस बात से बेफिक्र थे कि अब कुर्की की कार्रवाई के चलते पुलिस उसके पैतृक मकान तक नहीं पहुंचेगी। राजेश समेत परिवार वालों के दूसरे बैंक खातों का भी पता लगाया जा रहा है।

जब चाहें तब बुनें मनचाहा स्वैटर

नवम्बर का महीना आते ही ऊन और सलाइयां हाथों में दिखाई देने लगते हैं. कल्पना में तरहतरह के स्वैटरों के डिजाइन आते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में हम अपनी कल्पना के डिजाइन को मूर्त रूप नहीं दे पाते. आइए, हम आप की इस समस्या का हल करते हैं. बुनाई बहुत अच्छी थेरैपी है, जो चिंता को दूर कर एकाग्रता लाती है. बुनाई की इतनी विविधताएं हैं कि सही ज्ञान के अभाव में हम वही डिजाइन थोड़ाबहुत इधरउधर कर बना देते हैं. जैसे ड्रैस में डिजाइन का कोई अंत नहीं उसी तरह स्वैटर भी तरहतरह के डिजाइन के बनाए जा सकते हैं. यहां हम आप के लिए ले आए हैं कुछ उपयोगी जानकारी जिस पर अमल कर के आप बुनाई कला में पारंगत हो जाएंगी. हाथ के बने स्वैटर बुटीक में महंगे मिलते हैं. इसलिए क्यों न थोड़ी सी मेहनत कर के कम खर्च में घर पर ही स्वैटर बनाएं.

हमेशा वर्धमान, ओस्वाल आदि किसी अच्छी कंपनी का ऊन इस्तेमाल करें. बच्चों के लिए बेबी वूल लें ताकि स्वैटर नरम बनें. सस्ते के चक्कर में न पड़ें वरना मेहनत व्यर्थ हो जाएगी.

- ऊन हमेशा स्वैटर से ज्यादा लें. एक व्यक्ति के हाथों से बुनाई हो तो अच्छा रहता है. कई हाथों में जाने से कसावट में फर्क आ जाने से स्वैटर की सुंदरता बिगड़ जाती है.
- डिजाइन के अलावा आप केबल, साबूदाना पैटर्न, जिगजैग डिजाइन डाल कर स्वैटर को सुंदर बना सकती हैं.
- 5-6 तरह के स्वैटर खुद आसानी से बना सकती हैं. बस, थोड़े ध्यान और जानकारी की जरूरत है.
- स्वैटर पर अगर मोती, स्टोंस और नग लगा कर बनाएं तो स्वैटर बाजार के स्वक्टर जैसा लुक देगा. आप इस स्वैटर को किसी भी पार्टी में पहन कर जा सकती हैं.
- स्वैटर पर मोती लगाते समय हमेशा बारीक सूई का इस्तेमाल करें.
- नग या मोती लगाने के लिए स्वैटर के रंग का धागा इस्तेमाल करें.
- जब भी मोती या नग टांकें तो टांकने के बाद स्वैटर के अंदर की तरफ से धागे से अलग से बांध दें ताकि मोती खुलने न पाएं.
- आप इसी प्रकार डिजाइन में भी मोती, स्टोंस, सीपियां लगा कर स्वैटर को अलग रूप दे सकती हैं.
- ग्राफ वाला स्वैटर बनाते समय
- ग्राफ के द्वारा भी स्वैटर को सुंदर रूप दिया जा सकता है
- स्वैटर पर जिन रंगों का ऊन लगा रही हों, ग्राफ के डिजाइन में वहांवहां उसी रंग का इस्तेमाल करें. इस से स्वैटर बनाने में आसानी रहती है.

फेशियल रिजुवेनेशन तकनीकों से दिखें युवा

उम्र बढने के साथ चेहरे पर उम्र के निशान दिखने लगते हैं, हम चाहते हैं कि समय रुक जाए। समय तो नहीं रुक सकता लेकिन अनेक आधुनिक तकनीकों की मदद से हम इन उम्र के निशानों को दूर रख सकते हैं। फेशियल रिजुवेनेशन ट्रीटमेंट यानी चेहरे का कायाकल्प युवा दिखने और त्वचा पर बढ़ती उम्र के संकेतों को टालने के लिए किया जाता है। चेहरे के रिजुवेनेशन ट्रीटमेंट में प्रमुख रूप से कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट, टॉपिकल ट्रीटमेंट, सिस्टमेटिक एंड प्रॉसीजरल ट्रीटमेंट शामिल हैं।

कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट

कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट चेहरे के फेशियल रिजुवेनेशन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है लेकिन इसके साथ ही इसमें साधारण सनस्क्रीन लगाना भी बहुत मदद करता है। चेहरे को उम्रदराजी से बचाने के लिए उचित यूवीए और यूवीबी सनस्क्रीन का उपयोग करने की सलाह भी दी जाती है क्योंकि इसका रेडिएशन टाइप 1 प्रोकोलेजन को कम कर देता है। इसके अलावा चेहरे पर हार्श डिटर्जेंट और साबुन और ज्यादा गर्म पानी के उपयोग से बचना चाहिए क्योंकि इससे त्वचा ड्राई हो सकती है। कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट के बाद रोजमर्रा में मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल त्वचा को युवा बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

टॉपिकल ट्रीटमेंट

फेशियल रिजुवेनेशन के लिए टॉपिकल एजेंट्स की पूरी सिरीज़ उपलब्ध है लेकिन इसका असर त्वचा पर दिखे, इससे पहले आपको काफी लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। इनमें विटामिन सी, ट्रेटीनोइंस, अल्फा हाइड्रॉक्सिल एसिड और विभिन्न एंटीजिंग रसायनों जैसे एजेंट होते हैं।

सिस्टमेटिक एंड प्रॉसीजरल ट्रीटमेंट

सिस्टमिक एजेंट मूल रूप से वे होते हैं जो एक एंटीऑक्सीडेंट के रूप में कार्य करते हैं और त्वचा को सूर्य से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। इनमें विटामिन सी, विटामिन ई, कोनेजाइम क्यू, ग्रीन टीए मेलाटोनिन और सेलेनियम जैसे विभिन्न एजेंट शामिल हैं। टेस्टोस्टेरॉन और एस्ट्रोजेन जैसे हॉर्मोन भी त्वचा को जवां रखने वाले तत्व कोलेजन को बरकरार रखने में मदद करते हैं।

थेरेप्यूटिक प्रॉसीजरल ट्रीटमेंट

थेरेप्यूटिक प्रॉसीजरल ट्रीटमेंट की पूरी सिरीज़ है जिसमें आपकी स्किन को देखकर तय किया जाता है, कि कौन सा उपचार आपके लिए सही रहेगा। इसमें केमिकल पील्स, माइक्रोडर्माब्रेज़न, अंडर्मोलोजी, बोट्यूलिनम टॉक्सिन, ह्यूलूरोनिक एसिड फिलर्स, सॉफ्ट टिश्यू ऑग्मेंटेशन, लेजर, इंटेंस पल्स लाइटए नॉन एब्लेटिव आरएफए फ्रेक्शनल फोटोथर्मोलिसिस, एलईडी फोटोमोड्यूलेशन शामिल हैं।

केमीकल्स पील्स

पील त्वचा की बनावट को बेहतर बनाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक तकनीक है, जिसके जरिए धब्बेदार और सूरज से क्षतिग्रस्त त्वचा को सुधारा जाता है। इसमें बिना सर्जरी और दर्द के त्वचा की बाहरी परत से डेड स्किन को हटाया जाता है। यह प्रक्रिया त्वचा को एक समान रंगत देती है तथा दाग-धब्बों को कम करती है। त्वचा के विश्लेषण के आधार पर सही पील का चयन किया जाता है। आजकल ज्यादातर पील जेल के रूप में उपलब्ध हैं, इसलिए इनके दुष्प्रभाव की आशंका कम होती है। इंस्टा स्कल्प्ट की कॉस्मेटिक फिजीशियन डॉ. मंजरी पुराणिक का कहना है कि डर्मा पील के जरिए त्वचा की सामान्य समस्याओं का समाधान किया जा सकता है, जैसे कि- मुहांसे, पिगमेंटेशन, काले घेरे, झुर्रियां, टैनिंग, त्वचा की असमान रंगत और बनावट, इत्यादि। इस प्रक्रिया में लगभग 20 से 30 मिनट का समय लगता है जो त्वचा की संवेदनशीलता पर निर्भर है और इस प्रक्रिया को पूरा होने में 8 से 12 दिनों का समय लगता है। त्वचा और जरूरत के आधार पर पील्स मूल रूप से तीन तरह की होती हैं-

सुपरफीशियल पील्स

यह त्वचा की ऊपरी परत पर काम करता है और इसका निचली परतों पर प्रभाव नहीं पड़ता है। इससे त्वचा तुरंत मुलायम और चमकदार हो जाती है। कुछ सुपरफीशियल पील त्वचा की निचली परत पर भी असर कर सकते हैं। सुपरफीशियल पील का उपयोग मुहांसों को कम करने, फोटो एजिंग, हाइपर पिगमेंटेशन रिजुवेनेशन (दमकती त्वचा) के लिए किया जाता है।

रोजमर्रा की ऐसी आदतें कि 40 की उम्र पर पछताना न पड़े

20 वर्ष की आयु वह आयु है, जब आप पढ़ाई के अंतिम सालों में होते हैं। ऐसे में सामने आपका करियर या तो अच्छी तरह से बना-बनाया दिखाई देता है या फिर कुछ समझ नहीं आ रहा होता है कि आगे करें तो क्या करें.... ऐसे में पेश हैं कुछ ऐसे सुझाव, ताकि आपका करियर तो अच्छा बने ही, स्वास्थ्य की दृष्टि से भी आप ठीक रहें, ताकि जब आपकी उम्र 40 की हो जाए, तब आप यह न सोचें कि काश 20 की उम्र से हमने ऐसा किया होता........

जल्दी उठने की आदत

सूर्योदय से पहले यानी सुबह 5 बजे उठना स्वास्थ्य के लिए सर्वोत्तम माना जाता है। इसी तरह से सोने का सही समय है रात को 10.30 बजे का। ऐसा करने से आप पूरे दिन में अपने टाइम को इफेक्टिवली मैनेज कर सकते हैं। ऐसे में आपके पास पूरे दिन की तैयारी का भी खासा समय रहेगा।

प्रार्थना

प्रार्थना यानी प्रेयर किसी भी लक्ष्य के प्रति आपके निश्चय को बढ़ावा देती है। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप सिर्फ प्रार्थना ही करते रहें। आप अपने लक्ष्य के अलावा अपने परिवार की सुख-समृद्धि के लिए भी प्रार्थना कर सकते हैं।

व्यायाम

रोजाना करीब 15 मिनट का व्यायाम करना आपके स्वास्थ्य को सही बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी है। व्यायाम का मतलब हैवी जिम नहीं है, लेकिन आपको सिंपल स्ट्रैचिंग एक्सरसाइज या सुबह-सुबह जॉगिंग करना चाहिए। इसके बाद कुछ देर आपको ऐसी जगह मॉर्निंग वॉक करनी चाहिए जहां काफी पेड़-पौधे हों, क्योंकि इससे ऑक्सीजन की कमी से संबंधित समस्याएं कम होंगी।

सोशल मीडिया से दूरी

सीरियसली, अगर आप जिंदगी में कुछ हासिल करना चाहते हैं तो आपको फेसबुक, ट्विटर जैसे सोशल मीडिया से दूरी बनानी होगी। यह सभी साइट्स इस तरह से बनाई जाती हैं, ताकि यह लोगों को अपनी ओर खींच सकें। और यह कुछ और नहीं, बल्कि नई पीढ़ी के युवाओं को उनके लक्ष्य से दूर करके डिप्रेशन पैदा करने का काम कर रही हैं।

स्टडी और टाइम मैनेजमेंट

अपने क्षेत्र की पढ़ाई के लिए आपको रोजाना कम से कम चार घंटे का समय रखना चाहिए। अगर आप चार घंटे पढ़ाई नहीं कर सकते तो रोज कम से कम 2 घंटे की पढ़ाई तो बनती ही है, अगर आप नहीं चाहते कि 40 की उम्र पर जाकर आपको पछताना पड़े।

गालियां न दें

कुछ भी हो जाए, किसी को गाली न दें। इस बात का पूरा ध्यान रखें, आप अपने अंदर एक नया इंसान पाएंगे।

दूसरों की सलाह लें

हमेशा दूसरों से सलाह लें, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि आप उससे सहमत भी हों और उसे मानें। कोई सलाह दे रहा हो तो उससे बहस न करें। सिर्फ वही करें जो आपको सही लगता हो।

सभी का आदर करें

अगर आप दूसरों का आदर करेंगे तभी आपको भी आदर मिलेगा। अपने से बड़ों की, अपने पैरेंट्स की रेस्पेक्ट तो सभी करते हैं, आप अपने से छोटों की भी रेस्पेक्ट करें।

ध्यान से सुनें

जब आप किसी व्यक्ति की बात सुन रहे हों तो कभी भी उसका स्टेटस देखकर उसके बारे में राय न बनाएं। वो जो कह रहा है, उसे सुनें।

तांबे के बर्तनों से एक नहीं अनेक हैं फायदे

धातुओं में सोना, चांदी के बाद तीसरे स्थान पर तांबा आता है। मगर गुणों में तांबा नंबर एक है। भले ही आज स्टील का बोलवाला है। चम्मच, कटोरी, गिलास, थाली, कलछी, पतीला, ट्रे आदि बर्तन रसोई घर की शान हैं। ये चमचमाते बर्तन दुकानों पर हाथों-हाथ बिकते हैं। दीवाली के दिन बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। उस रोज बर्तनों की दुकानों पर भारी भीड़ होती है। आज से 60-70 वर्ष पूर्व रसोई में तांबे के बर्तन प्रयोग में लाए जाते थे। उन दिनों आज की अपेक्षा व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा रहता था। वास्तव में तांबा स्वास्थ्य के लिए रामबाण है।

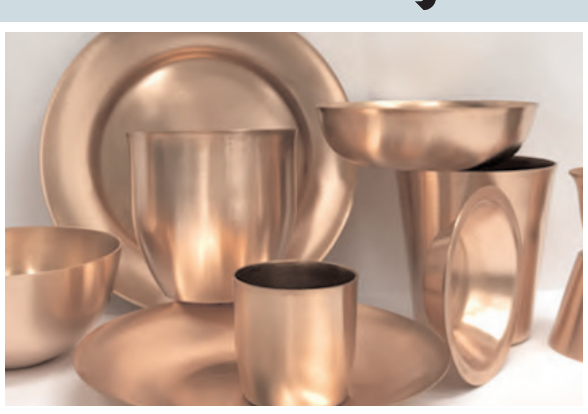

- विदेशों में हुए शोध से यह बात सामने आई है कि तांबा पेट के रोगों की अचूक दवा है।
- तांबे के बर्तन में पका खाना और तांबे के लोटे में रात्रि को रखा पानी प्रातः उठकर पीने से पेट के कृमि समाप्त हो जाते हैं तथा पेट से संबंधित रोग दूर हो जाते हैं।
- तांबा ऊष्मा का सुचालक है। इस धातु के पात्र में भोजन जल्दी पकता है और ईंधन की भी बचत होती है अर्थात् आम के आम गुठलियों के दाम वाली कहावत यहां चरितार्थ होती है।
- तांबे के पात्र में पकाए भोजन में तांबे का कुछ भाग हमारे पेट में जाता है जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।
- तांबे के पात्र में रखे भोजन को हर ओर से समान ताप मिलता है। इससे भोजन का स्वाद बढ़ जाता है तथा यह अधपका नहीं रहता।
- इस धातु के पात्रों की अन्य धातुओं के पात्रों से अधिक मजबूती की गारंटी रहती है। इन बर्तनों का कई वर्षों तक उपयोग किया जा सकता है।
- तांबे के पात्रों में एसिड वाले पदार्थ पकाने से भोजन का जायका खराब हो जाता है। इसलिए अमलीय पदार्थों को तांबे के पात्र में नहीं पकाना चाहिए। कसैला स्वाद आपके भोजन का मजा किरकिरा कर सकता है।

इन जगहों के मजेदार खाने के साथ लें घूमने का मजा

आप घूमने फिरने की शौकीन हैं, जब भी मौका मिलता है अपने परिवार के साथ मनपसंद जगहों की सैर पर निकल पड़ती हैं। घूमने के साथ-साथ आपको जिस जगह जहां जा रही हैं, वहां पर मिलने वाले खास भोजन खान अच्छा लगता है, लेकिन चाह कर भी आप वहां के स्थानीय भोजन का स्वाद नहीं ले पाती हैं, इसका कारण जानकारी का अभाव है। आप जहां जा रही हैं, वहां पर कौन-से खास भोजन मिलते हैं और उन्हें कहां से खाना चाहिए की जानकारी इकट्ठी करके जायें, तो आपके घूमने का मजा दुगुना हो जायेगा आप खूबसूरत जगहों की सैर करने के साथ-साथ वहां के स्वादिष्ट व्यंजन का स्वाद भी ले सकती हैं।

मुंबई का वड़ा-पाव

इस मौसम में समुद्री जगहों पर घूमने का आनंद ही कुछ और होता है वहां पर मैदानी इलाकों की तरह कंपकंपाती सर्दी और कुहरे का सामना नहीं करना पड़ता है। अगर आप अपने परिवार के साथ मुंबई घूमने जा रही हैं, तो फिर वहां के स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लेना न लें। भले ही आपको हर जगह भेलपूरी मिल जाती है, लेकिन मुंबई बीच पर मिलने वाली भेल का स्वाद ही कुछ अलग होता है। भेल के साथ-साथ वड़ा-पाव, उसल पाव, बॉम्बिल फ्राई, सैंडविच, फलूदा फैंकीस का मजा लेना न भूलें। मुंबई के बीच के पास स्थित ढाबे और होटल में मिलने वाले सी फूड का स्वाद ही अलग होता है। आप बड़े-बड़े होटलों के बजाये छोटे रेस्टोरेंट और ढाबे पर खायें यहां मिलने वाले खाने का स्वाद ज्यादा अच्छा होता है।

बनारस की चाट

बनारस के घाट का पवित्र वातावरण, बनारसी साडि?ां, कांच की रंग-बिरंगी चूडि?ों के साथ वहां मिलने वाले स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद अनायास ही पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर खींचता है। आप अपने परिवार के साथ बनारस घूमने गई हैं, तो वहां से बनारसी साडि?ां खरीदने के साथ-साथ गंगा घाट और आस-पास मिलने वाले चाट और गोलगप्पे का स्वाद लेना न भूलें। जैसे गोलगप्पे यहां मिलते हैं और कहीं पर भी नहीं मिलते हैं। जाड़े में यहां पर दूध जलाकर राबड़ी बनाई जाती है, जिसे जलेबी के साथ परोसा जाता है अगर आप मीठा खाने के शौकीन हैं, तो सुबहे बनारस रेस्टोरेंट में इसे खाना न भूलें। नॉनवेजिटेरियन लोगों के लिए यहां पर होटल ललन, मदनपूरा में खासतौर पर चिकन टिक्का और अचारी मुर्ग मिलता है, जिसका स्वाद अद्भुत होता है।

दिल्ली का लाजवाब स्वाद

दिल्ली में घूमने की खूबसूरत ऐतिहासिक जगहों के साथ-साथ यहां का खाना भी लाजवाब है। दिल्ली में आपको कम से कम दाम में खाने की बेहतरीन चीजें मिल जायेंगी। चांदनी चौक के परांठे वाली गली में मिलने वाले परांठे बेहद मसहूर हैं। दुनिया भर से आने वाले पर्यटक इसका स्वाद लेना नहीं भूलते यहां पर आपको वेज और नॉनवेज परांठों की ढेरों वेरायटी मिलेगी। रमजान के मौके पर यहां पर खासतौर से नहारी या हलीम और कबाब का स्वाद लाजवाब होता है। दिल्ली के छोले-भठूरे और चाट, टिक्की, दही भल्ले, आलू की चटपटी चाट बेहद मसहूर है। ये सारी चीजें आपको हर जगह मिल जायेंगी दिल्ली घूमने आई हैं, तो इन सारी चीजों का स्वाद लेना ना भूलें।

अरुणाचल प्रदेश की तिब्बती डिश

अगर आप घूमने-फिरने के साथ-साथ अलग-अलग तरह के खाने की शौकीन हैं, तो फिर एक बार अपने परिवार के साथ अरुणाचल प्रदेश की सैर पर निकल जाईये यहां मिलने वाले खाने का स्वाद अद्भुत स्वाद होता है। यहां पर चावल से बनने वाली बीयर अपांग खास है। इसके अलावा तिब्बती डिश थुकपा यहां पर मिलने वाला खास व्यंजन है। यहां आपको मीट और मछली के साथ चावल ही खाने को मिलेगा। यहां बनने वाले व्यंजनों में चावल का इस्तेमाल खासतौर पर होता है।

नहीं भूलेंगे हैदराबादी बिरयानी

हैदराबाद में बनने वाले नॉन वेजिटेरियन व्यंजनों की अलग-अलग वेरायटी मसलन मुगलई, तुर्कीस और अरैबिक मिलती है। यहां मिलने वाले व्यंजनों का स्वाद मुंह में घुल जाने वाला होता है। हैदराबादी बिरयानी की धूम हर जगह है भले ही यह आपको हर जगह खाने को मिल जाये, लेकिन हैदराबाद में मिलने वाली, चिकन और मटन बिरयानी का स्वाद ही अलग है। बिरयानी के साथ-साथ यहां के खास व्यंजनों में हलीम पाया, हैदराबादी मरग है। यहां मिलने वाली कच्चे गोस्त की बिरियानी खास है।

आनंद की नगरी कोलकाता

खाने की जितनी वेरायटी आपको सिटी और ज्वॉय के नाम से मसहूर में मिलेगी अन्य कहीं मिलना मुस्किल है। फिर चाहे स्ट्रीट फूड हो स्वीट मीट हो या फिर अन्य व्यंजन यहां पर इसकी ढेरों वेरायटी मिलती है। ऐसा नहीं है कि यहां पर स्थानीय फूड की बहुतायत है यहां पर आपको चाइनीज, मुगलई, इटेलियन सभी तरह के व्यंजन रिजनेबल दाम में मिल जायेंगे। तिरेता बाजार में मिलने वाले तिब्बती फूड और चाइनीज फूड का स्वाद अद्भुत होता है। अगर आप कोलकाता की सैर पर निकली हैं, तो फिर विवेकानंद पार्क में मिलने वाले आलू फुचका और मित्रा कैफे में मिलने वाले कबीरजी कटलेट जरूर खायें। यहां पर अलग-अलग तरह के भरवां परांठे भी मिलते हैं, जो बेहद स्वादिष्ट होते हैं। सरसो में बनी कोलकाता की हिल्सा मछली और भेंटुकी फ्राई का स्वाद लेना न भूलें।

रेसिपी

बटाटा वड़ा

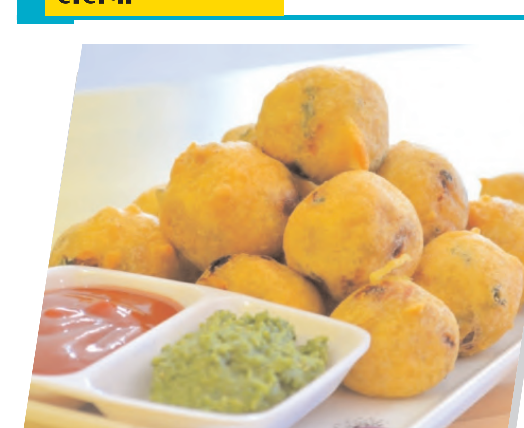

सामग्री

250 ग्राम आलू उबले, 1/2 छोटा चम्मच जीरा, 1/2 छोटा चम्मच राई, 5-6 करीपत्ते, 2 बड़े चम्मच प्याज बारीक कतरा, 1 छोटा चम्मच अदरक व हरीमिर्च बारीक कटी, 1/4 छोटा चम्मच हलदी पाउडर, 1 बड़ा चम्मच धनियापत्ती बारीक कटी, 1 बड़ा चम्मच नीबू का रस ,1/2 छोटा चम्मच चाटमसाला, 1/2 छोटा चम्मच लालमिर्च पाउडर ,2 छोटे चम्मच रिफाइंड औयल , 1 कप वड़ा पाउडर, 1 बड़ा चम्मच धनियापत्ती बारीक कटी, 1/2 छोटा चम्मच हलदी पाउडर, 1 बड़ा चम्मच तिल ,बटाटा फ्राई करने के लिए पर्याप्त रिफाइंड औयल , नमक स्वादानुसार

विधि

आलुओं को मोटामोटा फोड़ लें. एक नौनस्टिक कड़ाही में तेल गरम कर के जीरा, राई व करीपत्ते डालें. फिर प्याज, अदरक व हरीमिर्च डाल कर पारदर्शी होने तक भूनें. फिर हलदी पाउडर डाल कर आलुओं को भून लें. इस में नमक, मिर्च व नीबू का रस डालें. ठंडा कर के नीबू से थोड़े बड़े गोले बना लें. वड़ा पाउडर में पानी डाल कर गाढ़ा घोल बनाएं. इस में तिल और धनियापत्ती मिक्स करें. गरम तेल में प्रत्येक गोले को वड़ा पाउडर के घोल में लपेट कर गरम तेल में डीप फ्राई करें. बटाटा वड़े तैयार हैं.

लौकी- मटर शोरबा

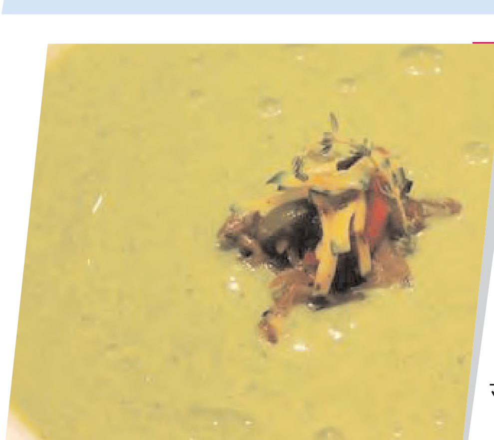

सामग्री

लौकी 1 किलो, फ्रोजन मटर 1 कप, टमाटर (छिले) 3-4, बटर 2 बड़े चम्मच, दालचीनी 2 इंच, धनिया पाउडर 1 बड़ा चम्मच, सौंफ पाउडर ½ छोटा चम्मच, ताजी धनिया पत्तियां (कटी) पुदीने की पत्तियां (कटी) 1 छोटा चम्मच, कालीमिर्च पाउडर ड्ट छोटा चम्मच, नमक स्वादानुसार,क्रीम ½ कप।

विधि

प्रेशर कुकर में बटर गरम करें। इसमें दालचीनी डालें जब इसकी खुशबू आने लगे तब इसमें लौकी और मटर डालकर 2 मिनट तक भूनें। अब सारी सामग्री (सिर्फ क्रीम छोड़कर) को एक-एक करके 2 मिनट के लिए भून लें। इसमें एक कप पानी डालकर कुकर को बंद करें और एक सीटी आने तक पकाएं। अब कुकर को ठंडा होने दें और सारी सामग्री बाहर निकालें। अब इसे छान लें और सूप निकाल लें।झ इसमें क्रीम डालें और पुदीने की ताजी पत्ती के साथ सर्व करें।

संपादकीय

'सरकार बदलना' अपराध नहीं

यह कैसा न्याय और लोकतंत्र है? राजधानी दिल्ली में 2020 में दंगे हुए थे। उसके पांच आरोपितों में उमर खालिद, शरजील इमाम और तीन अन्य हैं, जो 'राक्षसी कानून' यूएपीए के तहत जेल में हैं। जेल के 5 साल बेहद लंबे और कष्टकारक होते हैं। यूएपीए आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का एक बेहद कड़ा और पेचीदा कानून है। टाडा और पोटा को समाप्त कर यूएपीए बनाया गया था। इन 5 लंबे सालों में दिल्ली पुलिस कैद नौजवानों को न तो आतंकवादी और न ही दंगई साबित कर पाई है। अदालत में आरोप तक तय नहीं हो पाए हैं। दिल्ली पुलिस ने सर्वोच्च अदालत में हलफनामा दाखिल कर इन नौजवान आरोपितों की जमानत का भी विरोध किया है। तर्क दिया गया है कि उन्होंने देश की सरकार बदलने की साजिश रची थी। कमोबेश अदालत के जरिए यह भी देश के सामने आना चाहिए था कि इन नौजवानों ने किस संगठन या आतंकियों के साथ साजिश रची थी? बेहद गंभीर सवाल है कि क्या लोकतंत्र में सरकार बदलना कोई 'अपराध' है अथवा यह 'अवैध' कवायद है? पांच साल काफी लंबा वक्त है। यूएपीए के प्रावधान बेहद कड़े हैं और उनमें जमानत मिलना लगभग असंभव है। यदि इन नौजवानों को, सजायाफ्ता घोषित हुए बिना ही, निरंतर जेल में रखना है, तो फिर मौलिक अधिकार, संविधान, लोकतंत्र की बातें करना या दावे करना फिजूल है। यदि पांच साल जेल काटने के बाद वे बेकसूर साबित हुए, तो इस सजा का हर्जाना कौन भरेगा? देश में ऐसा कोई ठोस कानून नहीं है, जो ऐसी स्थिति में दोषी व्यक्ति या सरकार तय कर सके। सर्वोच्च अदालत ही कई मौकों पर टिप्पणी कर चुकी है कि एक आरोपित को लंबे वक्त तक, महज आरोपों के आधार पर ही, जेल में कैद रखना भी 'अवैध' है। फिर ये शिक्षित नौजवान जमानत पाने से वंचित क्यों हैं? चूंकि वे मुसलमान हैं, लिहाजा आतंकी या दंगई भी होंगे, यह कोई मानदंड नहीं है। वे जेल में बंद रहेंगे, सिर्फ यूएपीए के प्रावधानों के कारण...! दुर्भाग्य और विडंबना है। ऐसा कानून देश के नागरिक से बड़ा और महत्वपूर्ण नहीं हो सकता। इसे संशोधित किया जाना चाहिए। बहरहाल लोकतंत्र में सरकार बदलना अथवा एक समानांतर जनमत तैयार करना कोई संवैधानिक गुनाह नहीं है। सरकार के साथ संसद सबसे महत्वपूर्ण संस्था है। 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' के मुताबिक, करीब 46 फीसदी, यानी 251, सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं, लेकिन वे जेल के बजाय संसद में मौजूद हैं और देश के लिए कानून बना रहे हैं। उनमें से 170 सांसद ऐसे हैं, जिनके खिलाफ बलात्कार, हत्या, हत्या की कोशिश, अपहरण, फिरौती और महिला संबंधी गंभीर अपराध दर्ज हैं, अदालत में तारीखें पड़ रही हैं, लेकिन उन्हें तो साल-दर-साल जेल की सजा नहीं सुनाई गई! यह कैसा लोकतंत्र है? क्या देश में दोगली न्यायिक व्यवस्था है? इन पांच सालों में कमोबेश यह ही स्पष्ट कर दिया गया होता कि इन नौजवानों के अपराध क्या हैं? उनकी पढ़ाई बर्बाद हो रही है, करियर नष्ट हो रहा है, ऐसे नौजवानों को देश की ताकत बनाया जाना चाहिए था। देश में ऐसा कौन-सा राज्य या शहर है, जहां भयावह दंगे नहीं हुए हों, पत्थर, लाठी-डंडे-तलवार नहीं चले, आगजनी नहीं की गई, सांप्रदायिकता का जहर नहीं फैलाया गया! भारत तो मानसिक तौर पर ही दंगों का देश है। हमारा सरोकार सिर्फ इतना है कि सरकार बदलना कोई अपराध नहीं है और वह भी यूएपीए के तहत...! संसद में विपक्षी सांसद सवाल पूछते हैं, अविश्वास प्रस्ताव दिए जाते हैं, सरकार के प्रति अविश्वास जताने वाले नोटिस दिए जाते हैं, लोकतंत्र में पूरी राजनीति और मुखालफत सरकार बदलने के मद्देनजर ही की जाती रही है। क्या वे सभी 'अपराधी' हैं? यदि आरोपित नौजवान देश के खिलाफ युद्ध जैसे हालात बनाते, सरकार के पतन की साजिश रचते, विध्वंस की बर्बादियां सामने आतीं, नरसंहार किए जाते, तो बेशक ये ऐसे अपराध माने जाते, जिसमें यूएपीए लागू किया जाता और आतंकियों, देशद्रोहियों को जेल में डाला जाता!

सर्वोच्च अदालत ही कई मौकों पर टिप्पणी कर चुकी है कि एक आरोपित को लंबे वक्त तक, महज आरोपों के आधार पर ही, जेल में कैद रखना भी 'अवैध' है। फिर ये शिक्षित नौजवान जमानत पाने से वंचित क्यों हैं? चूंकि वे मुसलमान हैं, लिहाजा आतंकी या दंगई भी होंगे, यह कोई मानदंड नहीं है। वे जेल में बंद रहेंगे, सिर्फ यूएपीए के प्रावधानों के कारण...! दुर्भाग्य और विडंबना है। ऐसा कानून देश के नागरिक से बड़ा और महत्वपूर्ण नहीं हो सकता। इसे संशोधित किया जाना चाहिए। बहरहाल लोकतंत्र में सरकार बदलना अथवा एक समानांतर जनमत तैयार करना कोई संवैधानिक गुनाह नहीं है। सरकार के साथ संसद सबसे महत्वपूर्ण संस्था है। 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' के मुताबिक, करीब 46 फीसदी, यानी 251, सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं, लेकिन वे जेल के बजाय संसद में मौजूद हैं और देश के लिए कानून बना रहे हैं। उनमें से 170 सांसद ऐसे हैं, जिनके खिलाफ बलात्कार, हत्या, हत्या की कोशिश, अपहरण, फिरौती और महिला संबंधी गंभीर अपराध दर्ज हैं, अदालत में तारीखें पड़ रही हैं, लेकिन उन्हें तो साल-दर-साल जेल की सजा नहीं सुनाई गई।

कुछ अलग

नेता की रेवड़ी, जनता का भरोसा

नेताजी अपने इलाके में बहुत लोकप्रिय हैं। कोई भी ऐरा गैरा नत्थू खैरा उनके घर से खाली नहीं लौटता। सबको आश्वासन की रेवड़ी मिलती है। लॉलीपॉप मिलता है। आइसक्रीम मिलती है। उसे चाटते हुए जब कोई भी आगंतुक नेताजी से मिलकर उनके घर से बाहर आता है तो उसका सीना 55 इंच का हो जाता है। यही नेताजी का करिश्मा है। उनके लॉलीपॉप, आइसक्रीम और रेवड़ी का कमाल है। नेताजी भी अभी तक कमाल करते आए हैं और उन्होंने कोई भी इलेक्शन हारा नहीं है। उनका सबसे बड़ा रिकॉर्ड यह है कि हर इलेक्शन उन्होंने नई पार्टी के सिंबल पर लड़ा है और पुरानी पार्टी को कोसते हुए, नए चमत्कार का ऐलान करते हुए इलेक्शन जीता भी है। इसे नेताजी के ग्रहों की चाल कहें, उनकी कैलकुलेशन कहें, या फिर उनकी किस्मत कहें, नेताजी ने राजनीति में एक नया इतिहास बना दिया है। उनकी लोकप्रियता का जादू सिर चढ़कर बोलता है और हर पार्टी के वर्कर के सिर चढ़कर बोलता है क्योंकि क्या पता कौनसा इलेक्शन नेता जी किस राजनीतिक दल के बैनर तले लड़ लें। इसलिए हर दल के कार्यकर्ताओं में उनकी पैठ है और हर दल के साथ उनकी ट्यूनिंग है। अब नेताजी की खासियत देखिए, उनके घर के बाहर एक छोटा-सा नोटिस बोर्ड लगा हुआ है, जिस पर लिखा है, 'भरोसा यहां मुफ्त है, जितना चाहो ले जाओ।' भरोसा लेने पर कोई पर्ची नहीं कटती। क्योंकि नेताजी की रेवड़ी की कोई एक्सपायरी डेट नहीं होती। वो हर चुनाव तक चलती है। फर्क बस इतना होता है कि हर चुनाव में रैपर बदल जाता है। नेताजी का आसन भी बड़ा दिलचस्प है।

पूरा विश्व ही भारत की ओर आशाभारी नजरों से देख रहा है और तीसरे आर्थिक मॉडल की तलाश कर रहा

पूरे विश्व में भारतीय आर्थिक दर्शन को लागू करने का समय अब आ गया है

प्रहलाद सबनानी

आज विश्व के सबसे अधिक विकसित देश अमेरिका में भी मुद्रा स्फीति, बेरोजगारी, ऋण की राशि का असहनीय स्तर पर पहुंच जाना, विदेशी व्यापार में लगातार बढ़ता घाटा, नागरिकों के बीच आय की असमानता का लगातार बढ़ते जाना (अमीर नागरिक और अधिक अमीर हो रहे हैं एवं गरीब नागरिक और अधिक गरीब हो रहे हैं), बजट में वित्तीय घाटे का लगातार बढ़ते जाना एवं इन आर्थिक समस्याओं के चलते देश में सामाजिक ताने बाने का छिन्न भिन्न होना, जैसे, जेलों की पूरी क्षमता का उपयोग और इन जेलों में कैदियों के रखने लायक जगह की कमी होना, तलाक की दर में बेतहाशा वृद्धि होना, मकान की अनुपलब्धि के चलते बुजुर्गों का खुले में पार्कों में रहने को मजबूर होना, आदि ऐसी कई प्रकार की आर्थिक एवं सामाजिक समस्याएं दिखाई दे रही हैं। उक्त समस्याओं के चलते ही अब अमेरिकी अर्थशास्त्रियों द्वारा खुले रूप से कहा जाने लगा है कि साम्यवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं के असफल होने के उपरांत अब पूंजीवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं के भी असफल होने का खतरा मंडराने लगा है, और यह अब कुछ वर्षों की ही बात शेष है।

आज वैश्विक स्तर पर कई देशों में विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याएं दिखाई दे रही हैं, जिनका हल ये देश निकाल नहीं पा रहे हैं। आज विश्व के सबसे अधिक विकसित देश अमेरिका में भी मुद्रा स्फीति, बेरोजगारी, ऋण की राशि का असहनीय स्तर पर पहुंच जाना, विदेशी व्यापार में लगातार बढ़ता घाटा, नागरिकों के बीच आय की असमानता का लगातार बढ़ते जाना (अमीर नागरिक और अधिक अमीर हो रहे हैं एवं गरीब नागरिक और अधिक गरीब हो रहे हैं), बजट में वित्तीय घाटे का लगातार बढ़ते जाना एवं इन आर्थिक समस्याओं के चलते देश में सामाजिक ताने बाने का छिन्न भिन्न होना, जैसे, जेलों की पूरी क्षमता का उपयोग और इन जेलों में कैदियों के रखने लायक जगह की कमी होना, तलाक की दर में बेतहाशा वृद्धि होना, मकान की अनुपलब्धि के चलते बुजुर्गों का खुले में पार्कों में रहने को मजबूर होना, आदि ऐसी कई प्रकार की आर्थिक एवं सामाजिक समस्याएं दिखाई दे रही हैं। उक्त समस्याओं के चलते ही अब अमेरिकी अर्थशास्त्रियों द्वारा खुले रूप से कहा जाने लगा है कि साम्यवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं के असफल होने के उपरांत अब पूंजीवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं के भी असफल होने का खतरा मंडराने लगा है, और यह अब कुछ वर्षों की ही बात शेष है। उक्त समस्याओं के हल हेतु अब पूरा विश्व ही भारत की ओर आशाभारी नजरों से देख रहा है और तीसरे आर्थिक मॉडल की तलाश कर रहा है। भारतीय आर्थिक दर्शन का वर्णन चारों वेद (ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद एवं अथर्ववेद), 18 पुराण, उपनिषद, विदुरनीति, कौटिल्य अर्थशास्त्र, थिरुवल्लुवर, मनुस्मृति, शुक्रनीति, डॉक्टर एम जी बोकारे द्वारा लिखित हिंदू अर्थशास्त्र, श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी द्वारा रचित पुस्तक "थर्ड वे" आदि शास्त्रों एवं धार्मिक पुस्तकों में मिलता है। इस प्रकार भारतीय आर्थिक दर्शन की जड़ें सनातन हिंदू संस्कृति से जुड़ी हुई हैं। भारतीय आर्थिक दर्शन की नीतियों का अनुपालन करते हुए ही प्राचीन काल में भारत में विभिन्न राजाओं द्वारा अपने अपने राज्यों की अर्थव्यवस्था सफलतापूर्वक चलाई जाती रही है। भारतीय आर्थिक दर्शन में "विपुलता के सिद्धांत" की व्याख्या मिलती है जिसके अनुसार, बाजार में वस्तुओं की आपूर्ति सदैव ही मांग से अधिक रहती थी। इस सिद्धांत के चलते चूंकि उत्पादों की बाजार में पर्याप्त आपूर्ति रहती थी अतः वस्तुओं के बाजार भाव में वृद्धि नहीं दिखाई देती थी, अतः भारत में प्राचीनकाल में मुद्रा स्फीति की समस्या सर्वथा, थी ही नहीं। जबकि, आज विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रा स्फीति की समस्या सबसे बड़ी समस्या है जिसका हल निकालने में ये देश सक्षम नहीं दिखाई दे रहे हैं। विपुलता के सिद्धांत के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में ही विभिन्न उत्पादों का उत्पादन किया जाकर स्थानीय हाट बाजार में इन उत्पादों का विक्रय किया जाता था, जिससे स्थानीय स्तर पर ही स्वावलम्बन का भाव जागृत होता था। कुछ इलाकों में 40/50 गांवों के बीच साप्ताहिक हाट की व्यवस्था विकसित की गई

थी। इन साप्ताहिक हाटों में लगभग सभी प्रकार के उत्पादों का विक्रय किया जाता था। चूंकि स्थानीय स्तर पर निर्मित विभिन्न उत्पादों की पर्याप्त मात्रा में बाजार में उपलब्धि रहती थी, अतः इन उत्पादों की कीमतें भी अपने आप ही नयंत्रित रहती थीं और इस प्रकार प्राचीन भारत में मुद्रा स्फीति के स्थान पर घटते हुए मूल्य के अर्थशास्त्र का वर्णन मिलता है। पूरे विश्व में, इस संदर्भ में, वर्तमान स्थिति भारतीय आर्थिक दर्शन के ठीक विपरीत दिखाई देती है जो किसी भी स्थिति में उचित नहीं कही जा सकती है। दरअसल, मुद्रा स्फीति का सबसे बुरा असर गरीब वर्ग पर पड़ता है और आज वैश्विक स्तर पर उत्पादन इकाईयां विभिन्न वस्तुओं की बाजार में आपूर्ति को विपरीत रूप नियंत्रित करती हैं ताकि इन उत्पादों की बाजार में कीमत बढ़ सके एवं इन उत्पादन इकाईयों के लाभ में वृद्धि दर्ज हो सके। पूंजीवाद पर आधारित अर्थव्यवस्था में उत्पादन इकाईयों का मुख्य उद्देश्य ही अधिकतम लाभ कमाना होता है और इस मूल्य वृद्धि से समाज के गरीब एवं मध्यम वर्ग पर कितना बोझ बढ़ रहा है, इससे उन्हें कोई मतलब नहीं रहता है। प्राचीन भारत में मुद्रा स्फीति की समस्या इसलिए भी नहीं रहती थी क्योंकि प्राचीनकाल में भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार "प्रतिस्पर्धा के सिद्धांत" का अनुपालन सुनिश्चित होता था। ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले हाट बाजार में उत्पादों के विक्रेताओं के बीच में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा रहती थी। उत्पाद बेचने वाले स्थानीय विक्रेताओं की पर्याप्त संख्या रहती थी एवं साथ ही इनके बीच अपने अपने उत्पाद बेचने की प्रतिस्पर्धा रहती थी ताकि अपने अपने उत्पाद शीघ्र ही बेचकर वे अपने अपने ग्रामों में सूरज डूबने के पूर्व वापिस पहुंच सकें। इस प्रकार के कारणों के चलते कई बार तो विक्रेता अपने उत्पादों को सस्ते भाव में बेचना चाहता था अतः बाजार में उत्पादों के मूल्यों में कमी भी दिखाई देती थी। आज, वैश्विक स्तर पर निगमित क्षेत्र में कार्यरत कम्पनियों के बीच आपसी प्रतिस्पर्धा तो एक तरह से दिखाई ही नहीं देती है बल्कि वे आपस में मिलकर उत्पादक संघ (कार्टेल) का निर्माण कर लेती हैं और इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों के बाजार मूल्यों को अपने पक्ष में नियंत्रित किया जाता हैं ताकि वे इन उत्पादों के व्यापार से अपने लिए अधिकतम लाभ का अर्जन कर सकें। इस पूंजीवादी नीति से इन कम्पनियों की लाभप्रदता में तो वृद्धि होती है परंतु आम नागरिकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। अतः उक्त पूंजीवादी आर्थिक नीति के चलते आम नागरिकों पर निर्मित होने वाले आर्थिक दबाव को कम करने की दृष्टि से विक्रेताओं द्वारा लाभ अर्जन के संदर्भ में भी भारतीय आर्थिक दर्शन के नियमों का अनुपालन किया जा सकता है। भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, "मूल्य सिद्धांत" के अंतर्गत, विक्रेता द्वारा स्वयं के द्वारा निर्मित वस्तु की उत्पादन लागत पर 5 प्रतिशत की दर से लाभ जोड़कर उस वस्तु का विक्रय मूल्य तय किया जाना चाहिए एवं यदि उस वस्तु का निर्यात किसी अन्य देश को किया जा रहा है तो उस वस्तु के उत्पादन लागत पर 10 प्रतिशत की दर से लाभ जोड़कर उस वस्तु का विक्रय मूल्य तय किया जाना चाहिए। इस नीति के अनुपालन से प्राचीन भारत में विभिन्न उत्पादों के बाजार मूल्य लम्बे समय तक स्थिर रहते थे एवं इनके मूल्यों में वृद्धि लगभग नहीं के बराबर दिखाई देती थी। आज पूंजीवादी नीतियों के अंतर्गत विभिन्न उत्पादों के विक्रय मूल्यों पर किसी भी प्रकार का नियंत्रण नहीं है। विशेष रूप से दवाईयों के मूल्य के सम्बंध में नीति का उल्लेख यहां किया जा सकता है। केन्सर एवं दिल की बीमारी से सम्बंधित दवाईयों के बाजार मूल्य लाखों रुपयों में तय किए जाते हैं क्योंकि इन दवाईयों को बेचने का एकाधिकार "पैटेंट कानून" के अंतर्गत केवल इन दवाईयों का उत्पादन करने वाली कम्पनियों के पास रहता है। केवल लाभ कमाना ही इन कम्पनियों का मुख्य उद्देश्य है, जबकि सनातन हिंदू संस्कृति में किसी अस्वस्थ नागरिक को दवाई उपलब्ध कराने का कार्य सेवा कार्य की श्रेणी में रखा गया है। उक्त वर्णित दवाईयों की बाजार में उपलब्धता बढ़ाकर एवं इन दवाईयों के विक्रय मूल्य को नयंत्रित रखकर कई जीवन बचाए जा सकते हैं। परंतु, पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के अंतर्गत तो लाभ कमाना ही मुख्य उद्देश्य है। आज विश्व के कई देशों में बेरोजगारी की समस्या विकराल रूप धारण करती हुए दिखाई दे रही है एवं इन देशों के पास बेरोजगारी की समस्या को हल करने का कोई उपाय भी सूझ नहीं रहा है। भारत के प्राचीन ग्रंथो में बेरोजगारी की समस्या के संदर्भ के किसी प्रकार का जिक्र भी नहीं मिलता है। "स्वयं के नियोजन के सिद्धांत" का अनुपालन करते हुए उस समय पर विभिन्न परिवारों द्वारा स्थापित अपने उद्यमों को ही आगे आने वाली पीढ़ी आगे बढ़ाती जाती थी, इससे युवाओं में "नौकरी" करने का प्रचलन भी नहीं था। अपने पारम्परिक व्यवसाय में ही युवा पीढ़ी रत हो जाती थी अतः बेरोजगारी की समस्या भी बिलकुल नहीं पाई जाती थी। आज पूंजीवादी व्यवस्था के अंतर्गत कोरपोरेट जगत की स्थापना के चलते नागरिकों में "नौकरी" का भाव जागृत किया गया है। आज प्रत्येक युवा नौकरी की कतार में लगा हुआ दिखाई देता है, लगभग 30 वर्ष की आयु होते होते जब उसे उसकी चाहत के अनुसार नौकरी नहीं मिल पाती है तो वह अपने जीवन के लिए समझौता कर लेता है और किसी भी संस्थान में किसी भी प्रकार की नौकरी करने को मजबूर हो जाता है।

देश दुनिया से

सुरक्षा को देश के अंदर से भी बड़ा खतरा

देश की हजारों किलोमीटर की सीमा कई देशों से लगती है जिनमें चीन, म्यांमार, पाकिस्तान और बांग्लादेश ऐसे हैं जहां से हमारे लिए खतरा है। इन सीमाओं की रक्षा के लिए कहीं तो भारतीय सेना है और कहीं सीमा सुरक्षा बल मजबूती से तैनात है। लेकिन एक नई समस्या सिर उठा रही है और वह है आंतरिक। यानी दुश्मन हमें भीतर से कमजोर करना चाहता है। इसके तहत सीमावर्ती इलाकों में वह अपने लोग तो बसा ही रहा है, हमारे इलाकों में कई तरह के ढांचे तैयार करवाने की कोशिश कर रहा है। भारत के सामने समस्या यह है कि उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में कठिन जीवन होने के कारण वहां से बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है और कई महत्वपूर्ण जगहों पर तो स्थानीय निवासी हैं ही नहीं। उत्तराखंड में तो यह बहुत बड़ा सिरदर्द है जहां 275 किलोमीटर की सीमा चीन से लगती है। वहां के गांवों में बड़े स्तर पर पलायन के कारण वहां सन्नाटा है और दुश्मन के लिए मौका है। इसी तरह का खतरा पंजाब और बंगाल में है जहां दुश्मन बहुत सक्रिय है। बांग्लादेश से लगती बंगाल, त्रिपुरा और असम के सीमावर्ती इलाकों में तो डेमोग्राफिक बदलाव देखे जा रहे हैं। वहां सीमा पर धार्मिक ढांचे भी बनाए जा रहे हैं जिससे सीमा की सुरक्षा को खतरा है। इन राज्यों में बड़े पैमाने पर बांग्लादेशियों और यहां तक कि रोहिंग्याओं की घुसपैठ होती रही है और इन्हें इन धार्मिक स्थानों में शरण तक मिल जाती है। यह खतरे की घंटी है क्योंकि इससे हमारी सीमाएं असुरक्षित हो जाती हैं। इसे ध्यान में रखकर ही गृह मंत्रालय ने बंगाल सहित सत्रह राज्य सरकारों को पत्र लिखा है और उनसे फौरन कार्रवाई करने को कहा है। इतना ही नहीं, गृह मंत्री अमित शाह ने बांग्लादेश, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान वगैरह देशों से सटे राज्यों की सरकारों को कहा है कि वे सीमा के अंदर 30 किलोमीटर तक बने अवैध धार्मिक ढांचों को गिरा दें। दरअसल आसन्न खतरे को देखते हुए भारत सरकार और गृह मंत्रालय ने अपनी नीति में अग्रसक्रिय यानी पहले ही सक्रिय हो जाने की नीति अपनाई है, ताकि किसी तरह की विपरीत समस्या से मुकाबला करने का अवसर न आए। डेमोग्राफिक चेंज यानी जनसांख्यिकीय बदलाव देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बहुच बड़ा खतरा है। ऐसा जानबूझकर किया जा रहा है और यह स्वाभाविक रूप से नहीं हुआ है। इससे दुश्मन को मदद मिल सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले के प्राचीर से देश को संबोधित करते हुए यह मुद्दा उठाया था और कहा था कि सीमावर्ती राज्यों में एक साजिश के तहत जनसांख्यिकीय बदलाव किया जा रहा है। यह देश की सुरक्षा को बड़ा खतरा है। इसका मुकाबला करने के लिए प्रधानमंत्री ने उच्च अधिकार वाले जनसांख्यिकी बदलाव मिशन तैयार करने की घोषणा भी की ताकि स्थानीय आबादी को बाहर वालों से बदलने की साजिश को रोका जा सके। इस कार्य को करने के लिए दो दिनों का वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम वर्कशॉप किया गया। इसमें

भारत के सामने समस्या यह है कि उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में कठिन जीवन होने के कारण वहां से बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है और कई महत्वपूर्ण जगहों पर तो स्थानीय निवासी हैं ही नहीं। उत्तराखंड में तो यह बहुत बड़ा सिरदर्द है जहां 275 किलोमीटर की सीमा चीन से लगती है। वहां के गांवों में बड़े स्तर पर पलायन के कारण वहां सन्नाटा है और दुश्मन के लिए मौका है। इसी तरह का खतरा पंजाब और बंगाल में है जहां दुश्मन बहुत सक्रिय है। बांग्लादेश से लगती बंगाल, त्रिपुरा और असम के सीमावर्ती इलाकों में तो डेमोग्राफिक बदलाव देखे जा रहे हैं। वहां सीमा पर धार्मिक ढांचे भी बनाए जा रहे हैं जिससे सीमा की सुरक्षा को खतरा है।

गृह मंत्री ने जिला कलेक्टरों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने जिलों में सीमा से 30 किलोमीटर तक के अवैध धार्मिक ढांचों को ढहा दें। ऐसा करना प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप होगा। यह रणनीतिक कदम समस्या खड़ी होने से पहले ही उठा लिया जाए। जीवंत गांव कार्यक्रम यानी वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम तीन बिंदुओं पर आधारित है। पहला तो यह है कि सीमावर्ती राज्यों से स्थानीय पलायन रोका जाए। उत्तराखंड में यह स्थिति बहुत ज्यादा देखने में आ रही है। दूसरी बात यह है कि सीमावर्ती राज्यों के निवासियों को केन्द्र तथा राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों का शत-प्रतिशत लाभ मिले। तीसरा यह है कि इस प्रोग्राम के तहत सीमा और उसकी सुरक्षा को और मजबूत करने के उपाय किए जाएं। इस कार्यक्रम के तहत पहले से चिन्हित गांवों को जल्दी ही राष्ट्रीय और सीमा सुरक्षा के केन्द्र में लाया जाएगा। सरकार वहां इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देगी। साथ ही वहां की संस्कृति को बनाए रखने में मदद करेगी। इन इलाकों में पर्यटन के जरिये रोजगार सृजित किए जाएंगे। अरुणाचल प्रदेश में तो इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन के बाद से कई सीमावर्ती गांवों में जनसंख्या में बढ़ोतरी भी हुई है। इस जीवंत गांव कार्यक्रम का केन्द्र सरकार ने पूरी तरह से वित्त पोषण किया है, जिसके जरिये विकसित भारत 2047 विजन को साकार किया जा सके और हमारे सीमावर्ती क्षेत्र सुरक्षित और जीवंत रहें। सरकार ने इस कार्यक्रम के तहत इन इलाकों के लिए धन का बड़े पैमाने पर आवंटन भी किया है। इन पर कुल 6839 करोड़ रुपए का खर्च करने की योजना बनाई गई है। यह धन अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के उन गांवों पर 2028-29 तक खर्च किया जाएगा जिनकी रणनीतिक भूमिका है। केन्द्र सरकार सुधार, निष्पादन और परिवर्तन के मंत्र को लेकर चल रही है ताकि देश के सुरक्षातंत्र को मजबूत किया जा सके। सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सीमावर्ती क्षेत्रों को अतिक्रमण तथा अवैध निर्माण से बचाने का काम सतत चलता रहेगा क्योंकि यह उसकी संपूर्ण सुरक्षा रणनीति का मुख्य तत्व है। सरकार इस तथ्य को अच्छी तरह से समझ रही है कि देश की बाह्य सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा दोनों पर एक साथ जोर दिए बगैर बात नहीं बनेगी। एक के बिना दूसरा अधूरा है। भारतीय सेना दुनिया की सबसे मजबूत सेनाओं में से है और उसे आमने-सामने की लड़ाई में हराना नामुमकिन है। इसलिए दुश्मन नए-नए तरीके अपनाता है और आंतरिक सुरक्षा पर चोट पहुंचाना उसका नया शस्त्र है। यह धीमे-धीमे और स्थानीय लोगों की अनुपस्थिति में किया जा सकता है जैसा कुछ इलाकों में देखने में आया है जहां जनसांख्यिकी बदलाव हुए हैं। इस तरह के बदलावों के दूरगामी असर होते हैं। लेकिन भारत सरकार और गृह मंत्रालय चौकन्ना है और ऐसा नहीं होने देगा। उसने इस दिशा में ठोस कदम उठाना शुरू कर दिया है।

आप का नजरिया

नई इमारतों का शौर्य पथ

जिस विकास के मॉडल पर हिमाचल की राजनीति होती रही है, उसकी हकीकत में अब झांकने की जरूरत है। वर्तमान सुक्खू सरकार ने आते ही झांका तो कितने ही स्कूल-कालेज अप्रासंगिक हो गए और अब तकनीकी शिक्षा विभाग की सात इमारतें आठ साल से बेकार पड़ी हैं। जाहिर है 123 करोड़ की लागत की शून्यता में जश्न मनाने वालों को रहम नहीं आया होगा या राजनीति का क्षेत्रवाद सिर्फ भवनों के निर्माण में अपनी सुर्खियां बचाना चाहता रहा होगा। यह एक छोटा सा निर्माण ऑडिट सकता है, लेकिन इसकी व्यापकता में जाएंगे, तो हर विधानसभा क्षेत्र में ऐसे कई अप्रासंगिक, अधूरे या संकल्पहीन चबूतरे नजर आएंगे। आश्चर्य यह कि हम योजनाएं-परियोजनाएं हिमाचल की संपूर्णता, जरूरतों, क्षमता और संभावना के बजाय, सत्ता की सरपरस्ती में निर्माण से व्यक्तिगत निर्माण की अभिलाषा रखती हैं। यहां विकास के दुर्गों में बर्बाद होता है राज्य का बजट और जनता भी खुद को सियासी नौटंकी में शरीक कर लेती है। अगर हिमाचल निर्माण के खोखलेपन को देखें, तो पता चलेगा कि हमने पर्यटन परियोजनाओं के खाके में कितने सरकारी होटलों को निकम्मा बना दिया। नूरपुर के पर्यटन इतिहास में दो इकाइयां खुल कर अप्रासंगिक हो चुकी हैं। बैजनाथ के ऐतिहासिक महत्त्व में पर्यटन इकाई चकनाचूर हो चुकी है, तो इस कबाड़ के सोच में सारा सियासी कुनबा शामिल रहा। इमारतें पहले भी दोषी नहीं थी, लेकिन इनकी नींव रखने के इरादे मतलबी थे। अब भी हिमाचल निर्माण से नजर गुजार दी जाए, तो पता चलेगा कि ईंट-पत्थर से खेलने वाले नेता कितना गारा इकट्ठा कर रहे हैं। कितने हाट बाजार दफन हो गए, फल एवं सब्जी विपणन केंद्र अपाहिज और पशु डिस्पेंसरियां अकालग्रस्त हो गईं। हर सत्ता को नई ईंटें चाहिएं ताकि शिलान्यास से उद्घाटन तक के खेले में भावनाओं का समंदर खोजा जाए। आश्चर्य तो यह भी कि कहीं बिना इमारतों के भी किराये के बाजार में सरकारी कार्यालयों की डफली बजाई जाती है, तो कहीं अधूरे भवनों की बुनियाद उखाड़ी जाती है। ऐसे में विकास के मॉडल का निर्माण करना होगा। हैरत तो यह कि अब विधानसभा क्षेत्रों के प्रवेश द्वारों पर राजनीतिक द्वार उभर रहे हैं। कुछ ऐसे स्तंभ बनाए जा रहे हैं कि जनता सीमेंट के शेर देखने लगी है। चिंतपूर्णी से देहरा तक की सड़क का निर्माण और उस पर बिछती कोलतार की मोटी तह की करामात देखें, तो हर महीने आठ-दस दुर्घटनाएं पर्यटन को घायल कर देती हैं। क्या हम ढलियारा फॉल्ट को दूर नहीं कर सकते। हमें बस डिपो चाहिए या बसों के कुशल संचालन की गारंटी। पर्यटक स्थलों की क्षमता में बस स्टैंड की सूरत कहां देखी जाए। सूखे खेत की मेढ़ पर सिंचाई की पाइप कब आएगी। हम स्मार्ट मीटरों की खेप में कब गारंटी देंगे कि विद्युत आपूर्ति किसी बच्चे के इंटरनेट को बंद नहीं होने देगी। क्या हम शिमला, चंबा, नाहन या मंडी जैसे ऐतिहासिक शहरों की तर्ज पर अपने धरोहर शहर बसा पाए। आजादी के बाद एक भी हिल स्टेशन नहीं बना पाए, लेकिन लाखों टन सीमेंट का सुरमा डाल कर मनमर्जी की इमारतें, मनमर्जी के ठेकेदारों से बनाते रहे। हमें हर तरह का विकास, हर विधानसभा क्षेत्र में चाहिए, इसलिए प्रवासी पक्षी देखने हों तो नगरोटा सूरियां में जा सकते, लेकिन बर्ड वॉच टावर हम धमेटा की फिजाओं में खड़ा कर देते हैं। हमारा क्या है, हम कहीं भी नया क्लाक टावर लगा दें, भले ही नाहन का दिल्ली गेट अपनी ऐतिहासिक बेहतरी को तरस जाए। क्योंकि हमें नई ईमारतों का शौर्य चाहिए, इसलिए सुजानपुर के ऐतिहासिक मैदान की इतनी कतरबयौंत कर देंगे कि वहां हर आंख में सीमेंट और सरिया चुभेगा। बात सिर्फ बेकार इमारतों की नहीं, इस्तेमाल आ रहे नए भवनों की मरम्मत और देखरेख की भी करें। कितने ही सरकारी भवनों पर पेड़, फूलों की क्यारियों में झाड़ियां, पार्किंग में आवारा पशु और कोरिडोर में कूड़े के ढेर देखे जा सकते हैं। किसी भी मेडिकल कालेज, जिला के प्रमुख दफ्तरों की यह हैसियत नहीं कि आगंतुक को साफ-सुथरा टॉयलट और स्वच्छ पीने का पानी उपलब्ध करा दे।

आश्चर्य यह कि हम योजनाएं-परियोजनाएं हिमाचल की संपूर्णता, जरूरतों, क्षमता और संभावना के बजाय, सत्ता की सरपरस्ती में निर्माण से व्यक्तिगत निर्माण की अभिलाषा रखती हैं। यहां विकास के दुर्गों में बर्बाद होता है राज्य का बजट और जनता भी खुद को सियासी नौटंकी में शरीक कर लेती है। अगर हिमाचल निर्माण के खोखलेपन को देखें, तो पता चलेगा कि हमने पर्यटन परियोजनाओं के खाके में कितने सरकारी होटलों को निकम्मा बना दिया। नूरपुर के पर्यटन इतिहास में दो इकाइयां खुल कर अप्रासंगिक हो चुकी हैं। बैजनाथ के ऐतिहासिक महत्त्व में पर्यटन इकाई चकनाचूर हो चुकी है, तो इस कबाड़ के सोच में सारा सियासी कुनबा शामिल रहा। इमारतें पहले भी दोषी नहीं थी, लेकिन इनकी नींव रखने के इरादे मतलबी थे। अब भी हिमाचल निर्माण से नजर गुजार दी जाए, तो पता चलेगा कि ईंट-पत्थर से खेलने वाले नेता कितना गारा इकट्ठा कर रहे हैं। कितने हाट बाजार दफन हो गए, फल एवं सब्जी विपणन केंद्र अपाहिज और पशु डिस्पेंसरियां अकालग्रस्त हो गईं। हर सत्ता को नई ईंटें चाहिएं ताकि शिलान्यास से उद्घाटन तक के खेले में भावनाओं का समंदर खोजा जाए।

दृष्टि कोण

इसरो का बाहुबली: विज्ञान और संकल्प की उड़ान

इसरो 'गगनयान मिशन' की तैयारी कर रहा है, जिसके तहत इंसान को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भारत 2035 तक अपना खुद का अंतरिक्ष स्टेशन बनाने और 2040 तक चंद्रमा पर भारतीय भेजने की योजना बना रहा है। इसरो का बाहुबली: विज्ञान और संकल्प की उड़ान इसरो ने अपने सबसे भारी संचार उपग्रह सीएमएस-03 (जीसैट 7 आर) को एलवीएम3- एम5 रॉकेट के माध्यम से श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष वेंद्र से 02 नवंबर 2025 को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया है, जिसे 'बाहुबली रॉकेट' (43.5 मीटर ऊंचा और करीब 640 टन वज़नी एलवीएम-3 रॉकेट) नाम दिया गया है। उल्लेखनीय है कि इसरो ने 2019 में नौसेना के लिए इस उपग्रह के विकास के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे, जो 2013 में प्रक्षेपित किए गए जीसैट- 7 रुक्मिणी की जगह लेगा। यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस रॉकेट में दो एस-200 ठोस बूस्टर, एल-110 द्रव ईंधन वाला कोर स्टेज और सी-25 क्रायोजेनिक इंजन लगा है, जो इसे भारत का सबसे शक्तिशाली लॉन्च वाहन बनाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह उपग्रह 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में एक सशक्त पहल है। दूसरे शब्दों में कहें तो जीसैट- 7आर परियोजना, भारत के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' अभियानों की भावना को साकार करती है। यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि सीएमएस-03 की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत अब भारी उपग्रहों के प्रक्षेपण में भी विश्व स्तरीय स्तर पर खड़ा हो चुका है, और भविष्य में यह क्षमता मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशनों तथा गहरे अंतरिक्ष अभियानों के लिए मजबूत आधार बनेगी। दूसरे शब्दों में कहें तो इस कामयाबी से इसरो को आगामी महत्वाकांक्षी अभियानों के लिए जरूरी आत्मविश्वास भी मिल सकेगा। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि यह मिशन भारत के लिए एक ऐतिहासिक कदम है, क्योंकि पहली बार इतनी भारी क्षमता वाला संचार

उपग्रह पूरी तरह स्वदेशी प्रक्षेपण यान से भूसामान्य स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में स्थापित किया गया। इस उपग्रह का वजन लगभग 4,410 किलोग्राम है, और यह भूसमकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में स्थापित किया गया है। ध्यातव्य है कि एलवीएम 3 रॉकेट को 'बाहुबली' के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि यह भारी वजन के उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजने की क्षमता रखता है। एलवीएम-3 रॉकेट की तीन चरणीय संरचना में दो ठोस रॉकेट बूस्टर एस-200, एक एल 110 और एक क्रायोजेनिक चरण सी-25 शामिल हैं। यह रॉकेट इसरो को 4,000 किलोग्राम से अधिक वजन वाले उपग्रहों को जीटीओ तक भेजने में सक्षम बनाता है, जिससे भारत को विदेशी देशों से उपग्रह प्रक्षेपण सेवाएं प्राप्त करने पर निर्भरता कम होती है। गौरतलब है कि इस रॉकेट के पिछले सफल मिशन में चंद्रयान-3 का प्रक्षेपण शामिल था, जिससे भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बना। बहरहाल, यदि हम यहां पर सीएमएस-03 उपग्रह की बात करें तो यह एक मल्टी-बैंड संचार उपग्रह है, जिसे भारत की संचार अवसंरचना बेहतर बनाने के लिए भेजा गया है। वास्तव में, यह उपग्रह कई सेवाओं के लिए किफायती और प्रभावी तरीके से जीटीओ में स्थित होगा, जिससे भारत की दूरसंचार और संचार सेवाओं में सुधार होगा। इसका उद्देश्य न केवल देश के दूरसंचार नेटवर्व सुदृढ़ करना है, बल्कि संचार सेवाओं की गुणवत्ता और विस्तार को बढ़ावा देना भी है।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

ट्रंप से मुलाकात के लिए सीरिया के राष्ट्रपति अल शरा पहुंचे अमेरिका, सोमवार को होगी मुलाकात

वाशिंगटन, 09 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी एतिहासिक मुलाकात के लिए सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा शनिवार को अमेरिका पहुंच गए हैं। अहमद अल-शरा सोमवार को राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात करेंगे।

समाचार एजेंसी सना के मुताबिक साल 1946 में देश की आजादी के बाद यह किसी सीरियाई राष्ट्रपति की पहली ऐसी यात्रा है। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् ने 7 नवंबर को सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा और उनकी सरकार के कुछ सदस्यों पर लगे प्रतिबंध हटाने के लिए अमेरिकी प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी।

नवंबर 2024 में विपक्षी ताकतों की अगुवाई करते हुए अहमद अल-शरा ने दशकों से शासन कर रहे बशर अल असद की सरकार को उखाड़ फेंका था।इसके साथ ही सीरिया में दशकों से चले आ रहे गृहयुद्ध का अंत हो गया। सीरिया की सत्ता पर काबिज हुए अहमद अल-शरा ने सितंबर में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया था। ट्रंप ने इसी साल मई में सऊदी अरब में अल-शरा से मुलाकात के बाद सीरिया पर दशकों से लगे आर्थिक प्रतिबंध हटाने की घोषणा की थी। अमेरिका ने 7 नवंबर को सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा को वैश्विक आतंकवादी सूची से हटा दिया। अमेरिकी ने अहमद अल-शरा के अतिरिक्त उनके संगठन हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) को भी विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) के दर्जे से हटा दिया।

गौरतलब है कि अहमद अल-शरा करीब 20 साल पहले वैश्विक आतंकी संगठन अलकायदा में शामिल होने के बाद साल 2005 में इराक में गिरफ्तार किया गया। साल 2011 में रिहा होने से पहले उसने छह साल अमेरिकी और इराकी जेलों में बिताए। इसके बाद अल-शरा ने सीरिया में अलकायदा से जुड़े संगठन का नेतृत्व किया और साल 2013 में अमेरिका ने उनके सिर पर एक करोड़ डॉलर का इनाम रखा था। हालांकि साल 2016 में अहमद अल-शरा ने खुद को अलकायदा से अलग कर लिया। नवंबर 2024 में अल-शरा ने विपक्षी ताकतों का नेतृत्व करते हुए असद शासन को उखाड़ फेंका।

न्यूज ब्रीफ

गलतफहमी की वजह से पति-पत्नी दो दशकों तक रहे अबोला

टोक्यो। जापान के नारा शहर के निवासी ओटौ कटायमा और उनकी पत्नी यूमी की जिंदगी एक गलतफहमी की वजह से नरक बन गई। दोनों पति-पत्नी बीस साल तक एक ही छत के नीचे रहे, साथ में खाना खाया, तीन बच्चों की परवरिश की, मगर गलतफहमी के कारण उन्होंने एक-दूसरे से एक शब्द तक नहीं कहा। यह अविश्वसनीय घटना अब दुनिया भर में चर्चा का विषय बनी हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ओटौ ने अचानक अपनी पत्नी से बात करना बंद कर दिया था। यूमी ने कई बार उनसे संवाद करने की कोशिश की, लेकिन ओटौ सिर्फ सिर हिलाकर या धीमी गुर्राहट में जवाब देते थे। उनके बच्चों को याद नहीं कि उन्होंने कभी अपने माता-पिता को सामान्य रूप से बातचीत करते देखा हो। हैरानी की बात यह थी कि उनके बीच न कोई झगड़ा हुआ था, न ही नफरत थी। सबकुछ सामान्य दिखता था, लेकिन ओटौ का मौन कभी नहीं टूटा। साल गुजरते गए, बच्चे बड़े हो गए। जब उनका सबसे छोटा बेटा हाई स्कूल पहुंचा, तो उसने इस चुप्पी की वजह जानने का निश्चय किया। उसने जापानी टीवी चैनल 'टीवी होक्काइडो' से संपर्क किया, ताकि परिवार को फिर से जोड़ा जा सके। चैनल ने दोनों की एक भावनात्मक मुलाकात की योजना बनाई उसी पार्क में, जहां वे युवावस्था में डेट पर जाया करते थे। 1 अक्टूबर को हुई इस मुलाकात को कैमरे में कैद किया गया, जबकि बच्चे और टीवी क्रू दूर से इस पल को देख रहे थे। शुरुआत में ओटौ पहले की तरह चुप रहे और आंखें मिलाने से बचते रहे, लेकिन कुछ मिनटों की खामोशी के बाद उन्होंने आखिरकार बोलना शुरू किया। उनकी आंखों में आंसू थे और उन्होंने 20 साल की चुप्पी की जो वजह बताई, उसने सबको भावुक कर दिया। ओटौ ने कबूल किया कि वे यूमी से इसलिए बात नहीं करते थे क्योंकि उन्हें ईर्ष्या होती थी उन्हें लगता था कि यूमी सारा ध्यान बच्चों पर देती हैं और उन्हें अब महत्व नहीं देतीं। धीरे-धीरे यह भावना नाराजगी और अहंकार में बदल गई, जिसने उनके रिश्ते में मौन की दीवार खड़ी कर दी।

रूस के वोलोग्दा शहर में लगा इवान द टेरिबल का 9 मीटर ऊंचा विशालकाय स्मारक

रूस। रूस के उत्तर-पश्चिमी शहर वोलोग्दा में ज़ार इवान चतुर्थ, जिन्हें इतिहास में इवान द टेरिबल के नाम से जाना जाता है, की 9 मीटर ऊंची कांस्य प्रतिमा स्थापित की गई है। यह प्रतिमा वोलोग्दा क्रेमलिन के पास क्रेमलेव्सकाया स्क्वायर पर लगाई गई है और इसका आधिकारिक अनावरण राष्ट्रीय एकता दिवस पर मंगलवार को किया जाएगा। इस प्रतिमा को प्रसिद्ध मूर्तिकार मिखाइल क्रासिल्निकोव ने बनाया है, जिन्होंने इससे पहले प्सकोव क्षेत्र के शहर वेलिकिये लुकी में सोवियत नेता जोसेफ स्टालिन की 8 मीटर ऊंची प्रतिमा भी डिजाइन की थी। यह पहल वोलोग्दा क्षेत्र के गवर्नर जॉर्जी फिलिमोनोव की थी, जिन्होंने इवान द टेरिबल को वोलोग्दा की सांस्कृतिक और प्रतीकात्मक पहचान बताया। उन्होंने कहा कि इवान ने शहर के प्रमुख स्थलों सेंट सोफिया कैथेड्रल और वोलोग्दा क्रेमलिन का भी निर्माण कराया था और इसे अपने शासन केंद्र के रूप में विकसित करने पर विचार किया था।

चीन की लैब बना रही है 'बुढ़ापा रोकने की दवा, - अंगूर के बीज से तैयार हो रही गोली

न्यूयॉर्क। दक्षिण चीन की लॉनवी बायोसाइंसेज नामक एक स्टार्टअप कंपनी ऐसी दवा विकसित करने में जुटी है जो इंसानों की उम्र बढ़ाने और बुढ़ापे की प्रक्रिया को धीमा करने में मदद कर सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, यह दवा अंगूर के बीज से निकाले गए प्राकृतिक यौगिक प्रोसाइनिडिन सी1 पर आधारित है। कंपनी के प्रमुख तकनीकी अधिकारी लियू किंगहुआ ने दावा किया है कि 150 वर्ष तक जीना अब केवल कल्पना नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले वर्षों में यह संभव होगा। शंघाई के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध में पाया गया कि यह यौगिक चूहों की उम्र बढ़ा सकता है, क्योंकि यह शरीर की उन सेनेसेंट कोशिकाओं (पुरानी और निष्क्रिय कोशिकाएं) को समाप्त करता है जो उम्र बढ़ने और बीमारियों का कारण बनती हैं।

ब्राजील और फिलीपींस में आंधी और बारिश से हुई भारी तबाही, उखड़ी सड़कें 6 की मौत

ब्रासीलिया, 09 नवंबर (एजेंसियां)।

ब्राजील में तेज आंधी और बारिश ने भारी तबाही मचाई है। दक्षिणी राज्य पराना में शुक्रवार देर रात तेज हवाओं और भारी बारिश के साथ आए तूफान ने भारी तबाही मचाई। उधर फिलीपींस में रविवार को फंग-वोंग सुपर टाइफून के कारण भारी बारिश, तेज हवाएं चलीं। इसके चलते फिलीपींस के पूर्वी और उत्तरी इलाकों से 1.5 लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया।

राज्य सरकार के अनुसार, इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है। सबसे ज्यादा नुकसान रियो बोनिटो डो इगुआकू शहर में हुआ। यहां आधे से अधिक घरों की छतें उड़ गईं, कई इमारतें ढह गईं, सड़कें बंद हो गईं और बिजली की लाइनें टूट गईं। इस हादसे में अब तक 437 लोग घायल हुए हैं। वहीं, लगभग 1000 लोग बेघर हो गए। मौसम विभाग के अनुसार हवा की गति 180 से 250 किलोमीटर प्रति घंटा तक थी। दूसरी ओर फिलीपींस में रविवार को फंग-वोंग सुपर टाइफून के कारण भारी बारिश, तेज हवाएं चलीं। इसके चलते फिलीपींस के पूर्वी और उत्तरी इलाकों से 1.5 लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। यहां ऊंची समुद्री लहरों के लिए चेतावनी जारी कर दी गई है। फिलीपींस के बड़े हिस्से में चेतावनी जारी कर दी गई हैं। जिनमें सिग्नल संख्या 5 (सबसे ऊंची चेतावनी है) दक्षिण-पूर्वी लूजोन में जारी की गई है। इसमें कैटनडुआनस और कैमरिन्स नॉर्टे और कैमरिन्स सुर के तटीय क्षेत्र शामिल हैं। वहीं, मेट्रो मनीला और आसपास के क्षेत्र सिग्नल संख्या 3 के अंदर हैं। तूफान की रफ्तार 185 किमी प्रति घंटा से 230 किमी प्रति घंटा है। यह रात तक मध्य लुजोन के औरोरा प्रांत में दस्तक दे सकता है। यहां भारी बारिश, तेज हवाएं और समुद्री लहरों का खतरा है। कई इलाकों में बिजली गुल हो चुकी है। 300 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। कुछ दिन पहले ही टाइफून कलमेगी ने फिलीपींस में 204 लोगों की जान ली थी और वियतनाम में 5 की मौत हुई थी।

ब्रिटेन का सबसे भूतिया होटल कहा जाता है 'जमैका इन' को

लंदन। ब्रिटेन के कॉर्नवॉल क्षेत्र में एक होटल है जमैका इन है जिसे यहां के लोग रहस्य और डर दोनों का प्रतीक मानते हैं। बॉडमिन मूर की ऊंचाई पर स्थित यह होटल लगभग 275 साल पुराना है और इसे ब्रिटेन का सबसे भूतिया होटल कहा जाता है। 1750 में बना यह इन कभी यात्रियों और घोड़ों के ठहरने की जगह हुआ करता था, लेकिन धीरे-धीरे यह तस्करों का अड्डा बन गया। इसकी सुनसान स्थिति और एकांत इलाका अवैध कारोबार के लिए बेहद अनुकूल साबित हुआ। कहा जाता है कि यहां चाय, ब्रांडी और रेशमी कपड़ों की तस्करी होती थी, जिन्हें ज़मीन के नीचे बने गुप्त कमरों में छिपाया जाता था। पुरानी लकड़ी की बीमों, संकरे गलियारों और मद्धम रोशनी से बना यह होटल आज भी रहस्यमय माहौल पैदा करता है। इसकी इसी भूतिया छवि ने प्रसिद्ध अंग्रेज लेखिका डैफ्ने डू मॉरियर को प्रभावित किया, जिन्होंने 1936 में अपने मशहूर उपन्यास जमैका इन की प्रेरणा यहीं से ली थी। बाद में महान निर्देशक अल्फ्रेड हिचकॉक ने इसी नाम से फिल्म भी बनाई, जो उनके ब्रिटेन में बनी अंतिम फिल्मों में से एक थी। इस फिल्म ने जमैका इन को विश्व प्रसिद्ध बना दिया और इसके रहस्य को और गहरा कर दिया। आज यह इन एक हेरिटेज होटल, पब और रेस्टोरेंट के रूप में काम करता है। यहां एक म्यूज़ियम भी है, जिसमें तस्करी के दौर और कथित भूतिया घटनाओं से जुड़ी वस्तुएं और कहानियां प्रदर्शित की गई हैं। स्थानीय लोग और पर्यटक इसे देखने दूर-दूर से आते हैं, लेकिन कुछ अनुभव ऐसे भी रहे हैं जिन्होंने इस जगह की रहस्यमयी छवि को और पुख्ता किया है। ट्रिपएडवाइजर पर कई लोगों ने अपने अनुभव साझा किए हैं। एक पर्यटक ने लिखा, दो रात का ठहराव अद्भुत था। दृश्य शानदार थे और इन का माहौल रहस्य से भरा हुआ था। लेकिन कुछ के अनुभव डराने वाले रहे। एक महिला पर्यटक ने दावा किया कि उसे आधी रात को अपने कमरे में किसी पुरुष की तेज सीटी सुनाई दी, जबकि उसके साथी ने साफ इनकार किया कि उसने ऐसा कुछ नहीं किया।

वीडियो वायरल: अब बांग्लादेश के रास्ते से भारत पर हमला कराएगा आतंकी हाफिज सईद

इस्लामाबाद, 09 नवंबर (एजेंसियां)।

आतंकियों ने एक बार फिर भारत को गीदड़भरी धमकी दी है। एक वायरल वीडियो में कहा जा रहा है कि हाफिज सईद अब बांग्लादेश के रास्ते भारत पर हमला करने की योजना बना रहा है। यह वीडियो 30 अक्टूबर को पाकिस्तान के खैरपुर तमीवाली में हुई रैली का बताया जा रहा है। लश्कर-ए-तैय्यबा के एक कमांडर सैफुल्लाह सैफ ने एक वीडियो में कहता सुना जा रहा है। वीडियो में लश्कर कमांडर सैफुल्लाह सैफ साफ बोलते दिख रहा है कि हाफिज सईद चुप नहीं बैठा है, वह बांग्लादेश के रास्ते भारत पर हमले की तैयारी कर रहा है। उसने दावा किया कि पूर्वी पाकिस्तान यानी बांग्लादेश में उसके लोग सक्रिय हैं और भारत को जवाब देने के लिए तैयार हैं। रैली के दौरान सैफुल्लाह ने बताया कि एक सहयोगी को बांग्लादेश भेजा गया है जो वहां स्थानीय युवाओं को जिहाद के नाम पर तैयार कर रहा है और उन्हें आतंक का प्रशिक्षण दे रहा है। बांग्लादेश अब एक तरह का लॉन्चपैड बनता जा रहा है, जिसका इस्तेमाल भारत के खिलाफ साजिशों के लिए किया जा सकता है। सैफुल्लाह ने अपने भाषण में पाकिस्तानी सेना की तारीफ भी की और कहा कि 9-10 मई की रात के बाद पाकिस्तान ने जवाब दिया, जबकि अमेरिका और बांग्लादेश भी कथित तौर पर पाकिस्तान के करीब आ रहे हैं - यह भी उनके दावे का हिस्सा रहा। वीडियो में बच्चों की मौजूदगी भी दिखाई देती है। सैफुल्लाह के भाषण के दौरान कई बच्चे भी मौजूद थे, जिससे यह संदेश गया कि कुछ आतंकी संगठन बच्चों को भी बड़ा-छोटा करके अपने एजेंडे के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं।

वीडियो के आधार पर यह आरोप लगाया जा रहा है कि पाकिस्तानी आतंकी संगठन बच्चों को जिहादी विचारों की तरफ मोड़ रहे हैं। ये सभी बातें फिलहाल सैफुल्लाह के दावों और एक वायरल वीडियो पर आधारित हैं। ऐसे गंभीर आरोपों की पुष्टि के लिए स्वतंत्र जांच और आधिकारिक पुष्टि की जरूरत है। वीडियो सामने आने के बाद सुरक्षा और विदेश नीति के स्तर पर कई सवाल उठ सकते हैं, इसलिए संबंधित एजेंसियों से जांच कराकर तथ्य सामने लाने की जरूरत है।

वेनेजुएला ने तूफान पीड़ित क्यूबा को भेजी 5,000 टन से अधिक मानवीय सहायता

कराकास। वेनेजुएला ने तूफान मेलिसा से प्रभावित क्यूबा के लोगों के लिए 5,000 मीट्रिक टन से अधिक मानवीय सहायता सामग्री भेजी है। बोलिवेरियन अलायंस फॉर द पीपल्स ऑफ आवर अमेरिका के कार्यकारी सचिव रैंडर पेना ने बताया कि यह सहायता राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के आदेश पर भेजी गई। पेना ने बताया कि यह मानवीय कार्गो खाद्य सामग्री, दवाइयां, घरेलू उपयोग की वस्तुएं और बच्चों के खिलौनों से भरा हुआ है। इसे जहाज के माध्यम से क्यूबा पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह सहायता वेनेजुएला की शांति, सहयोग और एकजुटता की भावना का प्रतीक है।इससे पहले 30 अक्टूबर को भी वेनेजुएला ने अपनी राष्ट्रीय एयरलाइन कॉनवियासा के जरिए क्यूबा को 26 मीट्रिक टन सहायता सामग्री भेजी थी। गौरतलब है कि कैटेगरी 5 के भीषण तूफान मेलिसा ने कैरेबियाई द्वीपों को गंभीर रूप से प्रभावित किया था। जमैका और हैती में इस तूफान से क्रमश: 30 और 40 लोगों की मौत हुई। क्यूबा के पूर्वी हिस्से में भी भारी नुकसान दर्ज किया गया, हालांकि वहां किसी की मौत की सूचना नहीं मिली है।

सऊदी को एफ-35 फाइटर जेट देने की तैयारी में ट्रंप, इजरायल में मची हलचल

तेल अवीव, 09 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका और सऊदी अरब के बीच एक ऐतिहासिक रक्षा समझौते की तैयारी चल रही है, जिसने पूरे पश्चिम एशिया की राजनीतिक और सैन्य हलचल को बढ़ा दिया है। अमेरिकी प्रशासन सऊदी अरब को 48 एफ-35 लाइटनिंग द्वद्व स्टील्थ फाइटर जेट्स बेचने की योजना पर गंभीरता से विचार कर रहा है। यह वही विमान हैं जिन्हें दुनिया का सबसे उन्नत लड़ाकू जेट माना जाता है, और जो अब तक केवल इजरायल के पास हैं। पेंटागन ने अरबों डॉलर के इस सौदे को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। अगर सब कुछ तय कार्यक्रम के अनुसार हुआ, तो सऊदी अरब एफ-35 खरीदने वाला पहला अरब देश बन जाएगा। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान इस महीने के अंत में अमेरिका दौरे पर जाने वाले हैं, जहां यह डील ट्रंप प्रशासन के साथ अंतिम चरण में पहुंच सकती है। यह डील मई 2025 में ट्रंप प्रशासन द्वारा सऊदी अरब को दिए गए 142 अरब डॉलर के डिफेंस पैकेज के बाद सबसे बड़ा कदम होगी। उस पैकेज में वायु रक्षा, मिसाइल शील्ड और नौसेना आधुनिकीकरण शामिल थे, लेकिन एफ-35 को उससे बाहर रखा गया था। अब यह प्रस्ताव सामने आने से अमेरिकी नीति में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। इजरायल की चिंता क्यों बढ़ी इजरायल अब तक मध्य पूर्व का एकमात्र देश है जिसके पास एफ-35 जेट हैं। वह इसका विशेष संस्करण एफ-35 'एडिर' संचालित करता है, जिसे उसकी रणनीतिक जरूरतों के अनुसार संशोधित किया गया है। इजरायल ने पहले ही 75 से ज्यादा एफ-35 विमान खरीद लिए हैं और इन्हें ईरान के खिलाफ अभियानों में इस्तेमाल भी किया है। इजरायल की सैन्य बढ़त सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका ने वर्षों से यह नीति अपनाई है कि किसी भी अरब देश को उसके बराबर या उससे उन्नत हथियार न दिए जाएं। इसलिए, सऊदी अरब को एफ-35 देने की संभावना ने इजरायली सुरक्षा प्रतिष्ठान को चिंतित कर दिया है। इजरायल की सुरक्षा को खतरा जेरूसलम मीडिया के मुताबिक, इजरायल के डिफेंस अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर सऊदी को एफ-35 मिल गया और उसकी तकनीक रूस, चीन या ईरान तक पहुंच गई, तो यह इजरायल की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा होगा। कुछ अधिकारियों ने खुलासा किया कि इजरायल ने इस डील को रोकने के लिए अमेरिकी कांग्रेस में लॉबिंग भी शुरू कर दी है। क्या सऊदी से 'अब्राहम समझौते' की शर्त जुड़ी है रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका यह डील एक कूटनीतिक समझौते से जोड़ सकता है, यानी सऊदी अरब को एफ-35 तभी मिलेगा जब वह इजरायल के साथ संबंध सामान्य करने पर सहमत होगा।

राष्ट्रपति ट्रंप की सहयोगी ने किया खुलासा- ममदानी को मेयर पद से हटाने की तैयारी

न्यूयॉर्क, 09 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में इतिहास रचने वाले जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के पहले मुस्लिम और भारतीय मूल के मेयर बन गए हैं। ये ऐतिहासिक रिकार्ड राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके सहयोगियों को फूटी आंख नहीं सोहा रहा है। ट्रंप की समर्थक और रिपब्लिकन प्रतिनिधि एलिस स्टेफेनिक ने साल 2026 के गवर्नर पद के लिए उम्मीदवारी का ऐलान कर दिया है। वह न्यूयॉर्क की वर्तमान गवर्नर कैथी होचुल के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी। माना जा रहा है कि स्टेनेफिक ने यह कदम इसलिए उठाया है ताकि न्यूयॉर्क की गवर्नर बनने के बाद वह ममदानी को मेयर पद से हटा सकें।

बता दें कि अगर न्यूयॉर्क के मेयर को हटा दिया जाता है तो 90 दिनों के भीतर फिर से चुनाव कराना होगा। हालांकि इस प्रक्रिया पारंपरिक रूप से केवल तब के लिए आरक्षित है, जिसमें मेयर को आधिकारिक कदाचार या

सार्वजनिक विश्वास का उल्लंघन दोषी माना जाता है। या फिर मामला किसी अधिकारी की वर्तमान अवधि के दौरान किए गए नैतिक अपराध से संबंधित हो। 1932 में स्टेट सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले में इसका जिक्र किया गया है। होचुल ने ही ममदानी का खुलकर समर्थन किया था। होचुल और ममदानी की स्टेफेनिक कट्टर आलोचक हैं। ममदानी की जीत के बाद स्टेफेनिक ने होचुल को अमेरिका की सबसे खराब गवर्नर बताया था। साथ ही न्यूयॉर्क को देश का मोस्ट अनअफोर्डेबल राज्य बताया। इतना ही नहीं, उन्होंने ममदानी के खिलाफ भी बयान देते हुए उन्हें एंटीसेमाइट, जिहादी और कम्यूनिस्ट बताया।

हालांकि यह मैकेनिज्म दशकों से निष्क्रिय है। न्यूयॉर्क चार्टर के मुताबिक मेयर को राज्यपाल द्वारा आरोपों, आरोपों की प्रति उपलब्ध कराने और उनके बचाव में सुनवाई का अवसर देने के बाद पद से हटा दिया जा सकता है। आरोपों की तैयारी और सुनवाई खत्म होने तक, गवर्नर मेयर को तीस दिन से अधिक की अवधि के लिए निलंबित कर सकता है। हालांकि, इस प्रक्रिया के लिए एक औपचारिक कानूनी प्रक्रिया भी जरूरत है। इसमें आरोप दाखिल करना, संबंधित अधिकारी को उन आरोपों का नोटिस देना, मेयर को उत्तर देने और अपनी रक्षा प्रस्तुत करने का अवसर देना शामिल है। यदि स्टेफेनिक 2026 के चुनावों में होचुल को हराती हैं तो वह कम इस्तेमाल किए जाने वाले राज्यपालीय अधिकार का उपयोग करके मामदानि को हटा सकती हैं। न्यूयॉर्क राज्य के संविधान के तहत, राज्यपाल के पास मेयर और अन्य स्थानीय अधिकारियों को पद से हटाने का अधिकार है। अगर ऐसा होता है कि अमेरिका के सबसे बड़े शहर का शक्ति संतुलन बदल जाएगा।

भारत के पुश अप मैन रोहताश चौधरी ने 847 पुश अप्स करके बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 09 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत के पुश-अप मैन कहे जाने वाले रोहताश चौधरी ने इतिहास रचते हुए देश की फिटनेस भावना को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। फिट इंडिया के एंबेसडर रोहताश ने रविवार को नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में पीठ पर 60 पाउंड का बोझ लादकर एक घंटे में 847 पुश अप्स करके नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

इस उपलब्धि के साथ रोहताश ने सीरिया के नाम 820 पुश-अप्स का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का खिताब भारत ले आए। गिनीज की आधिकारिक सत्यापन टीम ने मौके पर ही इस रिकॉर्ड की पुष्टि की, जिससे यह न केवल रोहताश के लिए, बल्कि फिट इंडिया मूवमेंट से प्रेरित हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण बन गया। मौके पर केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया भी उपस्थित थे और रोहताश को उनकी असाधारण उपलब्धि के लिए सम्मानित किया। रोहताश को उनके रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए डॉ. मांडविया ने कहा, रोहताश चौधरी फिट इंडिया की भावना के प्रतीक हैं। रोहताश भारत को एक फिट, मजबूत और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने को भी आगे बढ़ा रहे हैं। इस रिकॉर्ड प्रयास के प्रति उनका समर्पण और फिटनेस के प्रति उनकी निरंतर लगन उन्हें हमारे देश के युवाओं के लिए प्रेरणा बनाती है।

अपनी उपलब्धि के बाद भावुक रोहताश ने कहा, नवंबर 2024 में मैंने 704 वन-लेग पुश-अप्स का रिकॉर्ड बनाया और उसे प्रधानमंत्री को समर्पित किया। आज मैं यह नया रिकॉर्ड हमारे सशस्त्र बलों और ऑपरेशन सिंदूर को समर्पित करता हूं, जो हमारे राष्ट्र की शक्ति, अनुशासन और एकता का प्रतीक है। मैं युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय को उनके निरंतर प्रोत्साहन और समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं।

उन्होंने कहा कि फिट इंडिया मूवमेंट ने प्रदूषण मुक्त और स्वस्थ भारत के लिए रविवार को साइकिल चलाने के माध्यम से एक सामाजिक आंदोलन को प्रज्वलित किया है और युवाओं से फिटनेस को राष्ट्रीय कर्तव्य के रूप में अपनाने का आग्रह किया।

न्यूज ब्रीफ

सूर्यकुमार ने शुभमन के कम स्ट्राइक रेट का बचाव किया बोले, वह हालातों के अनुसार खेलता है

मुम्बई। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कम स्ट्राइक रेट को लेकर सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल का बचाव किया है। शुभमन और अभिषेक ने ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 टी20 मैचों की सीरीज में भारतीय पारी की शुरुआत की थी पर जहां अभिषेक बेहद तेजी से खेलते हैं। वहीं शुभमन की बल्लेबाजी काफी धीमी रही। भारतीय टीम ने हालांकि ये सीरीज 2-1 से जीती। सूर्यकुमार ने शुभमन के स्ट्राइक रेट को लेकर कहा कि उनकी सलामी जोड़ी अभिषेक शर्मा के साथ काफी अच्छी रही है। शुभमन हालातों र विकेट के अनुसार बल्लेबाजी करते हैं। गिल और अभिषेक दोनों ही एक-दूसरे के स्ट्राइक रेट की बराबरी करने का प्रयास करते हैं। दोनों की जोड़ी काफी अच्छी रही है। साथ ही कहा, मेरा मानना है कि अगर विकेट कठिन है, तो उस पर रुककर खेलना जरूरी है। ब्रिसबेन का विकेट अच्छा था, जिसपर शुभमन और अभिषेक ने पांच से कम ओवर में 50 से अधिक रन बनाए। पिछले मैच में, विकेट कठिन था और उसे समझना जरूरी था। यहीं पर अनुभवी खिलाड़ी की जरुरत होती है। अभिषेक और शुभमन दोनों के बीच अच्छी बातचीत रही है। दोनों विकेट और हालातों के अनुसार खेलना जानते हैं। सूर्या ही नहीं अभिषेक भी शुभमन के स्ट्राइक रेट को लेकर संतुष्ट हैं। अभिषेक ने कहा, वह सीरीज में जिस तरह से खेल रहा था, उसे देखिए। हम अंडर-12 के दिनों से साथ खेल रहे हैं, इसलिए हमारे बीच अच्छी समझ है।

अर्जुन बाबूता एयर राइफल फाइनल में सातवें स्थान पर

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाज अर्जुन बाबूता ने काहिरा में चल रही अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) वर्ल्ड चैंपियनशिप राइफल/पिस्टल के पहले दिन पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में सातवां स्थान हासिल किया। अर्जुन ने क्वालिफिकेशन राउंड में 632.5 अंकों के साथ फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन फाइनल में उन्होंने 145.0 अंक जुटाकर सातवां स्थान प्राप्त किया। इस स्पर्धा में जर्मनी के मैक्सिमिलियन डैलिंगर ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन विक्टर लिंडग्रेन (स्वीडन) ने रजत और ओलंपिक चैंपियन शेंग लिआओ (चीन) ने कांस्य पदक अपने नाम किया। अर्जुन ने फाइनल की शुरुआत पहले सीरीज़ में 51.9 (10.6, 9.8, 10.6, 10.5, 10.4) अंकों से की और दूसरे सीरीज में 52.3 (10.6, 10.1, 10.7, 10.2, 10.7) अंक जुटाए। हालांकि 11वें शॉट में 9.7 का कम स्कोर आने से उनकी रैंकिंग नीचे चली गई और वे दूसरे शूटर के रूप में प्रतियोगिता से बाहर हो गए। इसी बीच पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में भारत के अनिश भंवाला ने 291-11× का शानदार स्कोर बनाकर पहले चरण की क्वालिफिकेशन के बाद सातवां स्थान हासिल किया। वहीं, समीर गुलिया ने 286-3× और आदर्श सिंह ने 285-8× अंक बनाए।

मार्क वुड बोले - ऑस्ट्रेलिया है एशेज का प्रबल दावेदार, लेकिन इंग्लैंड भी जीत के लिए तैयार

नई दिल्ली। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया अपनी घरेलू परिस्थितियों के कारण आगामी एशेज सीरीज में प्रबल दावेदार रहेगा, लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इंग्लैंड की टीम आत्मविश्वास और तैयारी के मामले में पीछे नहीं है। इंग्लैंड की टीम 2010-11 के बाद से ऑस्ट्रेलियाई धरती पर एशेज सीरीज नहीं जीत पाई है, और इस बार उसका लक्ष्य इस लंबे इंतजार को खत्म करने का है। वुड ने मीडिया से बातचीत में कहा, ऑस्ट्रेलिया निश्चित रूप से इस सीरीज में फेवरेट है, लेकिन हमें भी पूरा भरोसा है कि हम यहां अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। हमारे पास ऐसा संयोजन है जो किसी भी टीम को चुनौती दे सकता है। लंबे समय से चोट से जूझ रहे मार्क वुड ने बताया कि वह अभी पूरी तरह फिट नहीं हैं, लेकिन पहले टेस्ट तक खेलने की स्थिति में पहुंचने की उम्मीद रखते हैं। उन्होंने आखिरी बार फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था, जिसके बाद घुटने की चोट ने उन्हें मैदान से दूर कर दिया। वुड इंग्लैंड की गेंदबाजी आक्रमण का अहम हिस्सा हैं और टीम को उनसे काफी उम्मीदें हैं। वुड ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं शत-प्रतिशत फिट हूं। इतनी लंबी चोट के बाद अभ्यास में हमेशा पूरा दम लगाना आसान नहीं होता, लेकिन मैं धीरे-धीरे अपनी रफ्तार और स्टैमिना दोनों पर काम कर रहा हूं। मुझे भरोसा है कि पहले टेस्ट तक मैं पूरी तरह फिट होकर मैदान में उतरूंगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पहले से की गयी तैयारी का लाभ मिला : अभिषेक

शीर्ष आक्रमण के सामने अपनी बल्लेबाजी को परखना चाहता था

ब्रिसबेन, 09 नवंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निशाने वाले आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा है कि उन्होंने इसके लिए पहले से तैयारी की थी जिसका उन्हें लाभ मिला। अभिषेक के अनुसार उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई हालातों में बेहतर प्रदर्शन के लिए अपने को मानसिक और तकनीकी रूप से बेहतर बनाया था। इसी कारण वह ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर तेज गेंदबाजी आक्रमण का सामना करने में सफल रहे। वह अपनी बल्लेबाजी को ऑस्ट्रेलिया में शीर्ष स्तर के गेंदबाजी आक्रमण के सामने परखना भी चाहते थे।

अभिषेक ने इस सीरीज में पांच मैच में 163 रन बनाए। सीरीज में बारिश के कारण तीन ही मैच हुए जबकि दो मैच रद्द हो गए थे। उन्होंने पांचवें और अंतिम टी20 मैच के बारिश के कारण रद्द होने के बाद कहा, 'मैं इस टूर्नामेंट का काफी समय से इंतजार कर रहा था। जब मुझे पता चला कि हम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया जा रहे हैं तभी से मैं इस दौरे का बेसब्री से इंतजार कर रहा था। उन्होंने कहा, ''अपने पूरे करियर में मैंने देखा है कि ऑस्ट्रेलिया बल्लेबाजी के लिए बहुत अनुकूल है और मैं अपने को इस तरह की गेंदबाजी और हालातों के लिए तैयार करना चाहता था।

उनका प्रयास विश्वस्तरीय तेज गेंदबाजों का सामना करने और ऑस्ट्रेलियाई पिचों के हिसाब से अपने खेल को ढालने पर ध्यान देना भी था। पिछले तीन टी20 मैच में जोश हेजलवुड के नहीं होने के कारण खेलने में हुई आसानी को लेकर अभिषेक ने कहा, 'अगर आपको अच्छा क्रिकेट खेलना है और अपनी टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना है तो आपको विश्वस्तरीय गेंदबाजों का सामना करना होगा। मैं इस तरह के गेंदबाजों के लिए अभ्यास कर रहा था क्योंकि इसी तरह आप एक खिलाड़ी के रूप में बेहतर होते हैं। वहीं बल्लेबाजी में अति-आक्रामक रवैये को लेकर अभिषेक ने कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन ने उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने को कहा था। अभिषेक ने कहा, 'कप्तान और कोच ने मुझे अपने अनुसार खेलने की आजादी दी है। साथ ही कहा कि एक बल्लेबाज के तौर पर जब आप 20 या 30 रन बनाते हैं तो आप जानते हैं कि आप ज्यादा देर तक खेल सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस सीरीज ने अगले साल टी20 विश्व कप में जगह बनाने के उनके इरादे को और बेहतर किया है। उन्होंने कहा, 'अगर मुझे विश्व कप खेलने का मौका मिला तो यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा।

भारत ए ने 382 रन बनाकर दूसरी पारी घोषित की, कुल बढ़त 416 रन हुई, जूरेल ने दूसरी पारी में भी शतक लगाया

बेंगलुरु। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने दक्षिण अफ्रीका 'ए के खिलाफ दूसरे चार दिवसीय मैच की दूसरी पारी में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए शतक लगाया है। जुरेल ने छठे विकेट के लिए हर्ष दुबे के साथ ही नाबाद 127 रन बनाये। इन दोनो के बीच 184 रनों की साझेदारी हुई। हर्ष ने 84 रन बनाये। इससे भारत ए टीम ने अपनी दूसरी पारी सात विकेट पर 382 रन बनाकर घोषित कर दी। इस प्रकार भारतीय टीम की कुल बढ़त 416 रन पहुंच गयी है। जुरेल ने पहली पारी में भी शतक लगाया था। वहीं दक्षिण अफ्रीका ए ने इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी दूसरी पारी में 25 रन बना लिए थे। इस प्रकार उसे जीत के लिए और 392 रनों की और जरूरत है। दिन का खेल समाप्त होने के समय लेसेगो सेनोक्वेन 9 और जॉर्डन हरमन 15 रन बनाकर खेल रहे थे। उन्होंने पहली पारी में नाबाद 132 रन बनाये थे। जुरेल ने इस मैच में दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं वहीं कप्तान ऋषभ पंत पंत ने तेजी से खेलते हुए 54 गेंद में पांच चौके और चार छक्के लगाकर 65 रन बनाये। वह दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज मोराकी की गेंद पर चोटिल होने के बाद 'रिटायर्ड हर्ट हो गये और ऐसे में पारी घोषित कर दी गयी। दक्षिण अफ्रीका ए की ओर से तेज गेंदबाज ओकुहले सेले ने तीन विकेट लिए।

बीसीसीआई को एशिया कप ट्रॉफी विवाद के शीघ्र हल होने की उम्मीद

मुम्बई ,09 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम को अबतक एशिया कप ट्रॉफी नहीं मिल पायी है पर अब इसके शीघ्र मिलने की उम्मीदें जतायी जा रही हैं। भारतीय टीम ने एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी जीती थी पर उसने एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष पाक के मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया था। उसके बाद नकवी ट्रॉफी लेकर चले गये थे। तभी से ही वह एसीसी मुख्यालय में रखी है। वहीं अब बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि दुबई में हुई आईसीसी बैठक के बाद ट्रॉफी से जुड़ा विवाद समाप्त हो सकता है।

आईसीसी बैठक में बीसीसीआई सचिव सैकिया के सख्त रुख का असर

उन्होंने कहा, मैं आईसीसी की अनौपचारिक और औपचारिक बैठकों में शामिल था। वहां पीसीबी और एसीसी अध्यक्ष नकवी भी मौजूद थे। इस दौरान मेरी नकवी से बात हुई थी। इसके बाद लगा कि वह भी अब इस मामले को आगे नहीं खींचना चाहते हैं। ऐसे में हम भी उन्हें अपनी गलती ठीक करने का अवसर देना चाहते हैं जिससे कि ये मामला हल हो सके। भारतीय कप्तान ने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ हुए तीनों मैचों में पाक टीम से हाथ नहीं मिलाय था उससे भी पीसीबी भारतीय टीम से भड़का हुआ था। इस मामले को लेकर पीसीबी ने आईसीसी से भी शिकायत की थी। एशिया कप मैच के बाद अवार्ड समारोह में एसीसी अध्यक्ष नकवी भारतीय टीम को एशिया कप का खिताब देना चाहते थे पर भारतीय टीम ने इंकार कर दिया था। इसके बाद नकवी ट्रॉफ लेकर भाग गये थे। इस मामल की बीसीसीआई ने कड़ी आलोचना की थी।

नोवाक जोकोविच हेलनिक चैम्पियनशिप में जीत के बाद ट्रॉफी के साथ

यूनान में सर्बिया के नोवाक जोकोविच हेलनिक चैम्पियनशिप में जीत के बाद ट्रॉफी के साथ नजर आये।

हांगकांग सिक्सेस 2025 के खिताबी मुकाबले में पाक व कुवैत में भिड़ंत

हांगकांग, 09 नवंबर (एजेंसियां)।

हांगकांग सिक्सेस 2025 को अपने अंतिम दिन में प्रवेश कर गया है। दो रोमांचक सेमीफाइनल खेले गए, जिसमें पाकिस्तान और कुवैत ने जीत दर्ज करते हुए फाइनल में जगह बनाई। दोनों टीमों के बीच खिताबी भिड़ंत भी ही होगी।

पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को सिर्फ एक रन से हराकर लगातार छठी बार फाइनल में जगह पक्की कर ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की टीम ने अब्दुल समद के तेज 34 (13) और ख्वाजा नफे के विस्फोटक 50 (14) रनों की बदौलत 2 विकेट खोते हुए 121 रन का स्कोर बनाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत तीन विकेट गिरने के साथ ही खराब रही। कप्तान एलेक्स रॉस ने 8 गेंदों पर 36 रन और क्रिस ग्रीन ने 12 गेंदों पर 46 रन की तेज पारी खेल टीम को जीत के करीब ले गए, लेकिन मात्र एक रन की अंत से खिताबी मुकाबले में पहुंचने से चूक गए और पाकिस्तान ने फाइनल में प्रवेश कर लिया।

दूसरे सेमीफाइनल में कुवैत ने इंग्लैंड को 36 रनों से हराकर इतिहास रच दिया और पहली बार हांगकांग सिक्सेस के फाइनल में प्रवेश किया।पहले बल्लेबाजी करते हुए कुवैत ने मीत भावसार के 15 गेंदों पर 62 रनों की बदौलत 142/5 का मजबूत स्कोर बनाया। इसके बाद जेम्स कोल्स के नाबाद 55 रनों (18 गेंदों में) की बदौलत इंग्लैंड ने संघर्ष किया, लेकिन 105/3 का स्कोर ही बना सका, जो लक्ष्य से काफी पीछे रह गया। अब फाइनल में पाकिस्तान और हांगकांग के बीच मुकाबला होगा।

निराशाजनक रहा भारतीय टीम का अभियानइस बीच, भारतीय टीम का अभियान निराशाजनक रूप से समाप्त हुआ। पहले दिन पाकिस्तान के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत करने के बाद टीम को अगले मैचों में कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल और श्रीलंका से हार का सामना करना पड़ा, जिससे बाउल चरण में उनकी जीत का सिलसिला बिना किसी जीत के समाप्त हो गया।

धोनी फैंस के लिए खुशखबरी: 2026 में भी खेलेंगे कैप्टन कूल, चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ ने की पुष्टि

नई दिल्ली, 09 नवंबर (एजेंसियां)।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। फ्रेंचाइजी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) काशी विश्वनाथन ने साफ तौर पर कहा है कि टीम को पूरा भरोसा है कि महेंद्र सिंह धोनी अगले सीजन यानी आईपीएल 2026 में भी मैदान पर उतरेंगे। लंबे समय से चल रही धोनी के संन्यास की अटकलों पर अब विराम लग गया है। विश्वनाथन ने क्रिकबज से बातचीत में कहा, यह सही है, एमएस ने हमें बताया है कि वह अगले सीजन के लिए उपलब्ध रहेंगे। यह बयान ऐसे समय में आया है जब फैंस लगातार यह सवाल पूछ रहे थे कि क्या धोनी 2025 सीजन के बाद आईपीएल से विदाई लेंगे। फ्रेंचाइजी के सीईओ ने पहले भी एक युवा प्रशंसक से बातचीत में इसी बात की पुष्टि की थी।

2008 में फ्रेंचाइजी की स्थापना से जुड़े काशी विश्वनाथन, सीएसके के मालिक एन. श्रीनिवासन के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से हैं। उन्होंने कहा कि धोनी न केवल टीम के लिए बल्कि पूरी फ्रेंचाइजी की आत्मा बन चुके हैं। गौरतलब है कि धोनी (44) का आईपीएल में भविष्य पिछले कई वर्षों से चर्चाओं में बना हुआ है, लेकिन अब 2026 तक उनके खेलने की संभावना लगभग तय हो गई है। पिछले सीजन में सीएसके का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा था और टीम निचले पायदान पर रही थी। नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की अनुपस्थिति में धोनी ने खुद टीम की कमान संभाली थी। क्रिकेट जगत में माना जा रहा है कि वह अपनी शानदार कप्तानी और प्रदर्शन के साथ एक यादगार सीजन के बाद संन्यास लेना चाहेंगे।

धोनी ने अब तक 248 मैचों में सीएसके के लिए 4,865 रन बनाए हैं और टीम को पांच बार आईपीएल खिताब (2010, 2011, 2018, 2021 और 2023) जिताया है। अगर वह अगले सीजन में खेलते हैं, तो यह उनके लिए सीएसके का 17वां और आईपीएल करियर का 19वां सीजन होगा। धोनी की वापसी की इस खबर ने फैंस में जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है।

जवागल श्रीनाथ की रफ्तार से कांपते थे बल्लेबाज : वेंकटपति राजू , एक बाउंसर ने दिलीप वेंगसरकर तक को कर दिया था हैरान

नई दिल्ली। 90 के दशक में भारतीय क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाजी का चेहरा रहे जवागल श्रीनाथ को आज की युवा पीढ़ी भले ही उतना न जानती हो, लेकिन एक समय था जब उनकी रफ्तार से दुनिया के दिग्गज बल्लेबाज भी खौफ खाते थे। कपिल देव के संन्यास के बाद श्रीनाथ ने लंबे समय तक भारतीय टीम की तेज गेंदबाजी की अगुवाई की और कई मुकाबलों में भारत को यादगार जीत दिलाई। उन्होंने 348 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 551 विकेट लेकर अपने नाम सुनहरा अध्याय दर्ज किया। श्रीनाथ ने 1991 में टीम इंडिया के लिए इंटरनेशनल डेब्यू किया था। अपने शुरुआती दिनों में ही उन्होंने ऐसी तेज गेंदबाजी दिखाई कि सीनियर खिलाड़ी भी उनसे परेशान हो उठे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वेंकटपति राजू ने एक पॉडकास्ट में इस बात का खुलासा किया कि एक बार नेट्स पर दिलीप वेंगसरकर, श्रीनाथ की गति से इतने चकित हुए कि उन्होंने गुस्से में उन्हें गाली तक दे दी। राजू ने बताया कि 1980 के दशक के अंत और 1990 के दशक की शुरुआत में भारत के पास मनोज प्रभाकर जैसे स्विंग गेंदबाज और चेतन शर्मा जैसे फुर्तीले गेंदबाज थे, लेकिन उनमें निरंतरता की कमी थी। ऐसे में जब जवागल श्रीनाथ आए, तो टीम को एक असली तेज गेंदबाज मिल गया। इंग्लैंड दौरे की तैयारी के लिए बेंगलुरु में अभ्यास सत्र चल रहा था, जहां श्रीनाथ को टीम के बल्लेबाजों को नेट्स पर गेंदबाजी करने का मौका मिला। प्रैक्टिस के दौरान श्रीनाथ ने वेंगसरकर को एक तेज शॉर्ट पिच गेंद फेंकी। गेंद की रफ्तार इतनी थी कि वेंगसरकर का बल्ला हाथ से छूट गया।

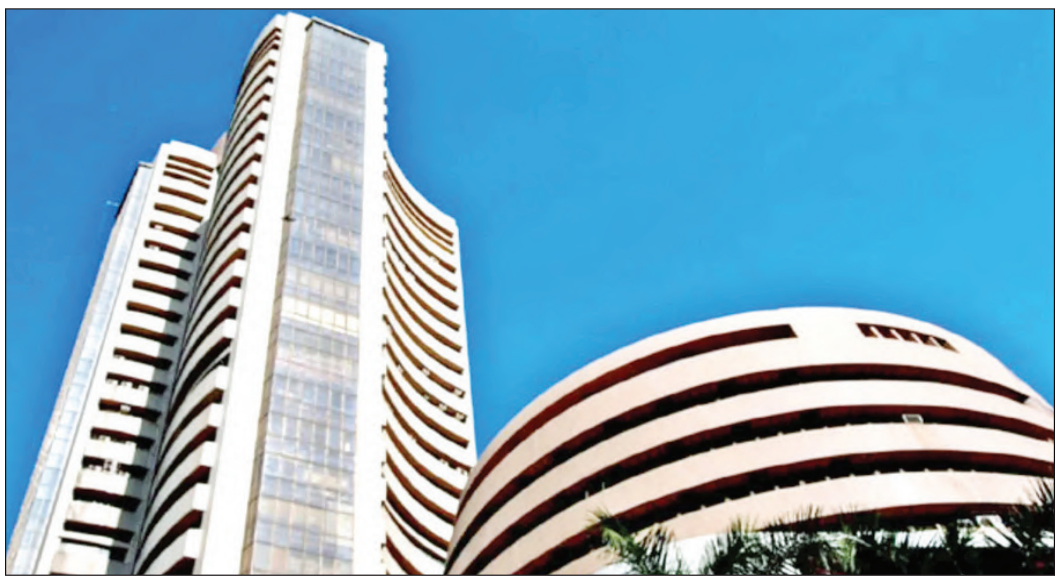

शेयर बाजार की दिशा मुद्रास्फीति और वैश्विक घटनाओं पर निर्भर करेगी

मुंबई,09 नवंबर (एजेंसियां)।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा घरेलू और वैश्विक कारकों पर निर्भर करेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशक विशेष रूप से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) और थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

रुपया-डॉलर विनिमय दर और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी बाजार की नजर

बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि ये आंकड़े महंगाई की दिशा और भारतीय रिजर्व बैंक की नीतिगत रणनीति का संकेत देंगे। सप्ताह के दौरान ओएनजीसी, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील और ऑयल इंडिया जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे आने वाले हैं। निवेशक और विश्लेषक इन परिणामों की मदद से स्टॉक्स की दिशा और कंपनी प्रदर्शन का आकलन करेंगे। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियां भी बाजार की दिशा को प्रभावित करेंगी। इसके अलावा रुपया-डॉलर विनिमय दर और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों पर नजर रहेगी, जो ऊर्जा क्षेत्र और निवेश धारणा पर असर डाल सकती हैं। अमेरिका में कुछ विभागों के कामकाज ठप होने (शटडाउन) के कारण महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े नहीं जारी हो पा रहे हैं, जिससे वैश्विक निवेशकों में अनिश्चितता बनी हुई है। इसके अलावा अमेरिका, भारत और चीन के बीच व्यापार वार्ता में प्रगति या बाधाएं भी बाजार पर असर डाल सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि आगामी मुद्रास्फीति आंकड़े, एफपीआई प्रवाह, अमेरिकी शटडाउन और अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ता के परिणाम बाजार की दिशा तय करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

डीपीआईआईटी ने 50 कंपनियों से किए करार, आईटीसी, फिलपकार्ट, मर्सिडीज बेंज जैसी प्रमुख फर्में शामिल

नई दिल्ली। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए 50 से अधिक कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन किए हैं। इनमें आईटीसी, फिलपकार्ट, मर्सिडीज बेंज, एचडीएफसी, कोटक महिंद्रा बैंक, पेटीएम, वालमार्ट और अथर इनर्जी जैसी प्रमुख फर्में शामिल हैं। विनिर्माण-केन्द्रित इन्क्यूबेटर स्टार्टअप्स को पायलट प्रोजेक्ट, स्केलिंग और प्लग-एंड-प्ले सुविधाएं प्रदान करते हैं। इससे प्रारंभिक चरण के नवाचार और उत्पादन में मदद मिलती है और उच्च पूंजी निवेश का बोझ कम होता है। डीपीआईआईटी की यह पहल उद्योग और स्टार्टअप्स के बीच सहयोग बढ़ाने और नवाचार को तेज़ करने के उद्देश्य से की गई है। साझा सुविधाओं और सहयोगी नेटवर्क के माध्यम से स्टार्टअप्स का विकास और विस्तार आसान होगा।

कर्नाटक में गन्ना के लिए 3,300 रुपये प्रति टन मूल्य तय, बेलगावी के किसानों ने प्रदर्शन वापस लिया

बेंगलुरु। बेलगावी में गन्ना किसानों का दस दिन तक चलने वाला आंदोलन समाप्त हो गया। किसान 11.25 प्रतिशत चीनी वाले गन्ने के लिए अधिक मूल्य की मांग कर रहे थे। कर्नाटक सरकार ने किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए गन्ने का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3,300 रुपये प्रति टन तय किया। चीनी मंत्री शिवानंद पाटिल ने मुदलागी तालुक के गुरलापुर चौराहे पर किसान नेताओं को सरकार के आदेश की प्रति सौंपी। इसके बाद कुछ किसानों ने प्रदर्शन वापस लिया और जश्न मनाया। हालांकि बगलकोट, मुधोल और अन्य क्षेत्रों के गन्ना किसान अभी भी असंतुष्ट हैं और विरोध जारी रखेंगे। आंदोलन बेलगावी से शुरू होकर उत्तरी कर्नाटक के विजयपुरा, हावेरी और अन्य जिलों में फैल चुका था। सरकार की नई घोषणा से किसानों के बीच असंतोष और समर्थन दोनों दिख रहे हैं।

भारत के 16 डीपीएसयू आरएंडडी पर 32,000 करोड़ खर्च करेंगे, स्वदेशी सैन्य हार्डवेयर उत्पादन को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली। भारत के 16 रक्षा सार्वजनिक उपक्रम (डीपीएसयू) अगले पांच वर्षों में अनुसंधान एवं विकास

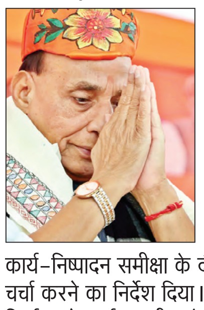

(आरएंडडी) पर 32,766 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बना रहे हैं। यह कदम स्वदेशी सैन्य हार्डवेयर और नई तकनीक के विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उठाया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीपीएसयू की वार्षिक कार्य-निष्पादन समीक्षा के दौरान इस प्रस्तावित व्यय पर चर्चा करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्वदेशी उत्पादन, निर्यात और नई तकनीक के विकास पर विशेष जोर दिया। पिछले 10 वर्षों में डीपीएसयू ने 30,952 करोड़ रुपये आरएएंडी में निवेश किया था। अब अगले पांच वर्षों में यह निवेश लगभग दोगुना किया जाएगा, जिससे भारत के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और तकनीकी क्षमता मजबूत होगी।

डीप सी फिशिंग के नए नियम जारी, छोटे मछुआरों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 4 नवंबर को भारत के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन (ईईजेड) में डीप सी फिशिंग के लिए नए नियम जारी किए। इसका मकसद मछुआरों, उनके कोऑपरेटिव्स और छोटे फिशर्स को सशक्त बनाना और विदेशी जहाजों को ईईजेड में प्रवेश से रोकना है। हाई वैल्यू वाली टूना मछलियों पर जोर दिया गया है। मछुआरा कोऑपरेटिव्स और एफएफपीओ को एडवांस्ड जहाजों से डीप सी फिशिंग की अनुमति मिलेगी। मदर-एंड-चाइल्ड वेसल मॉडल से बीच समुद्र में ट्रांसशिपमेंट संभव होगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हिट रहा करप्शन...

लाभ पहुंचाने वाली तमाम योजनाओं से हो रहे लाभ की ओर जनता का झुकाव देखा गया। इसलिए माना जा रहा है कि महिलाओं का रुझान एनडीए की ओर रहा है और इनलोगों ने बढ़चढ़ कर वोट किया। सवाल यह उठता है कि क्या महिलाओं का वोट ही सरकार बनाने में निर्णायक साबित होगा? 2005 में सत्ता में आए नीतीश कुमार ने महिलाओं को तरजीह दी थी और उनके लिए कई योजनाएं शुरू की थी। यही वजह है कि महिलाएं उन्हें ज्यादा संख्या में वोट देती आ रही हैं। दूसरी बात ये भी है कि बिहार की महिलाएं दूसरे राज्यों से ज्यादा राजनीतिक रूप से जागरूक मानी जाती है। 10 हजार रुपए खाते में आने के बाद तो उनमें ज्यादा उत्साह देखा गया है। बिहार चुनाव के बाद एनडीए सरकार अगर फिर से सत्तासीन होती है, तो इतना तो तय है कि इसका श्रेय महिलाओं को जाएगा। इससे महिलाओं को वोट बैंक के रूप में देखने का ट्रेंड देशभर में स्थापित हो सकता है।

बिहार के सबसे बड़े पर्व छठ के अपमान का मसला भी खूब चर्चा और जन-निंदा का विषय बना। पीएम मोदी ने भी इसे उठाया। छठ पर्व से खास तौर पर सम्पूर्ण बिहार की आस्था जुड़ी हुई है। इसलिए पीएम मोदी ने लोगों को याद दिलाया कि कैसे महागठबंधन ने छठ का अपमान किया है और अपने प्रचार में धमकी भरे लहजे का इस्तेमाल करके वो साफ बता रहे हैं कि वो बिहार को क्या देने वाले हैं। 2005 से पहले जिन लोगों ने लालू यादव और राबड़ी देवी के 15 साल का जंगलराज देखा है, वे लोग आज भी उस वक्त की अराजकता और खस्ता कानून व्यवस्था की चर्चा करते हैं। उन्होंने ये भी देखा है कि नीतीश सरकार के शासन काल में कैसे बिहार में कानून व्यवस्था बहाल करने की कोशिश की गई।

संगठित माफिया और राजनीतिक गठजोड़ पर वार करते हुए पीएम मोदी ने भी अपनी रैली में लोगों को लालू-राबड़ी के जंगलराज की याद दिलाया। माफिया शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा को सीवान से टिकट दिए जाने के बाद एनडीए ने जमकर पुराने दिनों की याद ताजा की। यहां तक कि नई पीढ़ी को भी पुरानी पीढ़ी से पूछने के लिए उस वक्त क्या-क्या होता था? कुल मिलाकर जंगलराज की याद बिहारवासियों को दिलाने में एनडीए सफल रहा। पहले चरण की वोटिंग के बाद पीएम मोदी ने 8 नवंबर को सीतामढ़ी की रैली को संबोधित किया। उन्होंने जनता का मतदान में बढ़चढ़कर हिस्सा लेने के लिए आभार जताया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जंगलराज वालों को 65 वोल्ट का झटका लगा है। पीएम मोदी ने जंगलराज शब्द को परिभाषित करते हुए कहा, जंगलराज का मतलब है कट्टा, क्रूरता, कटुता, कुसंस्कार और करप्शन। उन्होंने साफ कहा कि बिहार को ऐसे कुशासन से मुक्ति चाहिए। पीएम मोदी और सीएम नीतीश दोनों परिवारवाद और भ्रष्टाचार के मामले में बेदाग रहे हैं। ऐसे में दोनों नेताओं ने इस मुद्दे पर विपक्ष को जमकर घेरा। कांग्रेस के स्टार प्रचारक राहुल गांधी और आरजेडी के स्टार प्रचार और सीएम पद का चेहरा तेजस्वी यादव पर पीएम मोदी ने अपनी ज्यादातर रैलियों में परिवारवाद और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने कहा, ये सिर्फ दो परिवारों के ही इर्द-गिर्द सिमटी हुई पार्टियां हैं। एक बिहार का सबसे भ्रष्ट परिवार और दूसरा देश का सबसे भ्रष्ट परिवार। उन्होंने कहा कि चारा खाने वाले सोचते हैं कि बिहार को चरा जाएंगे, जमीन लेकर नौकरी देने वाले गरीबों को फिर बेवकूफ बनाएंगे। लेकिन अब बिहार की जनता सबको समझ गई है।

बिहार में छोटे किसानों की संख्या ज्यादा है। इसलिए पीएम मोदी ने उनके हितों की बात की पीएम ने कहा, बिहार के किसानों को अब तक करीब 30,000 करोड़ रुपए मिल चुके हैं। ये सारा पैसा बिना किसी कट और कमीशन के किसानों के खाते में जमा हुआ है। अगर यही जंगलराज वाले होते तो और उनके साथी कांग्रेस वाले होते तो आपके हक का यह सारा पैसा लूटकर वो अपनी तिजोरी भर लेते। ये मैं नहीं कह रहा हूं बल्कि कांग्रेस के एक पीएम ने कहा था कि दिल्ली से 1 रुपया निकलता है तो गांव तक पहुंचते-पहुंचते ये 15 पैसा हो जाता है। पीएम मोदी मुफ्त अनाज, पक्के मकान, शौचालय से लेकर अपनी सरकार की सभी योजनाओं से गरीबों को होने वाले फायदे को गिनाना कभी नहीं भूले।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राहुल गांधी द्वारा सेना के शौर्य पर उठाए गए सवाल को भी पीएम मोदी जनता के बीच ले गए। उन्होंने कहा, आतंकवादियों को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में घुसकर तबाह किया गया। सेना का शौर्य कांग्रेस-राजद को पसंद नहीं आया। धमाके पाकिस्तान में हो रहे थे और नींद कांग्रेस के शाही परिवार की उड़ी हुई थी। उन्होंने कहा कि आज तक पाकिस्तान और कांग्रेस के नामदार दोनों ही ऑपरेशन सिंदूर के सदमे से बाहर नहीं निकल पाए। उन्होंने विपक्षी गठबंधन पर घुसपैठियों के प्रति नरम रुख रखने का आरोप लगाया और घुसपैठिया मुक्त भारत बनाने का वादा किया

महागठबंधन में सीट शेयरिंग पर पूरी तरह बात नहीं बनने, राहुल गांधी की बिहार यात्रा में तेजस्वी को सीएम चेहरा नहीं घोषित करने और बाद में दबाव के बीच सीएम पद का चेहरा तेजस्वी यादव को बनाए जाने पर पीएम मोदी ने चुनावी रैलियों में जमकर चुटकी ली। प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस ने जंगलराज के युवराज को पैदल तो किया ही, सीएम पद के नाम पर कांग्रेस ने हामी तक नहीं भरी। इसके बाद आरजेडी ने भी कांग्रेस को सबक सिखाने की ठानी और बिहार कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफ ही अपना उम्मीदवार उतार दिया। ये दोनों दल एक-दूसरे के बाल नोचने में लगे हैं और तो खबर ये है कि हर बूथ पर कांग्रेस के लोगों ने आरजेडी को हराने की ठान ली है।

राहलु गांधी ने बिहार में चुनाव प्रचार तो पूरे जोश से शुरू की थी। राज्य में न्याय यात्रा भी निकाली और जनता से जुड़ने की कोशिश की। लेकिन जल्दी ही शांत हो गए। यहां तक कि जब चुनाव प्रचार पूरे शबाब पर था, तब राहुल गांधी 57 दिनों तक बिहार से गायब रहे। इस दौरान विदेश यात्रा से लेकर यूपी हरियाणा में समर्थकों के बीच जाने और दिल्ली में इमरती छानने तक की तस्वीरें आईं। उन्होंने एसआईआर का विरोध किया और वोट चोरी के आरोप लगाए, लेकिन जनता को यह बताने या समझाने में नाकाम रहे। बिहार चुनाव के दौर में उन्होंने हरियाणा विधानसभा चुनाव के वक्त वोट चोरी हुई थी, इसे साबित करने के लिए फर्जी फोटो का इस्तेमाल किया। यहां तक कि ब्राजीलियन मॉडल का वह फोटो वायरल हो गया, जिसे राहुल गांधी ने हरियाणा का मतदाता बताया था। ये सारे फर्जीवाड़े वाले आरोप जनता को आकर्षित करने में नाकाम रहे।

नीतीश कुमार के 20 साल के शासनकाल के बावजूद लोगों में उनके प्रति गुस्सा देखा नहीं गया, जो आम तौर पर लंबे वक्त तक सत्ता में रहने के बाद नेताओं के प्रति जनता का होता है। हालांकि रोजगार के मुद्दे पर लोगों में नाराजगी दिखी। इसको भांपते हुए एनडीए ने अपने संकल्प पत्र में बिहार में 1 करोड़ रोजगार देने का वादा किया था। इसे पीएम मोदी ने भी अपनी रैली में दोहराया। यहां तक कि पलायन का मुद्दा भी बिहारवासियों के लिए अहम रहा है। इसको देखते हुए पीएम मोदी ने शिक्षा, कौशल विकास से लेकर बिहार में ही काम करेगा, बिहार का ही नाम करेगा जैसे नारे देकर जनता को विश्वास दिलाया कि सरकार इन मुद्दों पर गंभीर है।

हैदराबाद का...

लेकिन जब वे जेल पहुंचते हैं तो वहां की सरकार उन्हें वीआईपी सुविधाएं मुहैया कराने लगती है। खास तौर पर कांग्रेस शासित राज्यों में ऐसा ही हो रहा है। बेंगलुरु की परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में बंद आईएसआईएस से जुड़े आतंकी जुहाब हमीद शकील का एक वीडियो सामने आया है, जिसने कर्नाटक सरकार की अंधी तुष्टिकरण की नीति उजागर हो रही है। वीडियो में आतंकवादी को जेल की सेल में बड़ी तसल्ली से चाय की चुस्कियों के साथ स्मार्टफोन चलाते हुए देखा जा सकता है। जेल में उसे हाई सुरक्षा वाले ब्लॉक में रखा गया है। इसके बावजूद वह बेखौफ होकर स्मार्टफोन चला रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआई) ने आतंकियों के लिए धन जुटाने, युवाओं को बरगला कर आतंकी बनाने और उन्हें आईएसआईएस में शामिल होने के लिए सीरिया भेजने के आरोप में जुहाब को गिरफ्तार किया था। वीडियो में देखा जा सकता है कि वह अपने ज्ञान का बखान भी कर रहा है।

वीडियो सामने आने के बाद सरकार ने जांच का आदेश जारी करने की औपचारिकता कर दी है। लेकिन इस खुलासे से सरकार पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। कर्नाटक की सबसे कड़ी निगरानी वाली जेलों में से एक के अंदर आतंकी को इस तरह की सुविधा मिलना बहुत गंभीर मामला है। आतंकी जुहाब के सेल में टेलीविजन और अपनी पसंद का खाना बनाने की व्यवस्था भी है।

दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के नर्सिंग होम में काम करने वाले जिस डॉक्टर आदिल अहमद राथर को पकड़ कर कश्मीर पुलिस श्रीनगर ले गई थी, वह जैश-ए-मोहम्मद का कुख्यात आतंकवादी निकला। उसके पास हथियारों का जखीरा बरामद हुआ है। आदिल मूल रूप से काजीगुंड का रहने वाला है और पहले राजकीय मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अनंतनाग में सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर के तौर पर कार्यरत था। जांच में खुलासा हुआ है कि उसने अस्पताल को आतंकियों के ठिकाने के रूप में इस्तेमाल किया। वह अस्पताल में ही हथियार छिपाता था और आतंकियों को सहयोग देता था। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने अस्पताल के लॉकर से एक असॉल्ट राइफल और कई संदिग्ध सामग्रियां बरामद की हैं।

वह कश्मीर घाटी में जैश-ए-मोहम्मद का नेटवर्क दोबारा खड़ा करने की योजना पर काम कर रहा था। वह अपने साथियों के साथ श्रीनगर के नौगाम इलाके में जैश के पोस्टर लगाने में भी शामिल था। इन पोस्टरों के बाद पुलिस ने इलाके की सीसीटीवी फुटेज खंगाली और छह लोगों को हिरासत में लिया। अब तक इस केस में कुल आठ लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आदिल के संपर्क में और कौन लोग थे तथा जैश के पुनर्गठन की साजिश में उनकी भूमिका क्या थी।

अब मोबाइल पर...

जहां यूजर्स अपने कांटेक्ट लिस्ट के नामों या सुझावों के आधार पर अज्ञात नंबरों को नाम देते हैं। यह जानकारी कभी-कभी गलत, पुरानी या अनौपचारिक हो सकती है। कई बार ट्रू-कॉलर पर केवल नंबर दिखाई देता है, कॉल करने वाला का नाम नहीं दिखता। इसके कई कारण हो सकते हैं, जैसे कि कॉलर ने अपना नाम नहीं डाला हो, किसी ने नंबर को गलत या खाली नाम से सेव किया हो या ऐप में कोई तकनीकी समस्या हो। इसके अलावा, अगर किसी ने हाल ही में अपना प्रोफाइल अपडेट किया है, तो उसमें बदलाव दिखने में 24 घंटे तक का समय लग जाता है। दूसरा यह एक मोबाइल एप्लीकेशन है, जिसे डाउनलोड करने के बाद ही उपयोगकर्ता इसका उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए इंटरनेट का कनेक्शन होना भी जरूरी है।

हालांकि, कुछ दूरसंचार कंपनियों ने नए फीचर को लेकर चिंता जताई है। उनके अनुसार इससे कॉल सेटअप में देरी, निजता का मुद्दा और तकनीकी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। परंतु यह कदम देशभर में स्पैम कॉल्स, धोखाधड़ी और साइबर अपराधों जैसे डिजिटल अरेस्ट और वित्तीय घोटालों को रोकने के लिए उठाया गया है। इससे मोबाइल फोन यूजर्स को पता होगा कि उन्हें कौन कॉल कर रहा है, जिससे वह फर्जी कॉल करने वालों को पहचानने में सक्षम होंगे। यह फैसला दूरसंचार सेवाओं में उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ाएगा। इसके अलावा कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन एक आधिकारिक, सरकार द्वारा सत्यापित सुविधा है, जो ट्रू-कॉलर जैसे ऐप पर निर्भरता कम करेगी। अज्ञात नंबर स्पैम कॉल के लिए अहम हथियार रहे हैं। ऐसे में मोबाइल फोन की स्क्रीन पर नाम दिखाई देने से स्पैमर्स पर लगाम लगाई जा सकेगी।

कबाड़ बेचकर...

2021 से इस कार्यक्रम के जरिए पांच वर्ष में कुल 4,100 करोड़ रुपए की कमाई हो चुकी है। अधिकारियों का कहना है कि इस अभियान से न केवल सरकारी कार्यालयों में साफ-सफाई और पारदर्शिता बढ़ी है, बल्कि संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रालयों से उत्कृष्ट प्रदर्शन की अपील की थी और इसका असर इस वर्ष स्पष्ट रूप से देखने को मिला।

कांग्रेस ने दलित को ...

मगर मोदी जी के नेतृत्व में 2024 में अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ। अब सीतामढ़ी में सीता माता मंदिर का निर्माण भी हो रहा है, जो ढाई साल में पूरा होगा।

अमित शाह ने कहा कि विकास केवल नारों से नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व से संभव हुआ है। उन्होंने दावा किया, बिहार में मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं, सड़क और पुल परियोजनाएं जारी हैं। एनडीए सरकार में पारदर्शिता है, न कोई घोटाला, न भ्रष्टाचार। पिछले 11 वर्ष के एनडीए शासनकाल और 20 वर्ष के नीतीश कुमार के कार्यकाल में एक भी घोटाला नहीं हुआ। चुनाव परिणाम आने के बाद विपक्ष एक बार फिर चुनाव आयोग पर आरोप लगाएगा। 14 नवंबर को नतीजे आने के बाद वे कहेंगे कि ईवीएम खराब है या फिर चुनाव आयोग पक्षपाती है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे अराजकता और जंगलराज को बिहार में दोबारा न लौटने दें। संबोधन के दौरान शाह ने कहा, कुछ दिन पहले राहुल और तेजस्वी ने एक यात्रा निकाली थी। ये यात्रा उन्होंने घुसपैठियों को बचाने के लिए निकाली थी। देश में घुसपैठिए, युवाओं की नौकरियां छीन रहे हैं, गरीबों के हिस्से के राशन में अपना हिस्सा ले रहे हैं और साथ ही देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रहे हैं।

उन्होंने कहा, राहुल और तेजस्वी जो करना चाह रहे हैं उसे देखते हुए मैं आज सासाराम की धरती से यह कहकर जाता हूं कि हम बिहार और देश से एक-एक घुसपैठिए को निकालने का काम करेंगे। राहुल और तेजस्वी ने घुसपैठियों को अपना वोट बैंक बना लिया है। हमें घुसपैठियों के वोट नहीं चाहिए। हम तो सासाराम के युवाओं के वोट और लखपति दीदी के वोट से जीतने आए हैं। अमित शाह ने चेतावनी दी कि अगर जरा सी भी गलती हुई तो बिहार फिर से अराजकता के दौर में चला जाएगा। उन्होंने कहा कि लालटेन वालों को सत्ता में आने देना बिहार के विकास को रोक देगा। शाह ने कहा कि एनडीए की सरकार ही राज्य को स्थिरता और विकास की दिशा में आगे ले जा सकती है।

अमित शाह ने कहा, जब केंद्र में सोनिया-मनमोहन की सरकार थी, तब आतंकवादी देश में घुसकर हमारी धरती को लहूलुहान करके भाग जाते थे और कोई पूछने वाला नहीं था। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार आई, तो स्थिति बदल गई। उरी में हमला हुआ, हमने सर्जिकल स्ट्राइक की। पुलवामा हमले के बाद हमने एयर स्ट्राइक की। पहलगाम में हमारे यात्रियों को धर्म पूछकर मारा, 22 दिन के भीतर ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में घुसकर हमने आतंकियों का सफाया किया गया। यहां मां शक्तिपीठ की पवित्र भूमि पर कहता हूं, अगर आतंकवादी गोली चलाएंगे तो हम गोलाबारी से जवाब देंगे। क्या आप जानते हैं वह गोला कहां बनेगा? प्रधानमंत्री मोदी बिहार में डिफेंस कॉरिडोर बनाएंगे और एक ऑर्डनेंस फैक्ट्री स्थापित की जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री किसान योजना का जिक्र करते हुए कहा कि वर्तमान में बिहार के 85 लाख से अधिक किसानों को हर साल 6,000 रुपए की सहायता मिलती है। उन्होंने वादा किया कि अगर बिहार में एनडीए की सरकार बनी, तो यह राशि बढ़ाकर 9,000 रुपए कर दी जाएगी।

सेक्स रैकेट और...

साथ भेजा जाता था। ईडी की जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी अपने अवैध पैसों को वैध दिखाने के लिए मनी लॉन्ड्रिंग का सहारा ले रहे थे। वे नकद में कमाए गए करोड़ों रुपए को कई शेल कंपनियों (कागज़ी कंपनियों) के खातों में जमा करते थे और वहां से लेन-देन दिखाकर उसे वैध आय की तरह पेश करते थे। इस तरह वे अपराध से कमाए गए पैसों को सिस्टम में घुमा-फिराकर सफेद बना लेते थे।

छापेमारी में भारी कैश और लग्जरी गाड़ियां बरामद हुई हैं। ईडी के छापे में कुल 1.01 करोड़ रुपए नकद मिले। इसके अलावा दो लग्जरी गाड़ियां एक लैंड रोवर डिफेंडर और एक जगुआर जब्त की गई हैं। साथ ही, एजेंसी को कई डिजिटल डिवाइस, प्रॉपर्टी से जुड़े दस्तावेज और बैंक खातों की जानकारियां भी मिली हैं। इन सबकी जांच जारी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि कितनी बड़ी रकम अब तक विदेशों या अन्य राज्यों में भेजी गई है। ईडी ने यह कार्रवाई पश्चिम बंगाल पुलिस की कई एफआईआर और चार्जशीट के आधार पर शुरू की थी। पुलिस ने इन मामलों को आईपीसी, आर्म्स एक्ट और इम्मोरल ट्रैफिक प्रिवेंशन एक्ट (आईटीपीए) के तहत दर्ज किया था। इन एफआईआर में भी इन्हीं तीन मुख्य आरोपियों जगजीत सिंह, अजमल सिद्दीकी और बिश्नु मुंद्रा के नाम थे।ईडी का कहना है कि यह संगठित नेटवर्क लंबे समय से पश्चिम बंगाल और पड़ोसी राज्यों में सक्रिय था। यह गिरोह महिलाओं को बहला-फुसलाकर या रोजगार के झूठे वादों से अपने जाल में फंसाता था। फिर उनसे जबरन अवैध काम करवाकर मोटी रकम कमाई जाती थी। जो महिलाएं विरोध करतीं, उन्हें डराया-धमकाया जाता था या उनके परिवारों को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी जाती थी। ईडी ने कहा है कि यह मामला सिर्फ मानव तस्करी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक बड़े वित्तीय अपराध से जुड़ा हुआ है। एजेंसी अब यह जांच कर रही है कि इस नेटवर्क के पीछे और कौन-कौन से लोग शामिल हैं, और क्या इसमें किसी राजनीतिक या प्रशासनिक स्तर पर सहयोग मिला था। फिलहाल, जब्त दस्तावेजों और डिजिटल डेटा की गहन जांच की जा रही है।

देवभूमि को...

जबकि जमरानी बहुउद्देशीय परियोजना से पेयजल के साथ-साथ बिजली उत्पादन और सिंचाई के लिए जल उपलब्ध कराया जाएगा।

पीएम मोदी ने फसल बीमा योजना के तहत किसानों के खातों में 62 करोड़ की सहायता राशि जारी की। यह राशि करीब 28000 किसानों के खातों में ट्रांसफर की गई है। उत्तराखंड के वर्षगांठ पर पीएम मोदी ने एक स्मारक टिकट भी जारी किया। देहरादून पहुंचने पर देवभूमि के लोगों ने पारंपरिक ढोल-नगाड़ों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। इस मौके पर सीएम पुष्कर सिंह धामी मौजूद थे। पीएम मोदी ने वहां लगे प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। साथ ही महिला उद्यमियों और लाभार्थियों से बातचीत भी की।

चंद्रमा के गोचर से सिंह सहित अन्य राशियों को करियर में मिलेगी सफलता

सप्ताह के पहले दिन चंद्रमा के स्वराशि कर्क में आने से बेहद ही शुभ शशि योग बन रहा है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शशि राजयोग के प्रभाव से व्यक्ति को धन लाभ और करियर अपार सफलता प्राप्त होती है। यह शुभ योग कई राशियों के लिए प्रमोशन और आर्थिक लाभ के अवसर प्रदान करेगा। ऐसे में वृष राशि के जातकों के कारोबार में विस्तार होगा और निजी संबंधों में मजबूती आएगी। सिंह राशि वालों को किसी बड़े अधिकारी के आशीर्वाद से नौकरी में सफलता मिलेगी। इससे आर्थिक लाभ की प्रबल संभावना बन रही है। तुला राशि को भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और व्यापार के लिए दिन शुभ रहेगा। वहीं, मकर राशि के जातकों की अनुभवी लोगों से मुलाकात फायदेमंद साबित होती हुई दिख रही है।

मेष राशि : आर्थिक स्थिति मजबूत होगी

मेष राशि के जातकों के लिए दिन शुभ रहने वाला है। आपने जिस प्रकार की पृष्ठभूमि लोगों के बीच बनाई है उसी के आधार पर आपकी दिन व्यतीत होगा। दोपहर तक आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। हालांकि, कार्यक्षेत्र की धीमी गति से मानसिक तनाव पैदा हो सकता है। हर बात का दोहरा अर्थ निकलता है, इसलिए कुछ भी बोलने से पहले सावधान रहें।

वृष राशि : कारोबार में विस्तार की संभावना

आर्थिक मामलों में आज आपको तकदीर का पूरा साथ मिलेगा। कारोबार में भी विस्तार होता दिख रहा है। त्रिपक्षीय साझेदारी करने की स्थिति आज के दिन बन सकती है। हालांकि, निजी संबंधों के मामले में त्रिपक्षीय रिश्ते अनुकूल साबित नहीं होंगे। एक नया दोस्त आपके प्रति आकर्षित हो सकता है। लेकिन वह अपनी भावनाओं को आपके सामने नहीं रख पाएगा। आपको संसाधन जुटाकर अपनी आर्थिक स्थिति को सशक्त करने का प्रयास करना चाहिए। तभी समाज में आपका रुतबा बरकरार रहेगा।

मिथुन राशि : संभलकर रहने की जरूरत

मिथुन राशि के जातकों को आज के दिन थोड़ा संभलकर रहने की जरूरत है। ऐसे में आपको अपनी प्रतिभा पर भरोसा रखना होगा। इस बात को यह याद रखे कि कुछ कर दिखाने के लिए ज्यादा तामझाम की जरूरत नहीं होती है। आज के दिन न चाहते हुए भी आपको कुछ ऐसा काम करना पड़ेगा जो दूसरों के लिए असुविधाजनक हो सकता है। ऐसे में आज के दिन अधिक सावधानी बरतें।

कर्क राशि : अपनी सेहत का ख्याल रखें

कर्क राशि के जातकों के लिए आज का दिन कुछ परेशानी से भरा रहने वाला है। आज सुबह से ही कुछ प्रतिकूल समय आपके लिए चल रहा है। आज आपको स्वास्थ्य संबंधी किसी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में आपके लिए जरूरी है कि दिन के पहले हिस्से में डॉक्टर से मुलाकात कर लें। सब कुछ सही रहने पर आप अपने रूटीन काम पर ध्यान केंद्रित करें।

सिंह राशि : आर्थिक लाभ होने की संभावना

सिंह राशि वालों के लिए दिन मिलाजुला रहने वाला है। इन दिनों आपका सब कुछ ठीक-ठाक ही चल रहा है। कारोबार की स्थिति भी सुधरती जा रही है। किसी बड़े अधिकारी के आशीर्वाद से नौकरी में भी आपकी स्थिति मजबूत है। इससे आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। विरोधियों और आलोचना करने वालों के दिल में अभी भी आपके लिए गुबार भरा हुआ है। ऐसे में आपको सतर्क रहना होगा।

कन्या राशि : चापलूस लोगों से सावधान रहें

कन्या राशि के जातक स्वभाव से मददगार होते हैं। आप जब अच्छे मूड में होते हैं, तो दूसरों का भला करने में पीछे नहीं रहते। लेकिन आपकी यह उदारता कुछ चापलूस लोगों के लिए मौका बन सकती है। ऐसे लोग सामने से आपकी प्रशंसा और पीछे से आलोचना करते हैं। ऐसे लोगों की पहचान करें और केवल योग्य व्यक्तियों की ही सहायता करें। कार्यस्थल पर मित्रों और सहकर्मियों से चर्चा उपयोगी साबित होगी।

तुला राशि : आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा

आज का दिन करियर के लिहाज से आपके लिए खास साबित होने वाला है। अगर किसी प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे हैं तो पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। व्यापार के लिए दिन शुभ रहने वाला है। किसी प्रकार का समझौता करना चाहते हैं तो यह उचित समय है। दोपहर तक का समय नए अवसरों को लेकर आएगा। इसलिए जरूरी काम पहले निपटा लें।

वृश्चिक राशि : धोखा मिलने की संभावना है

वृश्चिक राशि के जातकों की सोच के विपरीत कुछ काम होते दिख रहे हैं। जिस व्यक्ति को आप सज्जन समझते हैं वहीं आपको धोखा देता हुआ नजर आ रहा है। आज के दिन भी कुछ ऐसी ही घटना आपको परेशान कर सकती है। बाकी का दिन आपके लिए मिश्रित फलदायक रहने वाला है। दिन के खत्म होते-होते कोई अच्छा समाचार सुनकर आपकी निराशा खत्म होगी।

धनु राशि : छोटे लाभ के अवसर प्राप्त होंगे

पिछले कुछ दिनों से काम में आ रही रुकावटों पर आज ब्रेक लगेगा। आज हालात में सुधार होता दिख रहा है। इसके बाद भी किसी अनावश्यक चिंता से मन में भय बना रह सकता है। ऐसे में सकारात्मक सोच रखें और खुद पर भरोसा बनाए रखें। दोपहर के बाद कार्यक्षेत्र में थोड़ी भागदौड़ की स्थिति रहेगी। दिन के अंत तक भाग्य का थोड़ा साथ मिलेगा। इस दौरान आपको कुछ छोटे लाभ के अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

मकर राशि : भविष्य में बड़े अवसर मिलेंगे

आज का दिन आपके बौद्धिक क्षमता को बढ़ाने वाला होगा। कार्यक्षेत्र में नई जानकारी और अनुभव से आपको लाभ होगा। समाज में प्रतिष्ठित और अनुभवी लोगों से मुलाकात फायदेमंद साबित हो सकती है। इससे भविष्य में बड़े अवसर मिल सकते हैं। परिवार या प्रियजनों की ओर से भी शुभ समाचार मिलने की संभावना है। इस दौरान किसी धार्मिक या सामाजिक कार्य की योजना बनाते समय आपकी राय को विशेष महत्व दिया जाएगा।

कुंभ राशि : भागदौड़ की स्थिति बनी रहेगी

आज का दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में समय पर सभी जिम्मेदारियों को पूरा करने की दौड़ बनी रहेगी। आप अपने लक्ष्यों को पूरा करने में पूरी मेहनत करेंगे। हालांकि कुछ नजदीकी लोग आपकी चिंता को बढ़ा सकते हैं। ऐसे में धैर्य बनाए रखें और अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान दें। यदि आप किसी प्रेम संबंध में फंसे हैं, तो अब फैसला लेने का सही समय है।

मीन राशि : काम में रुकावटें आएंगी

मीन राशि के जातकों के स्वास्थ्य में आज के दिन थोड़ी गिरावट देखने को मिलेगी। दिन के पहले हिस्से में बहुत सारे काम एक साथ आपके सामने आ जाएंगे। जहां तक हो सके महत्वपूर्ण कार्यों को पहले पूरा करना आपके लिए अच्छा रहेगा। दोपहर बाद समय आपके लिए ठीक नहीं रहेगा। ऐसे में बने बनाए काम में भी रुकावटें पैदा हो सकती हैं। ऐसे में मित्रों का सहयोग लेना आपके लिए जरूरी होगा।

भगवान राम को अर्जुन ने किया चैलेंज, हनुमानजी ने यूं एक मिनट में अर्जुन का अहंकार चकनाचूर कर दिया

रामायण काल में माता सीता को रावण की कैद से छुड़वाने के लिए लंका तक पहुंचने के लिए सेतु का निर्माण किया गया था। सारी वानर सेना ने मिलकर पत्थरों से सेतु का निर्माण किया था। लेकिन एक बार महाभारत काल के अर्जुन रामेश्वरम के पास से गुजर रहे थे। तभी उनसे एक ऐसा अपराध हुआ कि भगवान हनुमान ने उनका अहंकार 1 मिनट में चकनाचूर कर दिया और अपनी गलती का अहसास होने पर अर्जुन अग्नि में प्रवेश कर आत्मदाह करने को तत्पर हो गए। उस समय बजरंगबली ने भगवान कृष्ण को पुकारा और अर्जुन के प्राण बचाए।

अर्जुन ने हनुमानजी की तपस्या की भंग

महाभारत काल के अर्जुन अपने रथ पर सवार होकर रामेश्वरम से गुजर रहे थे। वहां उन्होंने एक कपि को रामसेतु पर बैठकर तपस्या करते हुए देखा और उनकी तपस्या को भंग करने के लिए तीर चला दिया। अर्जुन ने उस वक्त इस बात का ख्याल नहीं किया की वहां कौन बैठा और वो कौन हैं। तीर चलाने के बाद अर्जुन ठहाका मारकर हंसने लगे। कपि के रूप में वहां भगवान हनुमान बैठे हुए थे।

रामसेतु के निर्माण पर उठाया सवाल

हनुमानजी ने जब अर्जुन से उनके हंसने का कारण पूछा तो उन्होंने जवाब दिया कि मुझे इन पत्थरों को देखकर बहुत हंसी आ रही है। प्रभु श्रीराम एक धनुर्धर थे तो उन्होंने ईंटों की जगह अपने बाणों से सेतु का निर्माण क्यों नहीं किया। तब कपि के रूप में बैठे बजरंगबली ने इस बात को समझाया कि भगवान राम की सेना में एक से एक बलशाली वानर शामिल हैं। ऐसे में उनका वजन तीरों से बना सेतु नहीं उठा पाता। यही कारण है कि पत्थरों से इसका निर्माण किया गया।

अहंकार में अर्जुन ने बजरंगबली को दी चुनौती

बजरंगबली की बात सुनकर अर्जुन को अहंकार हुआ और उन्होंने कहा की मैं बाणों का सेतु बनाकर उस पर रथ चलाकर यहां तक आया हूं। तभी अर्जुन ने हनुमानजी को चैलेंज किया कि मैं तीरों से सेतु बनाकर दिखाता हूं और अगर तुम्हारे अंदर दम है तो इसे तोड़कर दिखाओ। ऐसा करने पर में खुद को सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर नहीं मानूंगा। इसके बाद, अर्जुन में अपने तीरों से सेतु का निर्माण किया।

हनुमानजी ने 1 मिनट में यूं तोड़ा अर्जुन का अंहकार

अर्जुन द्वारा बनाए गए बाणों के सेतु पर जब हनुमान जी खड़े हुए तो 1 मिनट में ही सेतु टूट गया। ऐसा होते देख अर्जुन बहुत निराश हो गए और फिर, बजरंगबली ने उन्हें उनकी गलती अहसास दिलाया। अपनी विद्या के घमंड में उन्होंने भगवान राम की विद्या पर संदेह किया और प्रभु श्रीराम को चैलेंज किया। अपनी गलती की क्षमा मांगते हुए अर्जुन इतने आत्मग्लानि हो गए कि बाणों से भयानक अग्नि प्रज्वलित करके उसमें अपना आत्मदाह करने को तैयार हो गए।

अर्जुन हुए आत्मदाह करने को तैयार

भगवान हनुमान ने प्रश्न किया की आप ये क्या कर रहे हैं, तब अर्जुन बोले की मेरे अहंकार का कारण मेरी यह विद्या ही है। ऐसे में इस विद्या के साथ ही अपना आत्मदाह कर लूंगा। उस समय ऐसा होने से रोकने के लिए हनुमानजी ने भगवान कृष्ण का स्मरण किया और उन्हें पुकारा। तब कृष्णजी ने आकर अर्जुन की जान बचाई। कहा जाता है कि स्वयं श्रीकृष्ण ने ही हनुमानजी को अर्जुन का घमंड दूर करने के लिए भेजा था।

श्रीकृष्ण जी ने ऐसे बचाई अर्जुन की जान

भगवान कृष्ण ने अर्जुन से कहा की तुम आत्मदाह इसलिए करना चाहते हो क्योंकि तुमने मुझे चुनौती दी। लेकिन ऐसा करके तुम मेरे द्वारा बनाए गए प्रकृति के नियमों को तोड़ रहे हो। किसी भी मनुष्य को यह अधिकार नहीं है कि वह खुद को अपने कर्मों की सजा या फल दे। इससे तुम भगवान की नीति में हस्तक्षेप करोगे। कुछ इस प्रकार भगवान हनुमान ने अर्जुन का अहंकार तोड़ा और श्रीकृष्ण ने उनके प्राण बचाए।

साल 2026 में मिथुन राशि को मिलेगा लव लाइफ में सरप्राइज, क्या पूरी होगी मन की बात?

मिथुन राशि के जातकों के मन में साल 2026 में अपनी लव लाइफ को लेकर कई सारी इच्छाएं, अपेक्षाएं और प्रश्न होंगे। लेकिन इस साल में ग्रहों के गोचर आपके जीवन में कई सारे सरप्राइज लेकर आ सकते हैं। कुछ ऐसा भी हो सकता है जिसके बारे में आपने ज्यादा सोचा भी न हो। बता दें कि यह साल लव लाइफ के मामले में मिलाजुला रहने वाला है। शुरुआत में आपको कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही, समस्याएं भी सामने आएंगी जिनका समाधान एक साथ शांति से निकालना जरूरी होगा। अनावश्यक झगड़े रिश्ते में दूरियां ला सकते हैं। ऐसे में एक दूसरे को समझना जरूरी होगा। वहीं, जो लोग इस साल शादी करने का प्लान बना रहे हैं उनके लिए अंतिम महीने अनुकूल रहेंगे। वैवाहिक जीवन और लव लाइफ में साल की शुरुआत में परेशानियां आएंगी लेकिन मध्य भाग में स्थिति बेहतर होने लगेगी और पार्टनर के साथ आपका प्रेम गहरा होगा। दोनों के बीच का रोमांस भी बढ़ेगा और दूरियां कम होने लगेंगी। लेकिन इसके लिए आपसी समझ और तालमेल बनाए रखना आवश्यक होगा।

मिथुन लव राशिफल 2026 विवाहित लोगों के लिए

मिथुन राशि वालों के लिए साल 2026 की शुरुआत वैवाहिक जीवन के मामले में खट्टे-मीठे अनुभवों से भरी होगी। गुरु वक्री रहेंगे जिसके प्रभाव से और शनि की छाया होने से आपके रिश्ते में मतभेद और गलतफहमियां उत्पन्न हो सकती हैं। ऐसे में आपसी समझ बनाए रखना बेहद जरूरी होगा, अन्यथा बात ज्यादा बढ़ सकती है। इस अवधि के दौरान अपने जीवनसाथी की भावनाओं को समझना आवश्यक होगा। इससे पूरे साल आपके शादीशुदा जीवन में स्थिरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के साथ समय सामान्य व्यतीत होगा। हालांकि, फिर भी बीच-बीच में नोकझोंक हो सकती है।

मिथुन राशि के लिए शादीशुदा जीवन में जनवरी और जून का महीना बेहतरीन रहने वाला है। इस दौरान आपकी लाइफ में रोमांस बढ़ेगा और जीवनसाथी के साथ सुकून भरे पल व्यतीत करेंगे। साल के मध्य में छोटी-छोटी असहमतियों के चलते बड़े विवाद उत्पन्न हो सकते हैं। ऐसे में एक-दूसरे को समझने का प्रयास करना होगा। वहीं, जून के महीने में गुरु जब राशि परिवर्तन करेंगे तो आपके वैवाहिक जीवन में सुख-शांति दस्तक देने लगेगी। स्थितियां बेहतर होंगी और दोनों के रिश्ते में मिठास बढ़ेगी। इस अवधि के दौरान आप जीवनसाथी को अच्छी तरह समझ सकते हैं। जिससे लव लाइफ में पॉजिटिविटी आने लगेगी। अगर एक दूसरे को समझकर पुरानी समस्याओं का समाधान निकालने की कोशिश करेंगे तो रिश्ते में प्रेम गहरा होता जाएगा।साल के अंत में आपसी सम्मान और प्रेम दोनों में वृद्धि होगी। गुरु का दूसरा गोचर आपके वैवाहिक जीवन को खुशहाल बनाएगा और एक-दूसरे की भावनाओं को अच्छी तरह समझ पाएंगे। इस अवधि के दौरान दोनों के बीच की दूरियां भी समाप्त होंगी और जरूरत पड़ने पर जीवनसाथी आपके साथ खड़े रहेंगे। ऐसे में आप अकेलापन या निराश महसूस नहीं करेंगे।

मिथुन लव राशिफल 2026 अविवाहित लोगों के लिए

मिथुन राशि के जो जातक साल 2026 में शादी करने या अपने रिश्ते को आगे बढ़ाने के बारे में सोच रहे हैं उनके लिए पहले अच्छी तरह सोच-विचार करना जरूरी होगा। जल्दबाजी में या बिना सोचे-समझे फैसले लेने से आपको समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। शादी के रिश्ते या लव लाइफ को आगे बढ़ाने के मामले में साल की शुरुआत का समय आपके लिए अनुकूल नहीं होगा। ऐसा भी हो सकता है की परिवार की ओर से कोई अच्छा रिश्ता आ जाए और आपको सब सही लगे, लेकिन तब भी सोच-समझकर फैसला लेना जरूरी होगा।

धैर्य और शांति बनाए रखने से अच्छी तरह सोच-समझकर आप सही निर्णय ले पाएंगे। गुरु के दूसरे गोचर के पश्चात आखिरी के तीन महीने किसी रिश्ते, सगाई या विवाह जैसे कार्यों के लिए अनुकूल साबित हो सकते हैं। अगर आपकी लव लाइफ में कोई गलतफहमियां या समस्याएं चल रही हैं तो उसे इस अवधि के दौरान बातचीत के जरिए दूर करना जरूरी होगा। इस साल में आपका किसी खास व्यक्ति के प्रति आकर्षण भी बढ़ सकता है। लेकिन फिर भी रिश्ते को आगे बढ़ाने से पहले उस व्यक्ति को अच्छी तरह जानना जरूरी होगा। इस साल कोई भी फैसला जल्दबाजी में लेने से बचना होगा, अन्यथा आपको मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। लव लाइफ के मामले में सितंबर और अक्टूबर का महीना आपके लिए बेहद सुखद रहेगा। दोनों के बीच रोमांस बढ़ेगा और प्रेम गहरा होता जाएगा।

दस से चौदह मुखी रुद्राक्ष की दिव्य शक्तियां, दूर करती हैं शनि-मंगल का दोष

सुख, शांति एवं समृद्धिदायी दस मुखी रुद्राक्ष (अधिपति नवग्रह) - भूत-प्रेत बाधा को दूर करने के लिए, शांति प्राप्ति एवं पूर्णायु के लिए, मान सम्मान की प्राप्ति के लिए, कीर्ति, विभूति एवं धन की प्राप्ति के लिए, दुर्घटना एवं अकाल मृत्यु से रक्षा के लिए, पुत्र रत्न की कामना पूर्ति के लिए, मानसिक कष्ट एवं शारीरिक निर्बलता दूर करने के लिए तथा सभी ग्रहों को प्रसन्न करने के लिए दस मुखी रुद्राक्ष धारण करना चाहिए।

संकटमोचन ग्यारह मुखी रुद्राक्ष

घर में प्रसन्नता तथा सामाजिक प्रतिष्ठा के लिए, जीवन साथी की सुरक्षा, उन्नति, सौभाग्य एवं दीर्घायु के लिए, एकादशी व्रत के समान फल प्राप्त करने के लिए, सुख-समृद्धि एवं योग साधना के लिए, वैवाहिक सुख की प्राप्ति के लिए ग्यारह मुखी रुद्राक्षा धारण करना चाहिए। कहते हैं श्रद्धा एवं विश्वास के साथ ग्यारह मुखी रुद्राक्ष को धारण करने से बन्ध्या स्त्री को भी संतानवती होने का सौभाग्य प्राप्त होता है।

सर्वबाधा विनाशक बारह मुखी रुद्राक्ष

मानसिक व शारीरिक कष्ट दूर करने के लिए, ऐश्वर्य एवं सुख-समृद्धि के लिए, निर्भय बनने के लिए, दरिद्रता को नष्ट करने के लिए, आत्म निर्भर बनने के लिए, वाहन दुर्घटना से बचाव के लिए बारह मुखी रुद्राक्ष धारण करना चाहिए। यह रुद्राक्ष बारह ज्योतिर्लिंग एवं बारह सूर्य का प्रतीक है, यह धारण करने वाले व्यक्ति को तेजस्वी बनाता है और प्रशासनिक संचालन की प्रवीणता में मदद करता है।

समस्त ऐश्वर्य प्रदायी तेरह मुखी रुद्राक्ष

सम्पूर्ण मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए, धातु एवं रसायन क्षेत्र में सफलता के लिए, ज्ञान, तर्क, शक्ति, आध्यात्मिक उत्कर्ष और भौतिक समृद्धि की कामनाओं की पूर्ति के लिए, वशीकरण व आकर्षण के लिए, उच्च पद, मान-सम्मान एवं धनलाभ के लिए तेहर मुखी रुद्राक्ष धारण करना शुभप्रद रहता है।

शनि व मंगल दोष हारी चौदह मुखी रुद्राक्ष

बल व उत्साह वृद्धि के लिए, आरोग्य व वंश वृद्धि के लिए, शारीरिक, मानसिक व आर्थिक कष्टों के निवारण हेतु, आध्यात्मिक एवं भौतिक सुखों की प्राप्ति के लिए, कारागार जाने के भय से मुक्ति के लिए चौदह मुखी रुद्राक्ष धारण करना चाहिए। तांत्रिक धारणा के अनुसार इसमें हनुमान जी की शक्ति निहित रहती है। स्वयं भगवान शंकर भी इसे धारण करते थे। चौदह मुखी रुद्राक्ष से बनी 108 दानों की माला से जप करने से सिद्धि प्राप्त होती है।

मांगलिक धार्मिक कार्यों में धर्मपत्नी को पति के दाएं अथवा बाएं किधर बैठना चाहिए

यज्ञ, विवाह आदि सभी धार्मिक कार्यों में धर्मपत्नी को पति के दाएं हाथ की ओर ही बैठना चाहिए, क्योंकि सभी धर्मैशास्त्रकार ऐसी ही व्यवस्था देते हैं, इसका प्रमाण शास्त्रों में इस प्रकार मिलता है। इस विषय के अनेक प्रमाण धर्मशास्त्रों में वर्णित हैं। धर्मपत्नी किन-किन कार्यों में पति के दाएं हाथ बैठे और किन कार्यों में बाएं हाथ रहे, इसका सुस्पष्ट उल्लेख शास्त्रों में हैं, इस विषय में निम्नलिखित प्रमाण माननीय हैं। सभी धार्मिक और शुभ कार्यों में पत्नी का पति के दाहिनी ओर बैठना शुभ माना जाता है। यह पारंपरिक भारतीय रीति-रिवाजों को दर्शाता है जहाँ पत्नी को दाहिनी ओर बैठना शुभ माना जाता है। संस्कार विधि के अनुसार प्रमाण इस प्रकार है,

अत्रिस्मृति के अनुसार, जीवद्-भर्तरि वामांगी मृते वापि सुदक्षिणा। श्राद्धे यज्ञे विवाहे च पत्नी दक्षिणतः सदा।।

संस्कार गणपति कर्मठ गुरु के अनुसार, वामे सिन्दूरदाने च वामे चौव द्विरागमे। वामे सदैव शय्यायां भवेज्जाया प्रियार्थनी । सर्वेषु शुभकार्येषु पत्नी दक्षिणतः सदा।।

लघु आश्वलायन के अनुसार, दम्पती तु व्रजेयातां होमार्थं चौव वेदिकाम्। वरस्य दक्षिणे भागे तां वधूमुपवेशयेत्।।

गोभिल गृह्यसूत्र के अनुसार, पूर्वे कटान्ते दक्षिणतः पाणिग्राहस्योपविशति। दक्षिणेन पाणिना दक्षिणमंसमन्वारब्ध्याः घडाज्याहुर्तीर्जुहोति।

इन प्रमाणों के अनुसार धर्मपत्नी को निम्नलिखित कार्यों में पति के दाएं बिठाना चाहिए

श्रीमद् भागवत् कथा, गीतायज्ञ एवं वेद यज्ञ आदि कार्यों में पत्नी को दाऐं बैठना चाहिए।

सिन्दूर दान को छोड़कर विवाहकालीन सभी पूजा आदि कार्यों में धर्मपत्नी को दाएं बैठना चाहिए। श्राद्ध करते समय, व्रत आदि में उद्यापन में, चतुर्थी कर्म में और सभी पूजा आदि कार्यों में धर्मपत्नी को दाएं बैठना चाहिए।

नामकरण आदि संस्कारों में तथा कन्यादान के समय धर्मपत्नी को दाएं बैठना चाहिए।

पत्नी को यज्ञ, होम, व्रत, दान, स्नान, पूजा, देवयात्रा और विवाह जैसे शुभ कार्यों में पति के बाईं ओर की अपेक्षा दाहिनी ओर बैठना चाहिए। उक्त कार्यों के अतिरिक्त शेष कार्यों में धर्मपत्नी की स्थिति बाएँ मानी गई हैं। विशेषतया पूज्य लोगों के चरण धोने के समय और ब्राह्मणों से आशीर्वाद ग्रहण करते समय, यही उक्त प्रमाणों का सारांश हैं।

कथक क्वीन सितारा : जिनके नृत्य में बनारस घराने की मिठास और लखनऊ की नजाकत

कोलकाता में जन्मीं धनलक्ष्मी, जिन्हें दुनिया सितारा देवी के नाम से जानती है, भारतीय शास्त्रीय नृत्य की एक अमिट शख्सियत रहीं। कथक की 'क्वीन' या 'नृत्य सम्राज्ञी' के रूप में विख्यात सितारा देवी ने अपने जीवनकाल में न केवल कला को नई दिशा दी, बल्कि समाज की रूढ़ियों को तोड़कर महिलाओं के लिए एक मिसाल कायम की। सितारा देवी का जन्म 8 नवंबर 1920 को कोलकाता के एक वैष्णव ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता पंडित सुखदेव महाराज एक प्रसिद्ध कथक नर्तक, संस्कृत विद्वान और गुरु थे, जो बनारस घराने से जुड़े थे। घर में उन्हें 'धन्नो' कहकर पुकारा जाता था। सुखदेव महाराज ने अपनी तीन बेटियों, अलका नंदा, तारा और सितारा, को कथक सिखाया, जो उस दौर में असामान्य था। समाज में पुरुष-प्रधान मान्यताओं के कारण महिलाओं को नृत्य सिखाना वर्जित माना जाता था। फिर भी, सुखदेव महाराज ने एक नृत्य स्कूल खोला, जहां बेटियों सहित कई बच्चों को प्रशिक्षण दिया। सितारा की प्रतिभा बचपन से ही चमकने लगी। मात्र 6 वर्ष की उम्र में उन्होंने पहली सार्वजनिक प्रस्तुति दी, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गई। एक अखबार ने लिखा, 'एक बालिका धन्नो ने अपने नृत्य से दर्शकों को चमत्कृत किया।'' इस खबर ने उनके पिता को प्रेरित किया और उन्होंने धन्नो का नाम बदलकर 'सितारा देवी' रख दिया। लेकिन यह सफर आसान नहीं था। 8 वर्ष की उम्र में उनका विवाह कर दिया गया, लेकिन सितारा ने स्कूल जाने और नृत्य सीखने की जिद पकड़ ली। ससुराल वालों ने इनकार किया, तो विवाह टूट गया। समाज ने उन्हें बहिष्कृत कर दिया, लेकिन सितारा ने हार नहीं मानी।

उन्होंने पढ़ाई छोड़कर पूर्ण रूप से नृत्य पर ध्यान केंद्रित किया। 10 वर्ष की उम्र में उनकी पहली एकल प्रस्तुति हुई, जो कोलकाता के एक थिएटर में सफल रही। सितारा देवी ने कथक को केवल शास्त्रीय रूप तक सीमित न रखकर इसमें ऊर्जा, लयकारिता और भावपूर्ण अभिव्यक्ति का समावेश किया। उनकी फुटवर्क तेज, घुंघरुओं की झनकार मंत्रमुग्ध करने वाली और मुद्राएं जीवंत होती थीं। वे कथक के अलावा भरतनाट्यम, लोक नृत्यों और यहां तक कि रूसी बैले में भी निपुण थीं।

16 वर्ष की उम्र में मुंबई के आतिया बेगम पैलेस में उनके नृत्य को देखकर रवींद्रनाथ टैगोर ने उन्हें 'नृत्य सम्राज्ञी' का खिताब दिया। 1930 में वे मुंबई आ गईं, जहां निर्देशक निरंजन शर्मा ने उन्हें फिल्म 'उषा हरण' में कास्ट किया। सितारा ने 'दुर्गा', 'वीर बाबरू', 'जवानी की आवाज' जैसी फिल्मों में अभिनय और कोरियोग्राफी की। 'मदर इंडिया' में उनके गीत 'दुख भरे दिन बीते' की कोरियोग्राफी प्रसिद्ध हुई। 'मुगल-ए-आजम' के 'मुझे पनघट पे नंदलाल' में भी उनका योगदान था। लेकिन शास्त्रीय नृत्य पर असर पड़ने से उन्होंने फिल्में छोड़ दीं। इसके बजाय, वे रॉयल अल्बर्ट हॉल (लंदन), विक्टोरिया मेमोरियल और विश्व महोत्सवों में प्रस्तुतियां देने लगीं। उन्होंने कथक को पुनर्जीवित किया, जो मुगल काल के बाद लुप्तप्राय हो गया था।

सितारा देवी ने मधुबाला, रेखा, माला सिन्हा और काजोल जैसी अभिनेत्रियों को कथक सिखाया। उनकी शैली में बनारस घराने की मिठास और लखनऊ की नजाकत का मिश्रण था। उन्होंने रातभर चलने वाली कथक महफिलों को पुनः जीवंत किया। सितारा देवी को पद्मश्री (1970) और अन्य पुरस्कार मिले, लेकिन उन्होंने पद्म भूषण ठुकरा दिया, क्योंकि उन्हें लगा कि यह उनके योगदान के अनुरूप नहीं। सांगली सम्मेलन में उन्हें 'कथक रत्न' कहा गया। लेकिन निजी जीवन दर्द भरा रहा।

पहली शादी टूटने के बाद उन्होंने नाजिर अहमद खान से विवाह किया, जो 16 वर्ष बड़े थे। इसके लिए उन्होंने अपना धर्म भी बदल लिया। यह वैवाहिक जीवन भी असफल रहा। फिर भी, नृत्य ने उन्हें सहारा दिया। 25 नवंबर 2014 को 94 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया, लेकिन उनकी नृत्य कला आज भी लाखों दिलों में बसती है। सितारा देवी की विरासत आज भी प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने कथक को लैंगिक बंधनों से मुक्त किया और महिलाओं को कला में आगे बढ़ने का साहस दिया।

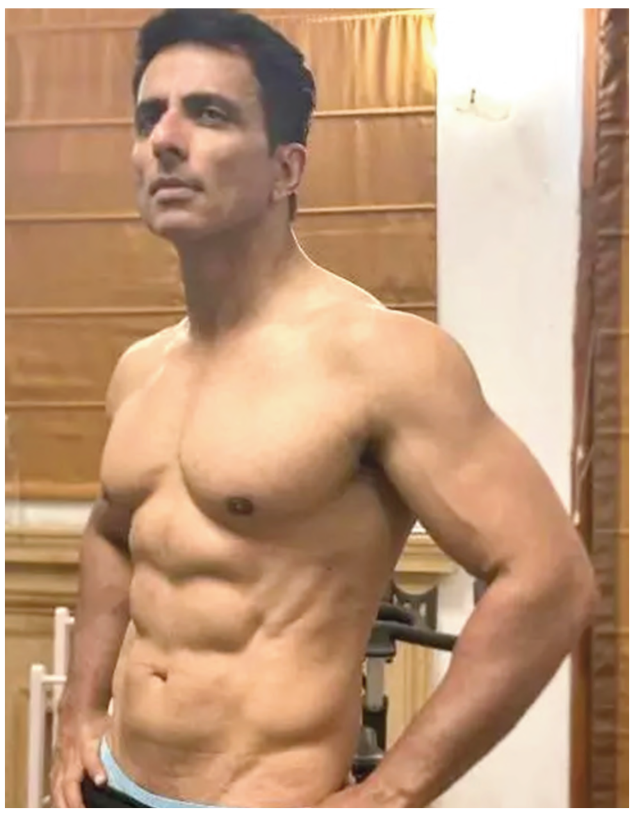

फिल्म फतेह के लिए सोनू सूद ने हर सीन को परफेक्ट बनाने के लिए की थी खूब मेहनत

बॉलीवुड फिल्मों और अपने सामाजिक कार्यों के लिए विख्यात एक्टर सोनू सूद बिहार में अपनी अनटाइटल फिल्म की शूटिंग में बिजी हैं। एक्टर को बिहार की यात्रा करते हुए देखा गया। अब उन्होंने अपनी खास फिल्म 'फतेह' की मेकिंग पोस्ट की है, जिसमें अभिनेता फिल्म के हर सीन को परफेक्ट बनाने के लिए कड़ी मेहनत करते दिख रहे हैं। अभिनेता सोनू सूद ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो को री-पोस्ट किया है जिसमें उन्होंने 'फतेह' की मेकिंग वीडियो पोस्ट की है। वीडियो में एक्टर हर सीन को परफेक्ट और रियल बनाने के लिए बारीकियों पर ध्यान दे रहे हैं। वीडियो में सोनू रेगिस्तान में एक्शन सीन फिल्मा रहे हैं, जिसमें गाड़ियों का स्टंट होना है। इसके अलावा, वे एक शख्स के साथ एक्शन करते भी दिख रहे हैं। इस वीडियो को एक्टर के फैन पेज ने पोस्ट किया है, जिसके कैप्शन में लिखा है, लाइट्स, कैमरा और बीटीएस। एक मास्टरपीस बनाने में क्या-क्या करना पड़ता है और कितनी मेहनत लगती है। सोनू सूद ने फिल्म 'फतेह' में सिर्फ बतौर एक्टर काम नहीं किया बल्कि फिल्म का निर्देशन भी किया। इसी वजह से एक्टर की ये फिल्म उनके दिल के बहुत करीब है। 'फतेह' 10 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। सोनू सूद और जैकलीन फर्नांडीज ने मिलकर फिल्म का जबरदस्त प्रमोशन किया था, लेकिन फिल्म बड़े पर्दे पर ज्यादा कमाल नहीं दिखा पाई। फिल्म का बजट लगभग 30 से 40 करोड़ के बीच बताया गया, लेकिन फिल्म सिर्फ बजट निकालने में ही कामयाब रही, जिसके बाद मेकर्स ने फिल्म को दो महीने बाद ही ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर रिलीज कर दिया। एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'फतेह' कोविड-19 महामारी के दौरान हुए साइबर क्राइम के मुद्दों पर बनी है।

फिल्म में सोनू ने पूर्व स्पेशल टास्क फोर्स अधिकारी का रोल प्ले किया है, जो गांव में शांति से अपनी जिंदगी बिता रहा है, लेकिन उनके गांव में अचानक साइबर अपराध सिंडिकेट एक्टिवेट हो जाता है और उस गैंग को पकड़ने के लिए सोनू सूद खुशी यानी जैकलीन फर्नांडीज की मदद लेते हैं। फिल्म में जबरदस्त एक्शन और खून-खराबा देखने को मिला है। सोनू सूद फिल्मों पर फोकस करने के अलावा सामाजिक कल्याण के कार्यों से भी जुड़े रहते हैं। वे कोविड के समय से ही लगातार जरूरतमंदों की मदद कर रहे हैं। हाल ही में पंजाब में आई भयंकर बाढ़ में हजारों घर उजाड़ दिए। एक्टर ने पीड़ित परिवारों की आर्थिक मदद की है।

आयुर्वेद ने बदली तमन्ना भाटिया की जिंदगी

तमन्ना भाटिया अपनी एक्टिंग के लिए तो जानी ही जाती है, लेकिन उनकी खूबसूरती और फिटनेस हमेशा चर्चा का विषय रही हैं। एक्ट्रेस घंटों शूटिंग के दौरान काम करती हैं लेकिन फिर भी एनर्जेटिक महसूस करती हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि तमन्ना आयुर्वेद की पुरानी पद्धति को फॉलो करती हैं? आयुष मंत्रालय ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर तमन्ना भाटिया का वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने ऑयल पुलिंग और आयुर्वेद द्वारा उनके जीवन में आए बदलावों पर बात की है। वीडियो में तमन्ना कहती हैं, आयुर्वेद पिछले एक साल से मेरी जिंदगी का जरूरी हिस्सा रहा है। मैंने आयुर्वेद का सहारा लेकर डाइट और जीवनशैली में बदलाव किया। इन बदलावों ने मेरी जिंदगी को पूरी तरह बदल दिया। मुझे लगता है कि हम लोग प्राचीन पद्धति को हल्के में लेते हैं, लेकिन इस सोच को बदलने की जरूरत है, खासकर आज की पीढ़ी के लिए।

उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि किसी भी पीढ़ी को उतनी आयुर्वेद की जरूरत महसूस नहीं हुई है जितनी हमारी पीढ़ी को हो रही है। हमें सबसे पहले अपनी जीवनशैली को बदलने की जरूरत है क्योंकि वो टॉक्सिक हो गई है। बीते साल मैंने ऑयल पुलिंग सीखा और कोविड के समय ये भी जाना कि कैसे धीरे-धीरे चबाते हैं। ये चीजें सुनने में बहुत सिंपल लगती हैं, लेकिन यहीं चीजें गलत तरीके से की जाएं तो हेल्थ को बहुत प्रभावित करती हैं।

बता दें कि ऑयल पुलिंग मुंह की बदबू और संक्रमण से बचने का बेहतरीन आयुर्वेदिक उपाय है। इसके लिए नारियल, जैतून या बादाम का तेल लेकर 3-5 मिनट मुंह के अंदर रखना होता है और उसे चारों तरफ घुमाना होता है। ये प्रक्रिया दांत और जीभ को साफ करने के बाद करनी होती है। इसे करने से जितनी भी गंदगी दांतों में बची होती है, वो ऑयल के जरिए बाहर आ जाती है।

तमन्ना ने वीडियो में खाने को धीरे चबाने की बात भी की है। आयुर्वेद में इस बात का जिक्र किया गया है कि खाने के एक कौर को तकरीबन 15 से 20 बार चबाना चाहिए। जितने अच्छे तरीके से खाना चबाया जाएगा, उतना अच्छे से ही खाना पचता है।

सुलक्षणा पंडित को जितनी शोहरत और पहचान मिलनी चाहिए थी, उतनी नहीं मिल पाई : पूनम ढिल्लों

बॉलीवुड की सत्तर और अस्सी के दशक में अपनी खूबसूरती, मधुर आवाज और बेहतरीन अदाकारी से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाली दिग्गज अभिनेत्री और गायिका सुलक्षणा पंडित का निधन हो गया। उन्होंने गुरुवार को मुंबई के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। अभिनेत्री का अंतिम संस्कार मुंबई में किया गया, जहां फिल्म जगत के कई जाने-माने कलाकार उपस्थित रहे। सभी ने नम आंखों से विदाई दी। इस मौके पर बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री पूनम ढिल्लों भी पहुंची। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए अपनी भावनाएं साझा की और कहा, ''सुलक्षणा एक बेहतरीन अभिनेत्री और अद्भुत गायिका थीं। उन्होंने अपने जीवन में बहुत मुश्किलों का सामना किया। शुरुआती दिनों में सब कुछ बहुत अच्छा चल रहा था, लेकिन धीरे-धीरे उनकी हालत बदतर होती चली गई।''

पूनम ढिल्लों ने कहा कि सुलक्षणा को जितनी शोहरत और पहचान मिलनी चाहिए थी, उतनी नहीं मिल पाई, जबकि उनके अंदर असाधारण प्रतिभा थी।

पूनम ने आगे कहा, ''सुलक्षणा के परिवार ने, खासकर उनकी बहन विजयता पंडित और भाइयों जतिन-ललित ने, उनके आखिरी दिनों तक उनकी अच्छे से देखभाल की।''

पूनम ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, ''मैं हमेशा विजयता से कहती रही हूं कि भगवान हर किसी को तुम्हारे जैसी बहन दे। मैं बस यही प्रार्थना करती हूं कि सुलक्षणा जहां भी हों, उन्हें शांति मिले।'' सुलक्षणा की बात करें तो उनका जन्म संगीत से जुड़े परिवार में हुआ था। वे मशहूर शास्त्रीय गायक पंडित जसराज की भतीजी थीं। उनके परिवार में कला और संगीत का माहौल शुरू से था। उनकी बहन विजयता पंडित ने भी फिल्मों में अभिनय किया, और उनके भाई जतिन-ललित हिंदी सिनेमा की मशहूर संगीतकार जोड़ी बने। सुलक्षणा ने अपने करियर की शुरुआत गायिका के रूप में की थी। उनका पहला लोकप्रिय गाना 1967 में आई फिल्म तकदीर का 'सात समंदर पार से' था, जिसे उन्होंने लता मंगेशकर के साथ गाया था। इस गाने ने उन्हें पहचान दिलाई और संगीत जगत में उनकी जगह मजबूत की। गायन के बाद उन्होंने अभिनय की ओर रुख किया और 1975 में फिल्म 'उलझन' में अहम किरदार निभाया। इसके बाद वह 'हेरा फेरी', 'वक्त की दीवार', 'अपनापन', और 'खानदान' जैसी फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने अपने समय के दिग्गज कलाकारों राजेश खन्ना, जितेंद्र, विनोद खन्ना, शशि कपूर और शत्रुघ्न सिन्हा के साथ काम किया। अपने अभिनय के साथ-साथ उन्होंने गायकी में भी योगदान जारी रखा और 1976 में फिल्म 'संकल्प' के गीत 'तू ही सागर तू ही किनारा' के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। सुलक्षणा का आखिरी प्लेबैक सॉन्ग 1996 में आई फिल्म 'खामोशी: द म्यूजिकल' के लिए था, जिसका संगीत उनके भाइयों जतिन-ललित ने तैयार किया था। इसके बाद वह धीरे-धीरे फिल्मी दुनिया से दूर होती चली गईं।

खेसारी के 'पत्नी को बहन' बनाने वाले बयान पर रानी चटर्जी ने कसा तंज, कहा

हमेशा विक्टिम कार्ड प्ले करते हैं

भोजपुरी क्वीन रानी चटर्जी अपने बेबाक बयानों के लिए जानी जाती हैं। अब बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने भोजपुरी स्टार और राजद उम्मीदवार खेसारी लाल यादव को खरी-खरी सुनाई है। रानी चटर्जी ने खेसारी द्वारा 'पत्नी' और 'बहन' को लेकर दिए बयान को विक्टिम कार्ड प्ले करना बताया है। रानी चटर्जी ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक वीडियो पोस्ट की है, जिसमें खेसारी लाल यादव बिहार की सुरक्षा और रिश्तों पर बात कर रहे हैं। खेसारी कहते हैं, मैं अपनी पत्नी से घर में बहुत प्यार भी करता हूं, लेकिन जब बाहर जाता हूं, तो एक भाई की तरह जाता हूं कि इस बहन की सुरक्षा करनी है।

सिंगर के इस बयान को बहुत वायरल किया जा रहा है और सोशल मीडिया पर मीम्स भी बनने शुरू हो चुके हैं।इसी बयान वाले वीडियो को री-पोस्ट कर रानी चटर्जी ने खेसारी पर निशाना साधा है। उन्होंने लिखा, मतलब पति बनकर आप सुरक्षा नहीं कर सकते? क्या बकवास है, हे भगवान, ये सब क्या सुनना पड़ रहा है। खेसारी जी, मतलब कितनी बकवास। इन्हें कोई अच्छा सलाहकार दे दिया जाए, जो इनको बता सके कि इंटरव्यू में क्या बोलना चाहिए। उन्होंने आगे लिखा, ये हमेशा विक्टिम कार्ड प्ले करते हैं।

इससे पहले इसी बयान को लेकर पवन सिंह भी खेसारी को आड़े हाथ ले चुके हैं। उन्होंने मीडिया के सामने कहा था कि खेसारी लाल यादव की कोई गारंटी नहीं है, कब बीवी को बहन बना लें और कब बहन को बीवी बना लें।

बता दें कि रानी चटर्जी और खेसारी लाल यादव एक समय पर बहुत अच्छे को-स्टार हुआ करते थे, लेकिन दोनों के बीच विवाद की खबरें आईं और दोनों ने स्क्रीन पर साथ दिखना बंद कर दिया। रानी ने खेसारी और आकांक्षा पुरी के जिम वीडियो को भी रोस्ट किया था और कहा था कि ऐसे जिम कौन करता है? जिम तो हर कोई करता है, लेकिन ऐसा आज तक नहीं देखा।

इसके साथ ही रानी चटर्जी नई फिल्मों की शूटिंग में भी बिजी हैं। उन्होंने हाल ही में 'यूपी वाली बिहार वाली' फिल्म की शूटिंग शुरू की है। उन्होंने फिल्म के सेट से पूजा-पाठ की वीडियो भी पोस्ट की थी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

उपहार और कार्यक्षेत्र में चुनौती यह दिन अपनों के साथ उपहारों का लेन-देन करने के लिए अच्छा है। नौकरीपेशा जातकों को कार्यक्षेत्र में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप अनजाने में कोई गलती कर सकते हैं, जिसके कारण सीनियर्स की डांट सुननी पड़ सकती है। कारोबारियों के लिए दिन सामान्य रहेगा। जो लोग पहले व्यस्त थे, उन्हें कुछ खाली समय मिल सकता है, लेकिन घर के काम आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

धन प्रबंधन और वाद-विवाद से बचाव आज धन बचाने के आपके प्रयास असफल हो सकते हैं, लेकिन घबराएँ नहीं, स्थिति जल्द ही सुधरेगी। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा करें। उन लोगों से जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। ज़रूरी काम आ जाने के कारण आप प्रेमी को समय नहीं दे पाएंगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आर्थिक सुधार और तरक्की के योग आपका रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आपका जीवनसाथी ज़िंदगी में सकारात्मक बदलाव लाने में मददगार होगा। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे-छोटे तोहफ़े दें। कार्यक्षेत्र में आपके पुराने काम की तारीफ हो सकती है, और आपके काम को देखते हुए तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से सलाह ले सकते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अतिरिक्त कमाई और पारिवारिक उत्साह अगर आप सूझ-बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी। दूसरों के सामने आदर्श स्थापित करने के लिए ख़ुद को बेहतर बनाने की कोशिश जारी रखें। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आप आज घरवालों को समय देने के बारे में सोचेंगे, लेकिन किसी अचानक काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सावधान रहें और कलह से बचें आज आपके ऑफिस का कोई सहकर्मी आपकी कीमती वस्तु चुरा सकता है, इसलिए आपको अपना सामान ध्यान से रखने की ज़रूरत है। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है; ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। शाम के वक्त आप किसी करीबी के घर वक्त बिताने जा सकते हैं, लेकिन उनकी कोई बात बुरी लगने पर आप तय समय से पहले वापस लौट सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत, दान और निवेश में सतर्कता हृदय-रोगियों को सतर्कता के साथ योगा प्राणायाम करना चाहिए। आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है, लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे मानसिक शांति मिलेगी। विवाद, मतभेद और दूसरों की कमियाँ निकालने की आदत को नज़रअंदाज़ करें। नयी परियोजनाओं और ख़र्चों को टाल दें। खाली वक्त में आज कुछ रचनात्मक कर सकते हैं। जीवनसाथी की कामकाज को लेकर व्यस्तता आपकी उदासी का कारण बन सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

सामाजिकता और कार्यक्षेत्र में प्रशंसा अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। धन संचय के लिए अपने जीवनसाथी या माता-पिता से बात करें। बच्चों के स्कूल से जुड़ा काम पूरा करने में मदद देने का वक़्त है। कार्यक्षेत्र में आज आप अच्छा महसूस करेंगे। आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी खुश होगा। कारोबारी भी आज मुनाफा कमा सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

थकान, पैसों की सलाह और आत्मीयता सबकी मदद करने की आपकी इच्छा आपको आज बुरी तरह थकाएगी। आज आपको पैसों से जुड़ी कोई समस्या आ सकती है, जिसे सुलझाने के लिए आप पिता या पितातुल्य किसी व्यक्ति से सलाह ले सकते हैं। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल-मोल कर ही बोलें। वरिष्ठ सहकर्मी और रिश्तेदार मदद का हाथ बढाएंगे। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना-जुलना होगा। आप अपने जीवनसाथी से काफ़ी आत्मीय बातचीत कर सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

स्वास्थ्य लाभ और गोपनीय कारोबार जल्दी ही बीमारी से उबरने की संभावना है। समय और धन की कद्र करें, नहीं तो आने वाला वक्त परेशानियों भरा रह सकता है। कारोबारी अपने कारोबार से जुड़ी बातों को किसी से शेयर न करें, अन्यथा मुश्किल में पड़ सकते हैं। इस राशि के उम्रदराज जातक आज खाली समय में अपने पुराने मित्रों से मिलने जा सकते हैं। आपके आस-पास के लोग कुछ ऐसा करेंगे, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

स्वास्थ्य पर ध्यान दें और तनाव कम करें क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें। अब वक़्त आ गया है कि आप अपना वज़न क़ाबू में करें और नियमित व्यायाम का सहारा लें। दिन के उत्तरार्ध में ज़्यादा तनाव न लें और आराम करें। कामकाज के मोर्चे पर आज का दिन काफ़ी अच्छा रहने वाला है। ज़रूरत के वक़्त आपका जीवनसाथी अपने परिवार को ज़्यादा तरजीह देता हुआ नज़र आ सकता है, जो आपको थोड़ा परेशान कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

परहेज, सामाजिकता और यात्रा से लाभ ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें और सेहतमंद रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। इस राशि के कारोबारियों को उन सदस्यों से दूर रहना चाहिए जो पैसा मांगते हैं और फिर लौटाते नहीं हैं। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ जो आपके हालात और ज़रूरतों को समझते हैं। यात्राओं से व्यावसायिक संबंधों में सुधार होगा। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है, जिसके कारण मन दुखी हो सकता है। आपका जीवनसाथी आज आपके लिए कुछ बहुत ख़ास करने वाला है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आकर्षण, सतर्कता और समय का अभाव आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है, इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। आज प्यार के मामले में सामाजिक बंधन तोड़ने से बचें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करेंगे, लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती है।

आज का पंचांग

दिनांक : 10 नवंबर 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 12:09 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु सायं 06:48 तक
योग : साध्य दोपहर 12:04 तक
करण : गर दोपहर 12:57 तक
चन्द्रराशि : मिथुन दोपहर 01:03 तक
सूर्योदय : 06:18, सूर्यास्त 05:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:16, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 05:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :- भद्रा रात्रि 12:09 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राज्यपाल प्रो.घोष ने चंडीगढ़ तमिल संगम की सेवा भावना और सांस्कृतिक प्रतिबद्धता की सराहना की

चंडीगढ़, 09 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने रविवार को चंडीगढ़ तमिल संगम की 55वीं वर्षगांठ समारोह के दौरान सामाजिक कल्याण, शिक्षा और सांस्कृतिक सद्भाव में इसके निरंतर योगदान के लिए इसकी सराहना की। इस अवसर पर हरियाणा की प्रथम महिला मित्रा घोष भी उपस्थित थीं। समारोह को संबोधित करते हुए, राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने इस ऐतिहासिक समारोह का हिस्सा बनने पर अपार प्रसन्नता व्यक्त की और याद दिलाया कि कैसे तमिल समुदाय के सदस्य लगभग छह दशक पहले चंडीगढ़ आए थे, जब स्वतंत्रता के बाद सिटी ब्यूटीफुल का निर्माण हो रहा था। उन्होंने कहा, सिटी ब्यूटीफुल के निर्माण और रखरखाव में आपका योगदान अत्यंत सराहनीय है। संगम द्वारा अपनी एमरल्ड जुबली को दान के उत्सव के रूप में मनाने की पहल की सराहना करते हुए, प्रो. घोष ने विद्या धनम पहल के माध्यम से वंचित बच्चों में शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के बच्चों की शिक्षा का समर्थन करके राष्ट्र निर्माण के प्रति आपके समर्पण को देखकर बहुत खुशी होती है।

वर्षों से संगम के निरंतर प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए, राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने जरूरतमंद छात्रों को पाठ्यपुस्तकें, नोटबुक, स्कूल बैग, स्टेशनरी और साइकिल उपलब्ध कराने में संगम की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने संगम के 'भारती के गर्मजोशी साझा करने के उत्सव' की भी प्रशंसा की, जो सर्दियों के दौरान जरूरतमंदों को ऊनी कपड़े प्रदान करता है, और इसे करुणा और दया का एक ज्वलंत उदाहरण बताया।

संगम के सांस्कृतिक महत्व पर ज़ोर देते हुए, राज्यपाल ने चंडीगढ़ के बहुसांस्कृतिक ताने-बाने में तमिल परंपराओं और मूल्यों के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने के लिए उनके प्रयासों की सराहना की। कलाकारों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा: आज का उत्सव, तमिल रीति-रिवाजों, परिधानों और परंपराओं को प्रदर्शित करते हुए, एक समृद्ध और मनमोहक सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करता है। एक पल के लिए, मुझे ऐसा लगा जैसे मैं तमिलनाडु में ही हूँ।

इससे पहले, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी जेएम बालामुरुगन ने स्वागत भाषण दिया, जबकि आईएएस सीजी रजनीकांतन ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में राज्यपाल के सचिव आईएएस डीके बेहेरा, आईएएस माधवन (सेवानिवृत्त), आईएएस राजी पी श्रीवास्तव, आईएएस राजशेखरन, शक्ति पेरुमल और चंडीगढ़ तमिल संगम के सदस्य शामिल थे।

एनडीए के पक्ष में बिहार की जनता में जबरदस्त उत्साह : सैनी

चंडीगढ़, 09 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बिहार के बगाह विधानसभा क्षेत्र में एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी के समर्थन में भव्य चुनावी रोड शो किया। इस दौरान मुख्यमंत्री के स्वागत में जनसैलाब उमड़ पड़ा। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता में एनडीए के प्रति जबरदस्त उत्साह है और जनता आगामी विधानसभा चुनाव में एक बार फिर एनडीए की सरकार चुनने जा रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में ट्रिपल इंजन की सरकार जनकल्याण और विकास के नए आयाम गढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था को और सुदृढ़ करने, युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने और विकास को नई दिशा देने के लिए एनडीए सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ शासन, पारदर्शिता और जवाबदेही प्रशासन की नीति को ध्यान में रखते हुए बिहार की जनता इस बार भी एनडीए को चुनाव में कामयाबी दिलाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार ने हमेशा सुशासन को प्राथमिकता दी है। एनडीए सरकार ने प्रदेश में विकास की गति तेज की, कानून का राज कायम किया और बेटियों की सुरक्षा, शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने एनडीए पर भरोसा जताकर उसे शासन का अवसर दिया और आज उसके परिणाम सबके सामने हैं। विकास हो रहा है, सुरक्षा और स्थिरता का माहौल है।

उन्होंने कहा कि बिहार में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनने से राज्य को ट्रिपल इंजन की ताकत मिलेगी, जिससे विकास और तेजी से होगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे एनडीए गठबंधन को सफल बनाएं और सुशासन की इस यात्रा को निरंतर बनाए रखें। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि जनता अपने आशीर्वाद से एनडीए को फिर से जनादेश देगी और बिहार को विकास के नए पथ पर आगे बढ़ाएगी।

कांग्रेस झूठ और भ्रम की राजनीति करती है, जनता अब गुमराह नहीं होगी : अनिल विज

चंडीगढ़, 09 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी पर लगाए गए आरोपों को निराधार, भ्रामक और भड़काऊ बताते हुए कहा कि कांग्रेस का काम ही झूठ फैलाना और भ्रम पैदा करना है, जबकि भाजपा जनता के विश्वास पर खरा उतरने वाली पार्टी है। विज मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे। फर्जी वोट कांग्रेस की संस्कृति है, भाजपा की नहीं – विज

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए अनिल विज ने कहा कि यह कांग्रेस की संस्कृति है, भाजपा की नहीं। फर्जी वोट कांग्रेस वाले बनाते हैं, और हमने उन्हें कई बार पकड़ा है। राहुल गांधी आधी बात करते हैं और पूरी बात बताएं कि वोट किसे पड़े हैं, और इससे किसे फायदा हुआ है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अंबाला के साहा क्षेत्र में 223 फर्जी वोट पाए गए थे, जहां कांग्रेस का विधायक और सांसद दोनों जीते हैं। विज ने कहा कि इससे साफ है कि कांग्रेस फर्जीवाड़े से चुनावी लाभ उठाने की कोशिश करती है,कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बिहार में एनडीए सरकार पर लगाए आरोपों का जवाब देते हुए विज ने कहा कि जब हम कपड़ा खरीदते हैं तो कंपनी की पुरानी हालत देखते हैं। खड़गे जी ने खुद मान लिया कि 20 साल पहले बिहार में जंगलराज और कट्टा राज था। अब जब लालू प्रसाद यादव के पुत्र तेजस्वी यादव चुनाव हार चुके हैं, तो उन्हें अपने पिता की सेवा करनी चाहिए, जिनकी तबीयत ठीक नहीं है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी द्वारा प्रधानमंत्री मोदी पर टिप्पणी को लेकर अनिल विज ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जो कहा, वह इतिहास का उल्लेख था। उन्होंने 'कट्टों' और 'ब्रह्मोस' दोनों शब्दों का प्रयोग देश की ताकत और तुलना के संदर्भ में किया है। उन्होंने कहा कि जो इतिहास में दर्ज है उसका जिक्र किया जाएगा क्योंकि यह कट्टों से राज चलाते थे।

कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भाजपा का 'पन्ना प्रमुख' बताने वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए विज ने कहा कि यह पूरी तरह बेमतलब बात है। चुनाव आयोग का काम वोट बनाना और वोटर लिस्ट जारी करना है। लिस्ट में पन्ने होते हैं तो उसे 'पन्ना प्रमुख' से जोड़ना हास्यास्पद है। कांग्रेस बिना कारण संस्थाओं को बदनाम करने की राजनीति कर रही है।

श्री गुरु तेग बहादुर से प्रेरणा ले देश व समाज के लिए काम करें : मनोहर लाल

चंडीगढ़, 09 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय आवासन, ऊर्जा एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा है कि श्री गुरु तेग बहादुर की शहादत से प्रेरणा मिलती है कि हमें समाज, धर्म और देश के लिए काम करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री रविवार को करनाल में एनडीआरआई चौक पर श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित हिंद की चादर मैराथन को हरी झंडी दिखाने से पहले लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर के 350 साला शहीदी दिवस पर करनाल के साथ-साथ देश भर में यात्राओं का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज हजारों नौजवान 9वें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर की शहादत को नमन करने के लिए एकत्र हुए हैं। यहां आयोजित यात्रा इतिहास रच रही है। यह यात्रा केवल दौड़ नहीं बल्कि देश को आजादी कराने वालों के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त करने के लिए एक उत्साह, जज्बा व भावना है। उन्होंने कहा कि आज सैकड़ो युवाओं ने 21 किमी लंबी व 10 किमी लंबी दौड़ में हिस्सा लिया है और अब लगभग 61 हजार युवक-युवतियां 5 किमी लंबी दौड़ में भाग ले रहे हैं।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दिल्ली के चांदनी चौक स्थित गुरूद्वारा शीश गंज के स्थान पर श्री गुरू तेग बहादुर का धड़ सिर से अलग कर दिया गया था। उन्होंने गुरू साहब के शीश को दिल्ली से आनंदपुर साहिब ले जाने की घटना के दौरान हरियाणा की धरती से जुड़े एक बलिदान का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि सोनीपत जिला के बड़ख़ालसा गांव के एक नौजवान ने गुरु जी के शीश को मुगल सेना से बचाने के लिए अपना शीश अर्पित कर दिया।

ओम बिरला ने टोंक में वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागरजी महाराज का आशीर्वाद लिया

जयपुर, 09 नवंबर (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने टोंक शहर के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित हो रहे पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में शनिवार को वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागरजी महाराज का आशीर्वाद लिया। बिरला ने कहा कि टोंक की धरती आचार्य वर्धमान सागर महाराज के आने से आध्यात्मिक और धर्म की नगरी बन चुकी है। आचार्य, महात्मा,साधु और संतों के पैर जिस धरती पर पड़ते हैं, वह धरती आध्यात्मिक और धर्म के रंग में रंग जाती है। बिरला ने कहा कि आचार्य के सानिध्य में हो रहे पंचकल्याणक महोत्सव में टोंक ही नहीं, देश के विभिन्न राज्यों से हजारों श्रद्धालु आ रहे हैं। वे आचार्य के दिव्य वचनों से प्रेरणा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंचकल्याणक आत्मशुद्धि, संयम, व्रत और तपस्या का उत्सव है। इस उत्सव में आचार्य हमें जीवन के पांच शाश्वत सत्य से परिचय कराते हैं। बिरला ने कहा कि मनुष्य संसार के भौतिक साधनों में लिप्त हो कर आध्यात्मिक ज्ञान से दूर हो जाता है। ऐसे समय में हमारे अंधकारमय जीवन को संत, महात्मा, आचार्य एक दिव्य रोशनी एवं दिशा देने का काम करते हैं। साथ ही, जीवन जीने की राह भी दिखाते हैं। इसलिए जीवन में संतों का सानिध्य बेहद जरूरी है।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने ली समीक्षा बैठक

विकास कार्यों, स्वच्छता और सौंदर्यकरण को लेकर दिए निर्देश

जयपुर, 09 नवंबर (एजेंसियां)। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ सौम्या गुर्जर ने रविवार को नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। महापौर ने विकास कार्यों, स्वच्छता जीवीपी पॉइंट के सौंदर्यकरण के बारे में एक-एक कर सभी अधिकारियों से जानकारी ली साथ ही कहा कि शहर को स्वच्छ रखना हमारे लिए प्राथमिक कर्तव्य है इसके लिए सामूहिक प्रयास होने चाहिए। जीवीपी पॉइंट को क्लीन कर उनका सौंदर्यकरण करवाया जाना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में आयुक्त डॉ. गौरव सैनी, जोन एवं मुख्यालय उपायुक्त, जोन स्तर के अधिशाषी अभियन्ता मौजूद रहे। महापौर ने कहा कि जयपुर को स्वच्छ सर्वेक्षण-2025 में टॉप 3 में लाना इस बार का लक्ष्य होना चाहिए इसी के साथ महापौर ने डबल बेसमेंट पार्किंग, स्पोर्ट्स ऐकेडमी, यू एल बी क्लब सहित अन्य प्रगतिरत कार्यों के बारे में सभी जोन अधिशाषी अभियन्ताओं से विस्तृत चर्चा की तथा कार्यो को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर महापौर ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये तथा एक पेड़ माँ के नाम के तहत कदम्ब का पेड़ जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर लगाया इस अवसर पर समितियों के चैयरमेन एवं पार्षद मौजूद रहे।

करंट से दो सगे भाइयों की दर्दनाक मौत, बिजली निगम की लापरवाही पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

टोंक, 09 नवंबर (एजेंसियां)। जिले के पीपलू थाना क्षेत्र के बलखंडिया गांव में दो सगे भाइयों की रविवार सुबह खेत पर जाते समय रास्ते में टूटकर पड़े बिजली के तारों का करंट लगने से मौके पर ही मौत हो है। इसका पता आसपास के किसानों को लगा तो उन्होंने पुलिस और परिजनों को कॉल किया। फिर पीपलू डीएसपी, पीपलू व झिराना थाना प्रभारी, नायब तहसीलदार मौके पर पहुंचे और शवों को अपस्ताल लाने लगे, लेकिन तो वहां मौजूद लोगों ने बिजली निगम की लापरवाही से इनकी मौत होना बताते हुए मुआवजा और अन्य मांग पर अड हुए है। लोगों का कहना है कि पहले मृतक के आश्रितों को मुआवजा, नौकरी आदि मांगे पूरी करे,क्योंकि बिजली निगम की लापरवाही से एग्रीकल्चर की बिजली लाइन के तार टूटे पड़े थे। सुबह खेत ले जाते समय उनके टच हो गए और यह हादसा हो गया। हादसे के बाद बिजली निगम कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे और बिजली सप्लाई बंद करवाकर तारों को एक ओर करवाया। उधर घटना के करीब पांच घंटे बाद भी शव मौके पर पड़े है। अभी शवों का पोस्टमार्टम करने पर सहमति नहीं बनी है। घटना स्थल पर अभी की जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी नहीं पहुंचा है। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। मृतक चार भाई थे।

मृतक के बड़े भाई बलखंडिया ग्राम निवासी बजरंग और किशोर कुमार ने बताया कि उसके भाई रामनारायण (35) पुत्र मंगला बलाई व हरलाल (26) आज सुबह करीब छह बजे खेत पर जा रहे थे। रास्ते में भोपता नाले पर बनी नहर से होकर जा रहे थे। नहर में पानी नहीं होने से लोग खेतों में इसी नहर से होकर गुजरते है और इस नहर के ऊपर से एग्रीकचर की बिजली लाइन गुजर रही है। इसके तीनों तार टूटे पड़े थे। वहां से गुजरते समय दोनों भाई तारों के टच हो गए और करंट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इसका पता वहां से गुजरते समय किसानों को लगा तो उन्होंने सूचना दी। फिर सात बजे पुलिस, परिजन मौके पर पहुंचे।

यौन शोषण के आरोपी आसाराम को मेडिकल ग्राउंड पर 6 महीने की जमानत

जोधपुर, 09 नवंबर (एजेंसियां)। यौन शोषण के आरोपी आसाराम को मेडिकल ग्राउंड पर छह महीने की जमानत मिल गई है। जमानत मंजूर होने के बाद वे जोधपुर स्थित अपने आश्रम पहुंचे, जहां उनके अनुयायियों में खुशी की लहर दौड़ गई। आसाराम की वापसी की खबर मिलते ही राजस्थान समेत कई राज्यों से श्रद्धालु जोधपुर पहुंचे। आश्रम परिसर में भक्ति कार्यक्रमों की पुनः शुरुआत हुई, जहां श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन किए और हरिओम हरिओम के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा।

आश्रम में माहौल पूरी तरह धार्मिक रहा, वहीं पुलिस प्रशासन सतर्क नजर आया। पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए। एसीपी आनंद सिंह और थाना प्रभारी शकील अहमद की टीम ने हालात पर लगातार निगरानी रखी।

इसके अलावा, बोरानाडा थाने के एसआई हैम सिंह के नेतृत्व में जाब्ता तैनात किया गया है, जो आश्रम परिसर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है।

प्रशासन ने बताया कि आसाराम के स्वास्थ्य की स्थिति को ध्यान में रखते हुए उन्हें सीमित समय तक ही सार्वजनिक रूप से मिलने-जुलने की अनुमति दी गई है।

क्या परप्पना अग्रहारा जेल है या जादुई दुनिया?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। परप्पना अग्रहारा जेल का चमत्कार कोई नहीं समझ सकता। इस जेल में वो सब कुछ होता है जो नहीं होना चाहिए। ढूँढ़ने पर कुछ नहीं मिलता। इसलिए, यह संदेह बना हुआ है कि यह जेल है या जादू की दुनिया। जहां एक ओर अभिनेता दर्शन शिकायत कर रहे हैं कि उन्हें बिस्तर और चादरें नहीं मिलतीं, वहीं दूसरी ओर, जेल में बदमाश उमेश रेड्डी और एक आतंकवादी के मोबाइल फोन इस्तेमाल करने के दृश्य वायरल हो गए और खूब हंगामा मचा। हालांकि, निरीक्षण के दौरान जेल में कुछ भी नहीं मिला। उमेश रेड्डी और आईएसआईएस आतंकवादी के दृश्य वायरल होते ही, सतर्क हुए जेल अधिकारियों ने सौ से ज्यादा कर्मचारियों के साथ सभी बैरकों का अचानक निरीक्षण किया। कोई भी सामान नहीं मिला। जेल अधिकारी इस बात से हैरान हैं कि एक दिन पहले उमेश रेड्डी और आतंकवादी के पास मौजूद मोबाइल फोन एक ही दिन में कैसे गायब हो गए। इसके अलावा, यह भी संदेह है कि जेल के कुछ कर्मचारी कैदियों से जुड़े हैं, और इसकी भी जांच की जा सकती है। ऐसा लगता है कि परप्पना अग्रहारा जेल में पैसा कमाने वालों के लिए दुनिया है। इससे पहले, गुब्बाची सीना ने जेल में ही एक शानदार जन्मदिन की पार्टी की थी। इसी तरह, हत्या के आरोप में जेल में बंद अभिनेता दर्शन का एक कुर्सी पर बैठकर उपद्रवी विल्सन गार्डन नागा के साथ वीडियो वायरल हुआ था। इसके अलावा, एक जेल वार्डन के पास से मोबाइल फोन भी मिला था। इतना ही नहीं, कुछ उपद्रवियों द्वारा जेल से ही बाहरी लोगों को फोन पर धमकाने और पैसे ऐंठने के मामले भी सामने आए थे। यह सब देखकर ऐसा लगता है कि परप्पना अग्रहारा जेल में पैसा कमाने वालों के लिए दुनिया है। यहां यह आरोप लगाना आम बात है कि जेल में बंद कैदियों को वार्डन के हाथ गर्म करने पर उनकी जरूरत की सभी सुविधाएं मिल जाएंगी। चूंकि जेल कर्मचारी कैदियों को बैरकों के निरीक्षण के लिए जेल अधिकारियों के आगमन की सूचना देते हैं, इसलिए पहले भी देखा गया है कि कैदी अपने मोबाइल फोन को प्लास्टिक कवर में डालकर शौचालय के टब से बांध देते हैं, या बैरकों के पास पेड़ की टहनियों से बांध देते हैं। इस घटना के बाद, निरीक्षण के दौरान जेल अधिकारियों ने शौचालय की तलाशी ली, लेकिन वहां केवल कैदियों का सामान ही मिला। इससे यह संदेह पैदा होता है कि परप्पना अग्रहारा जेल कोई जादुई दुनिया हो सकती है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि परप्पना अग्रहारा जेल में लगे जैमर के कारण आसपास के इलाकों में मोबाइल नेटवर्क नहीं आ रहा है। ऐसे में किसी को समझ नहीं आ रहा कि जेल के अंदर बंद कैदियों के फोन में ही नेटवर्क कैसे आ रहा है। परप्पना अग्रहारा जेल के कैदियों और आतंकवादियों की पनाहगाह बनने की खबर से चिंतित गृह मंत्री परमेश्वर ने जेल अधिकारियों को आड़े हाथों लिया है और उन्हें यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। साथ ही, उन्होंने मामले की गहन जांच के आदेश भी दिए हैं।

धमदाहा में बढ़ा चुनावी टकराव, अगवा की कोशिश

पटना/एजेंसियां। पूर्णिया के धमदाहा विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के आखिरी दौर में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव तेज हो गया है। राजद समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा ने मौजूदा मंत्री लेशी सिंह पर चुनाव को प्रभावित करने, अपहरण की कोशिश और डर का माहौल बनाने का आरोप लगाया है। वहीं, लेशी सिंह ने पलटवार करते हुए कुशवाहा और सांसद पप्पू यादव पर ओछी राजनीति और प्रचार में बाधा डालने का आरोप लगाया। पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मंत्री लेशी सिंह के समर्थकों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि शुक्रवार रात प्रचार के दौरान लेशी सिंह के समर्थकों ने राजद कार्यकर्ताओं को गाड़ी से उतारकर अगवा करने की कोशिश की। एक समर्थक के घर में घुसकर मारपीट और धमकाने की भी घटना हुई। राजद समर्थकों का आरोप है कि एनडीए समर्थक शराब के नशे में थे। जांच में इसकी पुष्टि भी हुई। उनके वाहन से भारी मात्रा में कैश और हथियार बरामद किए गए। हालांकि कुछ लोग नकदी और बोतलें लेकर भागने में सफल रहे। स्थानीय लोगों ने पांच लोगों को कार समेत पकड़ लिया। जब्त कार से प्रचार सामग्री और आपत्तिजनक चीजें मिलीं, साथ ही वह बिना अनुमति के प्रचार कर रही थी। कुशवाहा ने कहा कि धमदाहा में पिछले 15 वर्षों से खौफ और आतंक का माहौल है। उनका आरोप है कि वर्तमान विधायक की जमीन खिसकती दिख रही है, इसलिए उन्होंने चुनाव प्रभावित करने के लिए बाहरी अपराधियों को बुलाया है। उन्होंने 2020 के चुनाव में हुई एक हत्या का भी ज़िक्र किया और कहा कि उनकी जान को खतरा है। कुशवाहा ने कहा कि उनकी पार्टी शांति और अहिंसा में विश्वास रखती है। मंत्री लेशी सिंह ने अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया। उन्होंने कहा कि सांसद पप्पू यादव धमदाहा से संतोष कुशवाहा के कंधे पर बंदूक रखकर राजनीति कर रहे हैं। लेशी सिंह ने कहा कि पप्पू यादव और कुशवाहा शुरुआत से ही उनके परिवार और बेटे को हर मामले में घसीट रहे हैं, जो उनकी घटिया मानसिकता और नीच राजनीति को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि कुशवाहा ने उनके समर्थक की प्रचार गाड़ी को रोककर फेसबुक लाइव किया और झूठे आरोप लगाए कि कार में पैसे हैं, लेकिन जांच में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला।

बेतिया में शराबी दरोगा की ग्रामीणों ने की जमकर पिटाई

बेतिया/एजेंसियां। बिहार के पश्चिम चंपारण जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां बेतिया पुलिस की छवि पर फिर से सवाल उठे हैं। मझौलिया थाना क्षेत्र में तैनात एक दरोगा को ग्रामीणों ने नशे की हालत में पकड़ा, जमकर पिटाई की, वर्दी फाड़ दी और घंटों तक बंधक बनाए रखा। बताया जा रहा है कि दरोगा शराब के नशे में जांच करने गांव पहुंचे थे, जहां ग्रामीणों के साथ गाली-गलौज करने पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। घटना मझौलिया थाना क्षेत्र के मोहद्दीपुर गांव की है। जानकारी के मुताबिक, वहां तैनात दरोगा अरविंद सिंह अपने दो-तीन गार्डों के साथ पुलिस जीप से गांव पहुंचे थे। वे किसी मामले की जांच करने आए थे, लेकिन नशे में धुत होकर उन्होंने घरवालों से अभद्र भाषा में बात करनी शुरू कर दी। जब दरोगा ने गाली-गलौज और बदसलूकी की, तो स्थानीय लोगों ने उन्हें पकड़ लिया और बंधक बना लिया। इसके बाद ग्रामीणों ने दरोगा की जमकर पिटाई की, उनकी वर्दी फाड़ दी और घंटों तक बंधक बनाए रखा। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जो अब तेजी से फैल रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सूचना मिलने पर मझौलिया थाना से टीम मौके पर पहुंची और दरोगा को ग्रामीणों के कब्जे से मुक्त कराया गया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि दरोगा नशे में धुत होकर महिलाओं से दुर्व्यवहार कर रहे थे और अशोभनीय भाषा का प्रयोग कर रहे थे। इससे गुस्साए ग्रामीणों ने उन्हें सबक सिखाने के लिए पकड़ लिया और पिटाई कर दी। बेतिया पुलिस पर आचार संहिता और शराबबंदी कानून की धज्जियां उड़ाने का गंभीर आरोप लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि जब सूबे में शराबबंदी लागू है, तो पुलिसकर्मी खुद शराब पीकर जांच करने कैसे पहुंचे? इस पूरे घटनाक्रम से बेतिया पुलिस की साख पर गहरा धब्बा लगा है। जिले में पुलिस की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं और सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस विभाग की किरकिरी हो रही है।

सिद्धरामैया के करीबी सहयोगियों के लिए आयोजित भोज ने लोगों में उत्सुकता जगा दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दिल्ली में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के करीबी सहयोगियों के लिए आयोजित भोज ने लोगों में उत्सुकता जगा दी है और नवंबर क्रांति की चर्चा को और बल दिया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार 14 तारीख को दिल्ली के लिए रवाना हो रहे हैं, और इस अवसर पर कोप्पल के सांसद राजशेखर यतनाल ने कांग्रेस सांसदों और प्रमुख हस्तियों के लिए एक भोज का आयोजन किया है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के भी इसमें शामिल होने की संभावना है। कहा जा रहा है कि इस अवसर पर राज्य की विकास परियोजनाओं पर आवाज उठाने और सांसदों को केंद्र सरकार पर लंबित परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए दबाव बढ़ाने हेतु मनाने के लिए यह बैठक आयोजित की गई है।

लेकिन इस समय भी राज्य की राजनीति में हलचल तेज है। अलग-अलग बैठकों ने यहां-वहां ध्यान आकर्षित किया है क्योंकि नवंबर में मंत्रिमंडल में फेरबदल होगा और नेतृत्व परिवर्तन होगा। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि कोई नवंबर क्रांति नहीं है। मंत्रिमंडल में भी फेरबदल नहीं होगा। उन्होंने यह कहकर सारे भ्रम दूर करने की कोशिश की कि नेतृत्व परिवर्तन पर कोई चर्चा नहीं हुई। इसके बावजूद, चर्चाएं और भ्रम जारी हैं। मंत्री सतीश जारकीहोली, एच.सी. महादेवप्पा, जी. परमेश्वर ने कई अलग-अलग बैठकों के जरिए राज्य का ध्यान आकर्षित किया था। आलाकमान के फैसले के बाद अलग-अलग बैठकें कम कर दी गई हैं। लेकिन राज्य की राजनीतिक चर्चा अब दिल्ली स्थानांतरित हो गई है। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। वहीं, उम्मीद है कि दिल्ली में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री वरिष्ठ नेताओं के साथ मंत्रिमंडल फेरबदल और अन्य मुद्दों पर चर्चा करेंगे। दिल्ली दौरे ने काफी उत्सुकता पैदा कर दी है क्योंकि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया खुद इस रात्रिभोज में शामिल हो रहे हैं। इस बीच, बेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने रात्रिभोज पर टिप्पणी की। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वह सांसद राजशेखर यतनाल द्वारा दिल्ली में बुलाई गई रात्रिभोज पार्टी में शामिल नहीं होंगे और उन्हें आमंत्रित भी नहीं किया गया है। नवंबर क्रांति को लेकर अगर सबने अलग-अलग बयान दिए हैं, तो वह उन सबका जवाब कैसे दे सकते हैं? कांग्रेस में रह चुके राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल की पुस्तक का विमोचन दिल्ली में होने वाला है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री उसमें शामिल होने दिल्ली जा रहे हैं। उस मौके पर एक डिनर पार्टी का आयोजन हो सकता है। लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें इसकी कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि दलित मुख्यमंत्री को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो सकती हैं, लेकिन वह इसका कोई जवाब नहीं देंगे।

जेल में मोबाइल के इस्तेमाल करने जैसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु की परप्पना अग्रहार सेंट्रल जेल से एक चौंकाने वाला मामला आने के बाद कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने जेल में आईएसआईएस आतंकी और सीरियल रेपिस्ट के पास स्मार्टफोन मिलने के मामले पर कड़ा रुख अपनाया है।

उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस पर सख्त कार्रवाई होगी। मंत्री ने कहा पहले भी जब इस तरह की घटनाएं सामने आईं, तो हमने संबंधित अधिकारियों को निलंबित किया और जांच करवाई थी। अब भी हम ऐसा ही करेंगे। उन्होंने बताया कि बी. दयानंद को जांच का जिम्मा सौंपा गया है। मंत्री ने कहा मैंने उनसे बात की है और रिपोर्ट मांगी है। अगर रिपोर्ट संतोषजनक नहीं हुई तो हम नई समिति बनाएंगे। अगर पुलिस रिपोर्ट से स्पष्टता नहीं आती, तो अलग जांच कराई जाएगी। गृह मंत्री ने कहा कि जेल में किसी को भी चाहे आतंकी हो या कोई और मोबाइल फोन तक पहुंच नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर ऐसे मामले बार-बार बेंगलूरु, बेलगावी और मेंगलूरु की जेलों में क्यों सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा मुझे नहीं पता यह वीडियो नया है या पुराना, लेकिन जांच जरूरी है। चाहे पुराना वीडियो ही क्यों न हो, ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। अभिनेता दर्शन को सिर्फ तकिया के लिए कोर्ट जाना पड़ा था, लेकिन ये लोग आसानी से फोन इस्तेमाल कर रहे हैं, जो यह अस्वीकार्य है।

मैसूरु बाघ हमला: तीन मौतों में शामिल बाघ को सरगुर तालुका में पकड़ा गया

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वन अधिकारियों ने मैसूरु जिले के सरगुर तालुक में पिछले एक महीने से लोगों और पशुओं पर हमला कर रहे एक नर बाघ को पकड़ लिया है, जिससे जंगल के किनारे बसे गांवों में दहशत फैल गई है। वन मंत्री ईश्वर बी. खंड्रे ने पुष्टि की है कि हेडियाला, मोलेयुर और नुगु वन क्षेत्रों में अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार माने जा रहे बाघ को सफलतापूर्वक पकड़ लिया गया है। क्षेत्र में मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं की बढ़ती संख्या के बाद वन विभाग ने बांदीपुर और नागरहोल टाइगर रिजर्व के कर्मियों के साथ गहन तलाशी अभियान शुरू किया था। हालांकि, मंत्री ने अधिकारियों को यह सत्यापित करने के लिए डीएनए परीक्षण कराने का निर्देश दिया है कि क्या पकड़ा गया बाघ ही हाल ही में हुए घातक हमलों के पीछे का कारण है। खंड्रे ने कहा इसकी संलिप्तता की पुष्टि के लिए पीड़ितों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट और बाघ के डीएनए प्रोफाइल का दोबारा सत्यापन किया जाना चाहिए। बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष को देखते हुए बांदीपुर और नागरहोल बाघ अभयारण्यों में सफारी अभियान अस्थायी रूप से स्थगित कर दिए गए थे। सफारी

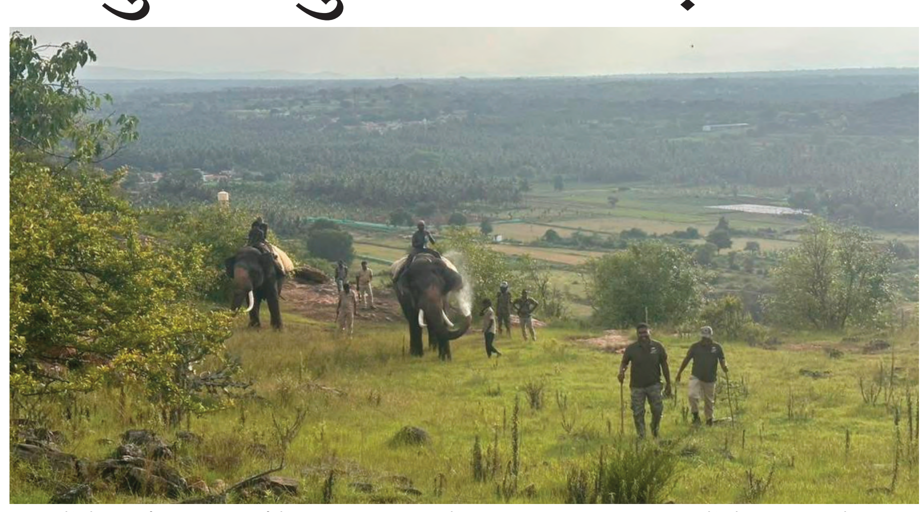

इकाइयों से पुनर्नियुक्त वन कर्मियों सहित अतिरिक्त वन कर्मियों को बाघों को पकड़ने के अभियान में लगाया गया था। प्रशिक्षित हाथी दलों के सहयोग से कई वन रेंजों के अधिकारियों ने इस अभियान में भाग लिया। अधिकारियों के अनुसार, पकड़े गए बाघ की उम्र लगभग 12 से 13 वर्ष होने का अनुमान है। उसके दांत बुरी तरह घिस गए हैं, जिससे उसके लिए जंगली शिकार करना मुश्किल हो गया होगा और वह आसान भोजन के लिए मानव बस्तियों में भटककर लोगों और मवेशियों पर हमला करने के लिए मजबूर हो गया होगा। मंत्री ने मैसूरु वन्यजीव प्रभाग और प्रोजेक्ट टाइगर के वरिष्ठ अधिकारियों को संवेदनशील गांवों में शिविर लगाने और बाघों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने का भी निर्देश दिया है। उन्होंने इस बात का आकलन करने की आवश्यकता पर बल दिया कि क्या क्षेत्र में कोई अन्य बाघ इसी तरह के हमलों में शामिल है और तदनुसार अभियान जारी रखने चाहिए। बाघों के लगातार देखे जाने की सूचना देने वाले गांवों में अतिरिक्त एहतियाती उपाय लागू किए गए हैं। खोज और बचाव दल लगातार तैयार हैं। एक विशेष रात्रि गश्ती दल - जिसमें एक उप वन अधिकारी, एक वन रक्षक और एक त्वरित प्रतिक्रिया दल (आरआरटी) वाहन के साथ दो प्रहरी शामिल हैं - संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त कर रहा है और बाघ की गतिविधि का पता चलने पर सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणालियों के माध्यम से सुरक्षा अलर्ट जारी कर रहा है। इसके अलावा, गांवों, स्कूलों, बाजारों और बस स्टॉप पर जन जागरूकता नोटिस वितरित किए गए हैं, जिनमें निवासियों को सतर्क रहने और अकेले घूमने से बचने की सलाह दी गई है, खासकर सुबह और देर शाम के समय। बाघों से मुठभेड़ से बचने के लिए क्या करें और क्या न करें, यह बताने वाले पत्रक भी वितरित किए जा रहे हैं। हालांकि बाघों के पकड़े जाने से कुछ राहत मिली है, फिर भी ग्रामीण सतर्क हैं और उन्होंने वन टीमों से अनुरोध किया है कि वे इस क्षेत्र में तलाशी अभियान जारी रखें ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हाल के हमलों के लिए कोई अन्य बाघ जिम्मेदार न हो।

राजद नेता के बेटे की संदिग्ध मौत, घर के पीछे मिला शव

सहरसा/एजेंसियां। जिले के सिमरी बख्तियारपुर थाना क्षेत्र से रविवार सुबह एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। नगर परिषद वार्ड नंबर 12 के ढाव गांव में राजद नगर अध्यक्ष सुरेंद्र यादव के 17 वर्षीय पुत्र प्रीतम कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रीतम का शव सुबह घर के पीछे चापाकल और बाथरूम के पास गिरा हुआ मिला। मृतक प्रीतम कुमार इंटरमीडिएट का छात्र था। वह पढ़ाई के साथ अपने पिता के राजनीतिक कार्यों में भी सहयोग करता था। परिजनों ने तत्काल उसे अनुमंडलीय अस्पताल सिमरी बख्तियारपुर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार, प्रीतम शनिवार की रात घर में ही सोया हुआ था। रविवार तड़के जब सुरेंद्र यादव की पत्नी नूतन देवी जागीं, तो उन्होंने देखा कि प्रीतम के कमरे का दरवाजा खुला हुआ है और वह बिस्तर पर नहीं था। पशुओं को चारा देने के बाद जब वे घर के पीछे स्थित बाथरूम और चापाकल की ओर गईं, तो उन्होंने देखा कि प्रीतम जमीन पर गिरा हुआ है। शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके

पर जुटे और तुरंत अस्पताल ले जाया गया। घटना की सूचना मिलते ही सिमरी बख्तियारपुर थानाध्यक्ष अमरनाथ कुमार, इंस्पेक्टर मो. सुजाउद्दीन और एसडीपीओ मुकेश कुमार ठाकुर मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू कर दी। एसडीपीओ मुकेश कुमार ठाकुर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह मामला संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का प्रतीत होता है। उन्होंने घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारी ने बताया कि अभी तक परिजनों द्वारा किसी प्रकार का लिखित आवेदन नहीं दिया गया है। मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। गौरतलब है कि सुरेंद्र यादव, जो वर्तमान में राजद नगर अध्यक्ष हैं, करीब एक माह पहले गांव में हुई एक मारपीट की घटना में नामजद आरोपी बनाए गए थे। पुलिस अब इस मामले को हर कोण से जांच रही है ताकि मौत के पीछे की सच्चाई सामने आ सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com